● वर्ष-2
● अंक-295
रायपुर, बुधवार
02 अगस्त 2023
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmail.com

मेवात में दंगाइयों पर भारी पड़ेंगे 144 घंटे

अब उपद्रवियों का छुपना होगा मुश्किल, पांच की मौत, करोड़ों की संपत्ति लूट ले गए

नूंह/ नई दिल्ली। हिंसा के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक हजार से अधिक लोगों के खिलाफ 16 एफआईआर दर्ज की हैं। सोमवार को हुई इस सांप्रदायिक हिंसा में अब तक जहां 60 लोग घायल हुए हैं, वहीं पांच लोगों की मौत की पुष्टि प्रशासन ने की है। मरने वालों में दो होमगार्ड व तीन आम आदमी शामिल हैं। दूसरी ओर सोमवार रात को लगाया गया कर्फ्यू मंगलवार को भी जारी रहा। सोमवार आधी रात के बाद पुलिस ने कई जगह दबिश देकर करीब 30 आरोपियों को हिरासत में लिया है। इस हिंसात्मक घटना में 100 से अधिक छोटे बड़े वाहन, कई दुकानें, एक ऑयल मील को जला दिया गया। इसके अलावा दंगाई हिंसा के बहाने करोड़ों रुपये की लूट कर चुके हैं। करीब पौने दो सौ हीरो की नई बाइक और नगीना में ऑयल मिल से ऑयल के अलावा कई जगह लाखों की लूटपाट की गई है।

शाम तक उपद्रवी, लोकल पुलिस के कंट्रोल से बाहर हो चुके थे, लिहाजा हरियाणा सरकार ने केंद्रीय गृह मंत्रालय से सुरक्षा बल भेजने की मांग की। इसके बाद केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की 20 कंपनियों को मेवात में रवाना कर दिया गया। सूत्रों का कहना है कि मेवात में दंगाइयों पर अगले %144% घंटे भारी पड़ेंगे। कहीं पर भी छिपे उपद्रियों को बाहर निकाला जाएगा। इसके लिए लोकल पुलिस ने केंद्रीय बलों की मदद से एक सर्च आपरेशन शुरु किया है। केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के 2000 जवानों की तैनाती छह अगस्त तक की गई है। इसमें महिला जवान भी शामिल हैं।

हरियाणा सरकार के आग्रह पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मेवात की कानून व्यवस्था की समीक्षा की। उसके बाद वहां पर केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की बीस कंपनियों को भेजा गया है। इनमें सीआरपीएफ की चार कंपनियां, जिनमें दो महिला कंपनी भी शामिल हैं, भेजी गई हैं। इसके अलावा रेपिड एक्शन फोर्स की 12 कंपनियां तैनात की गई हैं। बीएसएफ और आईटीबीपी की दो-दो कंपनियां लगाई गई हैं। अभी तक इन कंपनियों को छह अगस्त तक मेवात में तैनात रहने का आदेश मिला है। मेवात के नूंह में उस वक्त तनाव का माहौल बन गया, जब दो समुदायों के बीच पत्थराव शुरु हुआ। सोमवार सुबह करीब दस बजे हिंदू संगठनों की जलाभिषेक यात्रा, नूंह के नलहड़ शिव मंदिर से दिल्ली-अलवर रोड होते हुए फिरोजपुर झिरका तक पहुंचनी थी। बीच में एकाएक उपद्रवियों ने जलाभिषेक यात्रा पर पथराव कर दिया। वहां भगदड़ मच गई। इसके बाद दोनों समुदायों की ओर से पथराव शुरु हो गया। दर्जनों गाड़ियां तोड़ी गई। इसके बाद भीड़ ने गाड़ियों में आग लगानी शुरु कर दी। प्रशासन ने जलाभिषेक यात्रा की सुरक्षा का पुख्ता दावा किया था। इसके लिए बाकायदा पांच डीएसपी तैनात किए गए थे। उनके साथ डेढ़ दर्जन निरीक्षक और साढ़े सात सौ पुलिसकर्मी मौजूद थे। करीब दो दर्जन पुलिस राइडर भी यात्रा के साथ चल रहे थे। इतना कुछ होने के बाद भी दंगे को नहीं टाला जा सका।

बीजेपी ने देश में नफरत का केरोसीन फेंकाः राहुल

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सरकार पर आरोप लगाया है कि भाजपा देश में नफरत का केरोसिन फैला चुकी है। इसे मोहब्बत से ही बुझाया जा सकता है। इसको लेकर राहुल गांधी ने ट्वीट किया है। अपने ट्वीट में राहुल गांधी ने लिखा कि भाजपा, मीडिया और उनके साथ खड़ी ताक़तों ने पूरे देश में नफ़रत का केरोसिन फैला दिया है। सिर्फ़ मोहब्बत ही देश में लगी इस आग को बुझा सकती है। राहुल गांधी ने हरियाणा के कुछ क्षेत्रों में हुई हिंसक झड़पों और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के एक कांस्टेबल द्वारा चार लोगों की हत्या किए जाने की घटनाओं की पृष्ठभूमि में भाजपा पर निशाना साधा है।

फिर जल उठा गुरुग्राम

गुरुग्राम। हरियाणा के नूंह में तनाव के बीच गुरुग्राम में फिर से उपद्रवी हिंसात्मक हो गए। यहां बादशाहपुर में उपद्रवियों ने सड़क किनारे स्थित भोजनालयों को आग लगा दी। इसके अलावा आसपास स्थित अन्य दुकानों में तोड़फोड़ की। आग लगने से देखते ही देखते दुकानों जलकर राख हो गईं। इस दौरान भीड़ ने धार्मिक नारे भी लगाए। इससे पहले गुरुग्राम के सेक्टर-57 में एक निर्माणाधीन भवन को कुछ लोगों ने आग के हवाले कर दिया था। बताया जा रहा है कि भवन के बेसमेंट में एक धार्मिक स्थल था। दमकल की दो गाड़ियों ने आग पर काबू पाया है। आग में एक बाइक भी जल गई। मौके पर पुलिस पहुंच गई है।

नूंह में उपद्रव के कारण चार रूटों पर मंगलवार को गुरुग्राम डिपो की रोडवेज बसों का संचालन नहीं हो सका। जिसमें सोहना, पलवल, अलीगढ़ व मथुरा के लिए रोडवेज बसों को नहीं भेजा गया। हालांकि आगरा रूट पर रोडवेज बसों का संचालन किया गया है। इस रूट पर बसें राजीव चौक से वाया पंचगांव केएमपी से होते हुए आगरा के लिए संचालित की गई।

गुरुग्राम डिपो के डीआई राजबीर सिंह ने बताया कि आगरा रूट पर मंगलवार की सुबह तीन बसें भेजी गईं। एक बस दोपहर 1.30 बजे गुरुग्राम बस अड्डा से रवाना हुई। उन्होंने बताया कि सोहना, पलवल, अलीगढ़ व मथुरा रूट पर रोडवेज बसें नहीं चलाई जा रही। बुधवार तक स्थिति काबू में आती है तो इन रूटों पर भी रोडवेज बसों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। गुरुग्राम डिपो से अन्य रूटों पर जाने वाली बसों का संचालन सुचारू रूप से किया गया।

इन दिनों

✍ राजेश बादल

रूस-यूक्रेन जंग और शांति का रास्ता

समीकरण बदल रहे हैं। रूस और यूक्रेन के बीच जंग अपने आखिरी और खतरनाक मोड़ पर पहुंच रही है और दोनों राष्ट्रों से मिल रही खबरें भी चिंता जगाती हैं। परदेसी मदद से लड़ रहे यूक्रेन के तेवर बेहद आक्रामक हो गए हैं। दूसरी ओर रूस भी बौखलाया हुआ है। अब वह अपने सर्वाधिक घातक हथियारों का उपयोग करने जा रहा है। असल में यह लड़ाई अब इस स्थिति में पहुंच गई है, जब विश्व बिरादरी का दखल अनिवार्य हो गया है। अगस्त के पहले सप्ताह में सऊदी अरब की पहल पर एक शांतिवार्ता होने जा रही है। इसमें तीस देश हिस्सा ले रहे हैं। भारत भी इनमें से एक है। हम आशा कर सकते हैं कि इस बैठक से युद्ध की समाप्ति का फॉर्मूला निकल आएगा। वैसे तो दोनों मुल्कों के बीच सऊदी अरब की सुलह की कोशिशें लंबे समय से चल रही हैं। उसके साथ यूक्रेन भी अपने को सहज पाता है और रूस भी। हालांकि जेद्दाह में होने वाले इस शिखर सम्मेलन में रूस हिस्सा नहीं ले रहा है। वह सऊदी अरब पर इतना भरोसा कर सकता है कि उसके हितों की हिफाजत हो जाए। तेल उत्पादन के क्षेत्र में दोनों देश अभी भी मिलकर काम कर रहे हैं। सऊदी अरब तथा रूस की तेल-दोस्ती पर अमेरिका कई बार आपत्ति जता चुका है। दूसरी तरफ यूक्रेन और सऊदी अरब के बीच भी भरोसे की मजबूत दीवार है। सऊदी अरब ने इसी साल यूक्रेन को 400 मिलियन डॉलर की मदद भी पहुंचाई है। वह संयुक्त राष्ट्र में इस जंग को समाप्त करने वाले प्रस्ताव का समर्थन भी कर चुका है। इसी कारण से बैठक में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की पहुंच रहे हैं। सऊदी अरब इसमें रूस को अभी आमंत्रित नहीं कर रहा। शायद वह इस शिखर बैठक के बाद रूस को मनाने का एक अवसर अपने पास रखना चाहेगा। बड़े देशों में भारत के अलावा ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका भी जेद्दाह शांति सम्मेलन में भाग ले रहे हैं। कुछ समय पहले जेद्दाह में अरब लीग समिट हो चुकी है। इसमें जेलेंस्की को खासतौर पर बुलाया गया था। जेलेंस्की ने अपने देश के लिए अरब देशों से खुले समर्थन की अपेक्षा की थी। आपको याद होगा कि पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका की पहल पर सारे अफ्रीकी देशों ने इस जंग को खत्म करने के लिए शांति प्रस्ताव तैयार किया था। लेकिन इसमें रूस के जीते हुए क्षेत्रों को वापस लौटाने की बात शामिल नहीं थी। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने इसलिए इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। जेलेंस्की ने कहा था कि युद्ध तभी समाप्त हो सकता है, जब यूक्रेन से छीनी गई सारी जमीन रूस लौटा दे। गौरतलब है कि इसमें यूक्रेन के नाटो की सदस्यता लेने वाला बिंदु नदारद था, जिसकी वजह से रूस ने पहला आक्रमण किया था। इसका अर्थ यह भी निकलता है कि रूस अब यह जिद छोड़ने पर राजी हो गया है। उसने चीन की बारह सूत्री योजना को पसंद भी किया था। गतिरोध खत्म करने की दिशा में यह बड़ा कदम माना जा सकता है।

राजस्थान को बदनाम करने भाजपा ने गढ़े आरोप : गहलोत

नईदिल्ली। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए मंगलवार को कहा कि उसके नेता राजस्थान को बदनाम करने के लिए झूठे आरोप लगा रहे हैं। गहलोत ने कहा कि राजस्थान ये बदनामी का प्रयास नहीं सहेगा और राजस्थानियों को गलत तरीके से बदनाम कर नीचा दिखाने के भाजपा के कुप्रयास का प्रदेशवासी समय आने पर जवाब देंगे। उनका यह बयान भाजपा द्वारा नहीं सहेगा राजस्थान अभियान के तहत राजधानी जयपुर में किए गए प्रदर्शन के बाद आया। इसमें गहलोत ने कहा कि राजस्थान में महिलाओं की पूरी सुनवाई होती है एवं पुलिस अपराध के खिलाफ सख्त कार्रवाई करती है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के कुछ आंकड़े साझा करते हुए गहलोत ने ट्वीट किया, सिर्फ मणिपुर एवं भाजपा शासित राज्यों की असफलताओं से ध्यान हटाने के लिए केन्द्र व राज्य के भाजपा नेता राजस्थान को बदनाम करने के लिए झूठे आरोप लगा रहे हैं। गहलोत ने ट्विटर पर आठ बिंदुओं के जरिए भाजपा पर पलटवार किया। उन्होंने कहा, वो सच जो भाजपा को कड़वा लगेगा क्योंकि एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक 1. प्रति लाख जनसंख्या पर महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में देश में भाजपा शासित असम, केन्द्र शासित पुलिस वाला राज्य दिल्ली, हरियाणा टॉप 5 राज्यों में हैं। उन्होंने कहा, 2. महिलाओं के साथ दुष्कर्म के सर्वाधिक मामले भाजपा शासित मध्य प्रदेश में हैं। 3. हत्या, महिलाओं के विरुद्ध अपराध एवं अपहरण में भाजपा शासित उत्तर प्रदेश देश में सबसे आगे है।

गहलोत ने कहा, 4. नाबालिगों से बलात्कार यानी पॉक्सो एक्ट के मामले में मध्य प्रदेश देश में पहले स्थान पर है जबकि राजस्थान 12वें स्थान पर है। 5. एनसीआरबी रिपोर्ट में 2019 की तुलना में 2021 में राजस्थान में महिलाओं के विरुद्ध अपराध कम हुए हैं जबकि भाजपा शासित मध्य प्रदेश, हरियाणा, गुजरात, हिमाचल प्रदेश में अपराध बढ़े। मुख्यमंत्री ने कहा, 6. मणिपुर में महिलाओं के साथ जिस तरह की घटनाएं हुई हैं वो पूरी दुनिया ने देखा है।

7. जोधपुर में बलात्कार के मामलों में एबीवीपी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता आरोपी हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार, राजस्थान में एफआईआर के अनिवार्य पंजीकरण की नीति के बावजूद 2021 में 2019 की तुलना में करीब पांच प्रतिशत अपराध कम दर्ज हुए हैं जबकि मध्य प्रदेश, हरियाणा, गुजरात, उत्तराखंड समेत 17 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में अपराध अधिक दर्ज हुए हैं। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, राजस्थान में महिलाओं की पूरी सुनवाई होती है एवं पुलिस अपराध के खिलाफ सख्त कार्रवाई करती है।

रायपुर। महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस मुंबई से आज शाम रायपुर पहुंचे, विमानतल पर भाजपा अध्यक्ष अरुण साव, विधायक बृजमोहन अग्रवाल, छगन मुंदड़ा, प्रीतेश गांधी, ललित जैसिंध व अन्य भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। आज 2 अगस्त को श्री बैस का नागरिक अभिनंदन समारोह सर्वसमाज द्वारा इंडोर स्टेडियम में रखा गया है।

प्रमुख समाचार

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से आज को मिलेंगे इंडिया गठबंधन के नेता

नईदिल्ली। इंडिया गठबंधन ने नेताओं ने इस मामले में राष्ट्रपति से हस्तक्षेप की मांग की है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने जानकारी देते हुए कहा कि संसद के दोनों सदनों के नेता और हाल ही में मणिपुर का दौरा करने वाले 21 विपक्षी

सांसद बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मणिपुर मुद्दे पर विपक्षी दलों की चिंताओं को सुनने के कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। राष्ट्रपति बुधवार सुबह 11.30 बजे विपक्षी सांसदों (संसद सदस्यों) से मिलने पर सहमत हुई हैं। 20 जुलाई को मानसून सत्र की शुरुआत से ही विपक्षी दलों द्वारा लोकसभा और राज्यसभा दोनों में मणिपुर में हिंसा पर व्यापक चर्चा की मांग उठाई जा रही है। विपक्षी दल राज्य की स्थिति के संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संसद में बयान देने की भी मांग कर रहे हैं। विपक्ष दलों का दावा है कि भाजपा शासित मणिपुर में हिंसा चिंताजनक है और इसके कारण कई लोगों की मौत हुई है। इंडिया गठबंधन ने नेताओं ने इस मामले में राष्ट्रपति से हस्तक्षेप की मांग की है।

देश के 4001 मौजूदा विधायकों की कुल संपत्ति 54545 करोड़

नई दिल्ली। देश के 4,001 मौजूदा विधायकों की कुल संपत्ति 54,545 करोड़ रुपये है, जो नगालैंड, मिजोरम और सिक्किम के 2023-24 के संयुक्त वार्षिक बजट से अधिक है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और नेशनल

इलेक्शन वॉच (एनईडब्ल्यू) ने एक रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया है। इन्होंने विधायकों द्वारा अपना पिछला चुनाव लड़ने से पहले दायर हलफनामों से आंकड़ों को निकाला है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 4,033 विधायकों में से 4,001 के हलफनामों का विश्लेषण किया गया है। इसमें कहा गया है कि 84 राजनीतिक दलों और निर्दलीय विधायकों की प्रति विधायक औसत संपत्ति 13.63 करोड़ रुपये है। इसमें आगे कहा गया है कि 4,001 मौजूदा विधायकों की कुल संपत्ति 54,545 करोड़ रुपये है। यह राशि तीन राज्यों नगालैंड, मिजोरम और सिक्किम के 2023-24 के संयुक्त वार्षिक बजट से अधिक है, जो कुल 49,103 करोड़ रुपये है। नगालैंड का 2023-24 का वार्षिक बजट 23,086 करोड़ रुपये, मिजोरम का 14,210 करोड़ रुपये और सिक्किम का 11,807 करोड़ रुपये है।

क्या भाजपा-अकाली दल में फिर होगा गठबंधन?

राजपुरा (पंजाब)। भाजपा के दिग्गज नेता व राष्ट्रीय महामंत्री कैलाश विजयवर्गीय निजी कार्यक्रम के दौरान राजपुरा-शंभू रोड पर एक सम्मान समारोह में पहुंचे। इस दौरान पत्रकारों ने

जब उनसे भविष्य में अकाली दल से गठबंधन की संभावना के बारे में पूछा तो कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि राजनीति में संभावनाएं हमेशा बनी रहती हैं और इससे इन्कार नहीं किया जा सकता है। जब विपक्ष बेमेल गठजोड़ करने में लगा है। उनका आपस में खून-खराबा भी होता है तो ऐसे में अकाली दल तो फिर भी हमारा पुराना मित्र है। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव में हम सभी ने ही देखा बंगाल में टीएमसी ने कांग्रेस व सीपीएम के कार्यकर्ताओं की हत्याएं की हैं। इसके बावजूद आपस में एक साथ इकट्ठे होकर दिल्ली में बैठ रहे हैं। उन्हें अपने कार्यकर्ताओं की हत्याओं की कोई परवाह नहीं तो आप समझ सकते हैं। वह अपने विरोधियों से समझौता कर कार्यकर्ताओं के साथ भी विश्वासघात कर रहे हैं। ज्ञानव्यापी पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान पर उन्होंने कहा योगी आदित्यनाथ सांविधानिक पद पर हैं।

खालिस्तान के कनाडा में जारी है भारत विरोधी अभियान

नईदिल्ली। स्वतंत्रता दिवस पर देश में भारतीय मिशनों को घेरने की अपनी धमकी से पहले कनाडा में खालिस्तान समर्थक तत्वों ने ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में भारत के सबसे वरिष्ठ

राजनयिकों के खिलाफ अपना पोस्टर अभियान जारी रखा। वांटेड शब्द के साथ पोस्टरों की नई श्रृंखला सरे शहर के विभिन्न स्थानों पर लगाई गई थी। पहले किल इंडिया पोस्टरों की तरह, विभिन्न स्थानों पर लगाए गए पोस्टरों के वीडियो सोमवार को सोशल मीडिया पर प्रसारित किए गए और इन्हें पाकिस्तान-आधारित या पाकिस्तान-समर्थक हैंडल द्वारा प्रचारित किया गया था, जिनमें से कई को बनाया गया था। पोस्टरों के नवीनतम बैच में ब्रिटिश कोलंबिया में अलगाववादी समूह सिख फॉर जस्टिस के प्रमुख नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का जिक्र है। निज्जर की 18 जून को सरे में गुरु नानक सिंह गुरुद्वारा साहिब की पार्किंग में हत्या कर दी गई थी। एसएफजे ने उनकी हत्या के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराया है। इंटीग्रेटेड होमिसाइड इन्वेस्टिगेशन टीम या इन्वेस्टिगेशन टीम, जो हत्या की जांच कर रही है।

अर्द्धसैनिक बलों के 53,336 जवानों ने छोड़ी नौकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय पुलिस सुरक्षा बलों और असम राइफल्स में बीते पांच सालों में पचास हजार से ज्यादा जवानों ने या तो नौकरी छोड़ दी है या फिर रिटायर हो गए हैं। सरकार ने एक सवाल के जवाब में लोकसभा में यह लिखित जानकारी दी। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने जवाब में बताया कि बीते पांच सालों में अर्द्धसैनिक बलों के 53,336 जवानों ने नौकरी छोड़ी है। कांग्रेस नेता मणिकम टैगोर ने अर्द्धसैनिक बलों के काम के हालात को लेकर सवाल पूछा कि क्या ये सही है कि बीते पांच सालों में अर्द्धसैनिक बलों के 50 हजार से ज्यादा जवानों ने नौकरी छोड़ दी है? साथ ही अर्द्धसैनिक बलों द्वारा आत्महत्या की घटनाओं की भी जानकारी मांगी गई थी। इसके लिखित जवाब में केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने बताया कि बीते पांच सालों में अर्द्धसैनिक बलों के 53,336 जवानों ने नौकरी या तो छोड़ दी है या फिर रिटायरमेंट ले लिया है। वर्षवार आंकड़ा देते हुए नित्यानंद राय ने बताया कि साल 2018 में अर्द्धसैनिक बलों के 9228 जवानों ने वीआरएस (स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति) लिया और 1712 रिटायर हुए। 2019 में 8908 जवानों ने वीआरएस लिया और 1415 जवान रिटायर हुए। 2020 और 2021 में क्रमशः 6891 और 10,762 जवानों ने वीआरएस लिया।

संसद में पीएम मोदी 10 को अविश्वास प्रस्ताव पर देंगे जवाब

नईदिल्ली। संसद के मानसून सत्र में विपक्षी दलों का जबरदस्त तरीके से हंगामा जारी है। मणिपुर को लेकर यह हंगामा चल ही रहा था कि आज संसद में दिल्ली में अधिकारियों की ट्रांसफर पोस्टिंग और तमाम अन्य नियमों को तय करने वाले दिल्ली अध्यादेश बिल को पेश कर दिया गया। इसके बाद से फिर से लोकसभा में गतिरोध बढ़ गया। वहीं, आज राज्यसभा में कुछ हद तक कामकाज हो सका है। हालांकि, सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तकरार कम होने का नाम नहीं ले रहा है। विपक्षी दलों का लोकसभा और राज्यसभा दोनों ही सदनों में मोदी सरकार के खिलाफ हंगामा और नारेबाजी जारी है। विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव पर लगातार चर्चा की मांग कर रहा है। इन सब के बीच आज खबर आई है कि 8 से 10 अगस्त के बीच से अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा हो सकती है। वहीं, 10 अगस्त को ही प्रधानमंत्री अविश्वास प्रस्ताव पर लोकसभा में जवाब देंगे।

लोकसभा की कार्यवाही

मणिपुर के मुद्दे पर संसद में मानसून सत्र के प्रारंभ से जारी गतिरोध अब भी बरकरार है। मंगलवार को विपक्षी सदस्यों के शोर-शराबे के कारण लोकसभा की कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित करनी पड़ी। विपक्षी दलों के सदस्यों के शोर-शराबे के बीच ही निचले सदन में तीन विधेयक पारित हुए और एक विधेयक पेश किया गया। लोकसभा में जिन तीन विधेयकों को मंजूरी दी गई उनमें 'जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2023, 'अपतट क्षेत्र खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन

विधेयक, 2023 और 'संविधान अनुसूचित जातियां आदेश संशोधन विधेयक, 2023' शामिल हैं।

केंद्र सरकार पत्रकारों की सुरक्षा के लिए एक मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) को अंतिम रूप देने पर काम कर रही है। सरकार ने लोकसभा को यह जानकारी दी। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि केंद्र सरकार पत्रकारों और मीडियाकर्मियों समेत सभी नागरिकों की सुरक्षा को अत्यंत महत्व देती है।

राज्यसभा की कार्यवाही

मणिपुर मुद्दे पर राज्यसभा में भी गतिरोध कायम है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को आरोप लगाया कि राज्यसभा में विपक्षी दलों के सदस्यों को बोलने नहीं दिया जा रहा है और उन्हें धमकाया जा रहा है। विपक्षी सदस्यों ने सदन से वाकआउट भी किया।

सरकार ने मंगलवार को राज्यसभा में कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद देश में अंग प्रतिरोपण में वृद्धि हुई है और 2023 में अब तक 7,107 अंगों का प्रतिरोपण किया गया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री एस पी सिंह बघेल ने एक सवाल के लिखित जवाब में राज्यसभा को यह जानकारी दी। सरकार ने मंगलवार को राज्यसभा में अधिवक्ता (संशोधन) विधेयक 2023 तथा प्रेस और पत्रिका पंजीकरण विधेयक 2023 पेश किए। भोजनावकाश के बाद उच्च सदन की बैठक फिर शुरू होने के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने सभापति की अनुमति से प्रेस और पत्रिका पंजीकरण विधेयक 2023 पेश किया। राज्यसभा ने मंगलवार को बहु राज्य सहकारी समिति संशोधन विधेयक 2022 को मंजूरी दे दी। बहु राज्य सहकारी समिति अधिनियम 2002 में संशोधन के प्रावधान वाले इस विधेयक का उद्देश्य सहकारी समितियों के कामकाज को बेहतर, ज्यादा पारदर्शी और जवाबदेह बनाना तथा उनकी चुनाव प्रक्रिया में सुधार लाना है। इस विधेयक को लोकसभा ने गत सप्ताह मंजूरी दी थी। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को कहा कि उनके मंत्रालय की ई-स्वास्थ्य पहल ई-संजीवनी के तहत अप्रैल 2021 से इस साल 26 जुलाई तक 14.17 करोड़ से अधिक टेली-परामर्श दिए गए हैं। उन्होंने एक सवाल के जवाब में राज्यसभा को यह जानकारी दी। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ नेप्रश्नकाल को संसदीय लोकतंत्र का दिल बताते हुए मंगलवार को अफसोस जताया कि कुछ सदस्य अपने तारांकित सवालों के सूचीबद्ध होने के बाद भी पूरक प्रश्न पूछने के लिए उचित समय पर सदन में मौजूद नहीं रहते हैं। सभापति ने उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान यह टिप्पणी उस समय की जब विपक्ष के ज्यादातर सदस्य सदन में मौजूद नहीं थे।

भूपेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रदेश के सभी वर्गों को मिल रहा है लाभ : बिंदा नेताम

नगरी। छत्तीसगढ़ प्रदेश महिला कांग्रेस के महासचिव बिन्दा नेताम ने भूपेश सरकार के साढ़े चार साल की उपलब्धियों को लेकर प्रेस विज्ञप्ति जारी कर अपनी बात रखी। श्रीमती नेताम ने कहा कि छत्तीसगढ़ के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय भूपेश बघेल के नेतृत्व में सरकार बनते ही किसानों के कर्ज माफ कर,किसानों को कर्ज मुक्ति सरकार की महती योजना नरवा,गरवा,घुरवा बारी से प्रदेश के किसान,मजदूर गरीबों की आय में बढ़ोतरी हुई है। नरवा विकास योजना जहां लघु सिंचाई योजना के माध्यम से किसानों को सिंचाई सुविधा मिल रही है वहीं नरवा गरवा घुरवा,गोधन न्याय योजना से गोबर बेचकर आमजन लखपति बन रहे हैं। अपने घर परिवार जीवन स्तर सुधार रहे हैं।

गोठान के माध्यम से महिला स्व सहायता समूह के महिलाएं वर्मी कंपोस्ट गोबर पेंट,दिया एवं सब्जी इत्यादि उत्पादन कर स्वरोजगार से लाखों रुपयों की आमदनी कम आ रहे हैं। समर्थन मूल्य में धान खरीदी कर राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत धान का बोनस देकर किसानों की हर संभव मदद कर रहे हैं। जिससे किसानों की आय में अति बढ़ोतरी हुई है। धान का समर्थन मूल्य 2500 से बढ़ाकर 2800 प्रति क्विंटल करने की घोषणा से किसानों में खुशी छाई हुई है। समर्थन मूल्य में वनोपज की खरीदी व तेंदूपत्ता 4000 प्रति मानक बोरा के दर से खरीद रही है जिससे वनोपज संग्राहकों को आर्थिक लाभ हो रहा है। आंगनवाड़ी बहनों का मानदेय बढ़ाकर सम्मान किया है।प्रदेश में चिकित्सा महाविद्यालयों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है साथ ही जनता के स्वास्थ्य सुविधा हेतु हाट बाजार की योजना,महतारी दुलारी योजना,सुपोषण योजना तथा डॉ खूबचंद बघेल स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत बीपीएल परिवारों को 5 लाख तक का मुफ्त इलाज की सुविधा दिया जा रहा है। युवाओं के लिए रीपा के तहत उद्योग स्थापित कर युवाओं को स्वरोजगार दे रही है तथा विभिन्न पदों पर विज्ञापन जारी कर सरकारी नौकरी के लिए बंपर भर्ती किया जा रहा है जिससे हजारों युवाओं को सरकारी नौकरी छत्तीसगढ़ के त्योहारों में अवकास घोषित कर छत्तीसगढ़िया संस्कृति को जीवंत बनाए रखने का प्रयास किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के तीज त्योहारों में अवकास घोषित कर छत्तीसगढ़िया संस्कृति को जीवंत बनाए रखने का प्रयास किया है।विश्व आदिवासी दिवस 9 अगस्त को अवकाश घोषित करने वाले देश के पहले मुख्यमंत्री साथ ही आदिवासीयों की आस्था का केंद्र देवगुढ़ियों को जीर्णाधार कर उनके संरक्षण संवर्धन के साथ गायता, सिरसा, बैगा, गुनिया, मांझी,चालकी,पटेल को मानदेय देकर सम्मान किया है। स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम से स्कूल खोलने से गांव के गरीब बच्चे,सरकारी स्कूल से अंग्रेजी माध्यम से सीबीएसई कोर्स पढ़ाई कर अब छममज/रमम के माध्यम से डाक्टर एवं इंजिनियर बन सकेंगे। ऐसे ही छत्तीसगढ़ शासन के अनेक जन कल्याणकारी योजनाओं से सभी वर्गों के लोगों को लाभ मिल रहा है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने विधानसभा के अंतिम सत्र में अनुपूरक बजट पारित कर कई महत्वपूर्ण योजनाओं के साथ, सरकारी कर्मचारी अधिकारियों को 4: महंगाई भत्ता सातवां वेतनमान से गृह भाड़ा तथा दैनिक वेतन को भी, संविदा कर्मियों के वेतन में 27: वृद्धि किया है। छत्तीसगढ़ के संवेदनशील मुख्यमंत्री माननीय श्री भूपेश बघेल जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के कांग्रेस सरकार गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ के अवधारणा अनुरूप प्रदेश के सभी वर्गों का चहुंमुखी विकास कर रही है।जिससे छत्तीसगढ़ सांस्कृतिक आर्थिक समृद्धि के साथ निरंतर अग्रसर हो रहा है।

बिजली व्यवस्था के बदहाल सेवा को लेकर भाजपा नेता बंद बिजली आफिस के बाहर धरना में बैठे

कोरबा। अपनी बदहाली की आंसू बहा रहा पाली विद्युत वितरण केंद्र इन दिनों काफी चर्चा में है। वर्षा न आंधी-तूफान, बावजूद लगातार बिजली की आंख मिचौली से पाली मिनी शहर समेत क्षेत्र की जनता त्रस्त है। बिजली विभाग द्वारा प्रतिवर्ष गर्मी के दिनों में विद्युत व्यवस्था को सुधारा जाता है, ताकि वर्षाकाल में विद्युत आपूर्ति बाधित न हो। विद्युत पोलों के पास लगे पेड़ों की कटाई-छंटाई की जाती है, ताकि तार में पेड़ से टकराने से स्पार्किंग न हो। इसी तरह अक्सर मेंटनेंस कार्य किया जाता है, इसकी वजह से घंटों बिजली को बंद कर दिया जाता है। लेकिन समय-बेसमय बिजली बंद होने से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। जब पाली का यह हाल है, तो ग्रामीण क्षेत्रों में क्या हाल होगा, समझा जा सकता है।

वही नगर पंचायत क्षेत्र तक में बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने में बिजली विभाग दिलचस्पी नहीं दिखा रहा है, प्रतिदिन बिजली की असमय कटौती से परेशान ग्रामीण समेत राजनेता, पत्रकार, बिजली विभाग में चक्कर काटते नगर आते है। बदहाल सेवा को लेकर भाजपा के जिला उपाध्यक्ष संजय भावनानी आग बबूला होकर बिजली विभाग पहुंच गए, तो वहां कोई भी जिम्मेदार अधिकारी या कर्मचारी नही मिला। इससे नाराज भावनानी बिजली विभाग के गेट पर ही धरने पर बैठ गए। उनके धरना में बैठते ही लाइन आ गई।

जिला उपाध्यक्ष भावनानी ने बिजली विभाग को चेतावनी देते हुए कहा कि मेरे घर में इनवर्टर की सुविधा है, पर जिसके घर में यह सुविधा नहीं है उनका क्या हाल होगा। आपके भी घर परिवार बाल बच्चे हैं, उनसे पूछना कि बिजली गुल होने से कैसी परेशानी में काम चलाना पड़ता है। उन्होंने कहा जल्द बिजली व्यवस्था नही सुधरी को विभाग के खिलाफ आंदोलन किया जाएगा। यह चुनावी वर्ष है और ऐसे में बिजली विभाग की नींद नहीं खुली तो मामला विचारणीय है। इस चेतावनी के बाद बिजली विभाग भाजपा के आंदोलन की प्रतीक्षा करती है या बिजली सेवा दुरुस्त करने में दिलचस्पी दिखाती है, यह देखने वाली बात है।

विधायक ने सेक्टर के पदाधिकारियों की बैठक लेकर चुनाव जितने के दिए टिप्स

नगरी। सिहावा विधायक डॉ लक्ष्मी ध्रुव की उपस्थिति में प्रदेश व जिला कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मगरलोड के तत्वाधान में सिंगपुर जोन की बैठक दिनांक 30.7.2023 को बुढ़ा देव मंदिर प्रांगण में संपन्न हुआ बैठक में आगामी चुनाव की तैयारी के संबंध में विचार विमर्श किया गया जिसमें जिला ब्लॉक जोन सेक्टर एवं बूथ के प्रमुख पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। जिसमें संगठन को अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के दिशा निर्देश के तहत काम करने और संगठन को मजबूत बनाने की चर्चा किया गया।

बैठक के दौरान उपस्थितजनों द्वारा आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा की गई एवं सभी वक्ताओं ने अपना अपना विचार रखा। मुख्य अतिथि की आसंदी को सुशोभित करते हुए डॉ लक्ष्मी ध्रुव ने अपने उद्बोधन में कार्यकर्ताओं को एकजुटता के साथ पार्टी के हित में छत्तीसगढ़ शासन की योजनाओं को प्रत्येक जोन के गांव-गांव घर-घर जाकर बताने की अपील की एवं कार्यकर्ताओं को अपने उद्बोधन के दौरान रीड की हड्डी की संज्ञा दी इसमें संदेह नहीं है पार्टी के कार्यकर्ता ही जीत की आधारशिला है। क्षेत्र के पदाधिकारियों को डॉ लक्ष्मी ध्रुव जी द्वारा आवश्यक जानकारी दिए कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता एवं बड़े नेतागण झूठ और षड्यंत्र की राजनीति कर रहे हैं। आप लोगों को गांव की हर गली मोहल्ले में जाकर आमजन से सतत संपर्क कर छत्तीसगढ़ शासन की योजनाओं को बताने एवं कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने अपील करने की बात कहीं। साथ ही भूथ अध्यक्षों ने अपने अपने क्षेत्र की समस्याओं को माननीय विधायक के समक्ष रखा जिसमें ग्राम मोहेरा में अहाता निर्माण कार्य, पंचायत क्षेत्र के सभी आश्रित प्राथमिक शालाओ में एवं हाई स्कूल में शिक्षक की कमी,ग्राम मारागांव प्राथमिक माध्यमिक एवं हाई स्कूल में शिक्षकों की कमी, ग्राम सोनझरी में सीसी रोड निर्माण, ग्राम पालवाड़ी में भारत माला योजना से अधिकृत कृषि भूमि का मुआवजा अप्राप्त होने संबंधी समस्या को अवगत कराया जिसे विधायक द्वारा शीघ्र ही निराकरण करने का आश्वासन दिया गया । इस अवसर पर पीसीसी सदस्य लखन लाल ध्रुव, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डीहू राम साहू, महामंत्री डाकूवर साहु, जोन अध्यक्ष बिसहत साहू, चंदन बाफ्ना , रेखा साहू प्रभारी सिहावा विधानसभा, अंबिका मरकाम उपाध्यक्ष प्रदेश कांग्रेस कमेटी, डीपी बागडे जोन अध्यक्ष सिंगपुर, मीना बंजारे जिला पंचायत सदस्य, दुर्गेश नंदिनी साहू जनपद सदस्य, खिलेश्वरी साहू अध्यक्ष महिला कांग्रेस कमेटी मगरलोड, कांति कवर जिला पंचायत सदस्य, शोभी राम नेताम, बाल गोविंद साहू, नीलेश यादव, दयाबाई नागरची, मनोज कुमार, जयंत साहू, उत्तम सोम, पुरुषोत्तम कश्यप आदि उपस्थित थे।

शराबबंदी को लेकर ग्रामीणों ने प्रशासन से लगाई गुहार

- मुसीबत बनी शराब, युवक की मौत के बाद भड़के ग्रामीण

बालोद। बालोद जिले के दरबारी नवागांव के ग्रामीणों ने गांव में बिक रही अवैध शराब को बंद कराने की प्रशासन से मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के जितेन्द्र कुमार (28) के आत्महत्या का कारण यही अवैध शराब है। ज्यादा शराब सेवन करने के कारण उसकी स्थिति खराब हुई और उसने आत्महत्या कर ली। ग्रामीणों ने बताया कि शाम होते ही बालोद जिला मुख्यालय से अवैध शराब लोग उसे गांव में बेचते हैं। बार-बार मना करने के बाद भी किसी तरह का कोई सुधार देखने को नहीं मिला है।

महिलाओं का घर से निकलना मुश्किल

ग्रामीणों ने बताया कि बहू-बेटियों का घर से निकलना मुश्किल हो गया है। शाम होते ही गांव का माहौल पूरी तरह खराब हो जाता है। लगभग 300 की संख्या में ग्रामीण कलेक्ट्रेट पहुंचे और अवैध शराब की बिक्री बंद करने की प्रशासन से मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि पुलिस प्रशासन को मामले से अवगत कराते हैं। पुलिस कार्रवाई भी करती है, लेकिन अवैध शराब बेचने वालों के हौसले इतने बुलंद है कि वह फिर से अपना काम धाम शुरू कर देते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि आखिर इन अवैध शराब माफियाओं को किसका शय प्राप्त है।

गांव से करेंगे बहिष्कृत

ग्रामीणों ने बताया कि शासन प्रशासन से वे गुहार लगाकर थक गए हैं। अवैध शराब गांव में आसानी से मिल जाती है, इसलिए पीने वालों की संख्या में भी बढ़ोत्तरी हो रही है। ग्रामीणों ने कहा यदि इस बार कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती है तो ग्रामीण स्तर पर बैठक कर के सभी अवैध शराब माफियाओं को गांव में रहने नहीं देंगे और उन्हें गांव से बहिष्कृत कर देंगे, तभी गांव में शांति हो पाएगी।

बीएमएस लंबित मांगें पूर्ण नहीं होने पर चरणबद्ध आंदोलन करेगी

कोरबा। छत्तीसगढ़ बिजली कर्मचारी महासंघ की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि पुरानी पेंशन बहाली, संविदा नियमितीकरण समेत छह प्रस्ताव को पूर्ण नहीं किया जाता है तो पुनरू आंदोलन का रास्ता अख्तियार किया जाएगा।

महासंघ की नई कार्यकारिणी गठन के बाद पहली बार बैठक आयोजित की गई। इस दौरान अध्यक्ष बीएस राजपूत ने अध्यक्षता की। इस दौरान भारतीय मजदूर संघ छत्तीसगढ़ के महामंत्री नरोत्तम धृतलहरे एवं अखिल भारतीय विद्युत मजदूर महासंघ के कार्यसमिति सदस्य अरुण देवांगन विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में कर्मचारियों के विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई। साथ ही पदाधिकारियों व कार्यसमिति सदस्यों ने एक स्वर में राज्य सरकार व कंपनी अध्यक्ष से हुई चर्चा अनुसार कार्रवाई नहीं किए जाने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। कैशलेस चिकित्सा के संबंध में अध्यक्ष राजपूत ने बताया कि कैशलेस मेडिकल में प्रति परिवार पांच सौ रूपये में पांच लाख तथा एक हजार रूपये में 10 लाख तक मेडिकल कवर दिया जाएगा। जो नियमित और पेंशनर्स दोनों के लिए लागू होगी।

इसमें वर्तमान और पुरानी दोनों बीमारियों का इलाज किया जाएगा और कंपनी के चिकित्सकों के रेफर की आवश्यकता नहीं होगी। छत्तीसगढ़ के लगभग दो सौ व छत्तीसगढ़ के बाहर के बड़े स्पेशलिटी हास्पिटल को इलाज के लिए सूचीबद्ध किया गया है। इसी प्रकार अनुपम अनुकंपा नियुक्त कर्मचारियों के प्रमोशन के लिए 10 हजार की डिप्रेशन की सीमा को हटाकर पांच हजार की डिप्रेशन का आदेश जारी कर दिया गया है। बैठक में महासंघ की लंबित मांगों आइटीआइ डिप्लोमाधारकों टीए व टीडी कनिष्ठ अभियंता बनानेए ठेका मजदूरों के सामाजिक सुरक्षा तथा वेतन पुनरीक्षण में कंपनी प्रबंधन द्वारा शीघ्र निर्णय नहीं लेने पर आगामी माह में चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी दी है। संगठन मंत्री शिवेंद्र दुबे द्वारा संगठन को डिजिटल तथा आधुनिक तकनीकी से मजबूत करने का सुझाव दिया। बैठक में महामंत्री नवरतन बरेठ, उत्पादन कर्मचारी संघ के महामंत्री सुरेश साहू, प्रदेश उपाध्यक्ष पूर्णिमा साहू, प्रदेश मंत्री यशवंत राठौर, कार्यसमिति सदस्य मदन मोहन पांडेय शामिल रहे।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

भाजपा ने एर्राबोर घटना को लेकर सुकमा बंद कराया

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के एर्राबोर घटना को लेकर भाजपा ने एकदिवसीय बंद का एलान किया है। भाजपाइयों ने सात सूत्रीय मांगों को लेकर राज्यपाल के नाम का ज्ञापन सौंपा। इसके साथ ही मंगलवार को बंद का ऐलान किया। भाजपा ने दुष्कर्म में शामिल सभी आरोपियों को पकडने व सरंक्षण देने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। साथ ही पीड़ित परिवार को 50 लाख की सहायता राशि प्रदान करने की मांग की है। सोमवार को भाजपा जिला अध्यक्ष धनीराम बारसे के नेतृत्व में कलेक्टर हरिस एस व एसपी किरण चह्वाण से मुलाकात की और राज्यपाल के नाम का 7 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। जिसमें उन्होंने पीड़िता परिवार को 50 लाख की सहायता राशि देने की मांग की। इसके साथ ही पोटाकेबिन व आश्रमों में होम गार्ड के जवान तैनात व सीसीटीवी लगाने की मांग की है। इसके साथ ही मंलगवार को बंद का आह्वान किया है।

दूसरे की जगह परीक्षा देने वाला मुन्ना भाई गिरफ्तार

भिलाई। पुरानी भिलाई पुलिस ने फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन में दूसरे की जगह परिक्षा देने वाले मुन्ना भाई को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी मनीष यादव निवासी गोमती नगर लखनऊ उत्तरप्रदेश का रहने वाला है जो फर्जी आई डी बनाकर रिबादिया धुरविल हर्षद भाई की जगह परीक्षा दे रहा था। सिरसकला के पार्थिवी कॉलेज में रविवार को फोरन मेडिकल ग्रेजएट को परीक्षा का केंद्र दिया गया था। जहां परीक्षा में प्रवेश पत्र और अन्य दस्तावेज की जांच के दौरान एक अभ्यर्थी दूसरे को जगह परीक्षा देते पकड़ा गया। जिसके बाद इस संबध में पार्थिवी कॉलेज की टीचर उपासना चंद्राकर ने पुरानी भिलाई थाना में शिकायत दर्ज कराई। जिसके बाद पुलिस परीक्षा केंद्र पहुंची और अनुचित साधन का इस्तेमाल कर परीक्षा देने वाले मुन्ना भाई को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। आरोपी मनीष यादव ने पुछताछ में पुलिस को बताया कि अहमदाबाद गुजरात निवासी रिबादिया धुरविल कुमार हर्षद भाई के जगह परीक्षा देने के पैसे दिए गए थे और वहां उसकी जगह परीक्षा देने पहुंचा था।

एसपी ने पुलिसकर्मियों को किया सम्मानित

गौरेला पेंड्रा मरवाही। एसपी योगेश पटेल ने मंगलवार को जिले में बेहतर कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रभावी कार्रवाई, चोरी के मामलों में लगातार उत्कृष्ट कार्य करने वाले साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक अनिल अग्रवाल, पेंड्रा थाना प्रभारी धर्म नारायण तिवारी, उपनिरीक्षक सुजान जगत, एएसआई राजेंद्र सिंह, प्रधान आरक्षक अरुण तिर्की, आरक्षक आशीष कुमार, राजेश शर्मा, राम लाल खुराना, सुरेंद्र विश्वकर्मा, महेंद्र परस्ते को एसपी योगेश पटेल ने एसपी कार्यालय में प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। साथ ही भविष्य में भी ऐसे कार्य करते रहने के लिए प्रोत्साहित करते हुए उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। एसपी योगेश पटेल ने कहा कि आज एनडीपीएस कार्रवाई और बाइक चोरों को पकड़ने मे उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया गया है। आगे भी जिले के उन सभी पुलिस के अधिकारी व कर्मचारियों को सम्मानित किया जायेगा, जिनके द्वारा ड्यूटी के दौरान उत्कृष्ट कार्य किया जायेगा।

बेलपत्र और एक लोटा जल से प्रसन्न हो जाते हैं भोलेनाथ

धमतरी। श्रावणमास के पावन अवसर पर ग्राम गागरा में आयोजित पांच दिवसीय शिवमहापुराण कथा में कथावाचक शिवानंद जी महाराज (शिवदत्त उपाध्याय जी) के सानिध्य में कथा श्रवण कर समस्त ग्रामवासियों को विधायक रंजना डीपेंद्र साहू ने श्रावणमास की शुभकामनाएं दीं तथा भोलेनाथ का आशीर्वाद लिया। कथावाचक शिवानंद जी महाराज द्वारा शिवमहापुराण कथा में कि शिवपुराण में शिव के कल्याणकारी स्वरूप का तात्त्विक विवेचन, रहस्य, महिमा और उपासना का विस्तृत वर्णन है, पंचदेवों में प्रधान अनादि सिद्ध परमेश्वर के रूप में स्वीकार किया गया है। विधायक रंजना साहू ने कथा श्रवण कर कहा कि भोलेनाथ शिव जी त्याग, तपस्या, वात्सल्य तथा करुणा के देव है, शिव पुराण का पाठ करने से व्यक्ति को भय से मुक्ति मिलती है। इस पुराण का पाठ करने से व्यक्ति को भोग और मोक्ष दोनों की ही प्राप्ति होती है। भगवान शिव भोलेनाथ बेलपत्र और एक लोटा जल से प्रसन्न हो जाते हैं और अपने भक्तों का दुख को हर लेते हैं, उनकी लीला अपरंपार है।

बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित शिक्षकों के वेतन कटौती की लगातार की जा रही कार्रवाई

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधारी द्वारा जिले में गुणवत्तायुक्त शिक्षा हेतु शिक्षकों एवं छात्रों की उपस्थिति की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही हैं। 8 जुलाई 2023 को शिक्षा विभाग के समस्त हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों के प्राचार्यों विकास खण्ड शिक्षा अधिकारियों एवं जिला स्तर के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली गई जिसमें सत्र 2023-24 में गुणवत्ता सुधार हेतु शत प्रतिशत शिक्षकों एवं छात्रों की उपस्थिति सुनिश्चित करने निर्देशित किया है साथ ही सत्र 2023-24 में कार्ययोजना बनाकर संस्था प्रमुखों को सुधार लाने के लिये निर्देशित किया गया उसके बाद गया हैं। शिक्षकों की अनियमित उपस्थिति को देखते हुए शिक्षकों की मॉनिटरिंग हेतु गूगल फार्म बनाया गया है, जिसमें निर्धारित समय के बाद बिना पूर्व सूचना एवं आवेदन के अनुपस्थित शिक्षकों की जानकारी नियमित रूप से भेजी जाती है।

संकल्प शिविर के तैयारी में जुटे कांग्रेसी

- संगठन प्रभारी ने सेक्टर, जोन, मोर्चा प्रकोष्ठ के अध्यक्षों की बैठक लेकर तैयारी के सम्बंध में दिया दिशा-निर्देश

धमतरी। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस सभी विधानसभा में संकल्प शिविर आयोजित करने जा रही है. जिसके पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी के संगठन प्रभारी बिरेश ठाकुर, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शरद लोहाना सहित वरिष्ठ नेताओं ने ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष, सेक्टर, जोन, मोर्चा प्रकोष्ठ अध्यक्ष, जनप्रतिनिधियों, जिला कांग्रेस पदाधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए एवं संकल्प शिविर के सफल आयोजन के लिए रणनीति बनाते हुए पदाधिकारियों को कार्य विभाजन किया गया. इस दौरान प्रत्येक ब्लॉक स्तर पर पुनर्गठित किए जा रहे ज़ोन- सेक्टर-

बूथ कमेटियों का अनुभागवार गठन पूर्ण कर तत्काल सूची जिला/प्रदेश कांग्रेस कमेटी को उपलब्ध कराने कहा गया। साथ ही विधानसभा स्तर पर बूथ लेवल एजेंट की नियुक्ति तत्काल कर जिला निर्वाचन कार्यालय और प्रदेश कांग्रेस कमेटी को उपलब्ध

कराने कहा गया। बूथ चलो अभियान के तहत कितनी बूथों में अभी तक बैठक नहीं हो इसकी जानकारी मांगी गई। साथ ही विधानसभा चुनाव 2018 के ऐसे पांच 5 मतदान केंद्रों का चयन करने कहा गया जहां पर कांग्रेस प्रत्याशी को सर्वाधिक मत मिले थे। इन बूथों के प्रभारियों को संकल्प शिविर में सम्मानित किया जाएगा. इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी संगठन प्रभारी बिरेश ठाकुर, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शरद लोहाना, पूर्व विधायक गुरमुख सिंह होरा, हर्षद मेहता, दुग्ध महासंघ अध्यक्ष विपिन साहू, महापौर विजय देवांगन, कृषि उपज मंडी अध्यक्ष ओंकार साहू, जीव जंतु कल्याण बोर्ड सदस्य मदन मोहन खंडेलवाल, मदरसा बोर्ड सदस्य अशरफ रोकडिया, उर्दू बोर्ड सदस्य नजीर अली सिद्धकी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता गोपाल प्रसाद शर्मा, अरविंद दोषी, हरमिंदर छाबड़ा, सूर्याराव पवार, जनपद अध्यक्ष मनीषा साहू, जिला पंचायत सभापति कविता बाबर, जिला कोषाध्यक्ष सलीम रोकडिया, जिला महामंत्री आलोक जाधव, ब्लॉक अध्यक्ष घनश्याम साहू, ईश्वर देवांगन, आकाश गोलछा, महिला कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष घामेश्वरी साहू, विधानसभा अध्यक्ष युवा कांग्रेस हितेश गंगवीर, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष मनोज साहू, जिला महामंत्री अमरदीप साहू, नरेश जसूजा योगेश लाल, तनवीर कुरैशी, प्रकाश पवार, रामनाथ यादव, भोला देवांगन, सेवादल प्रदेश महासचिव होरीलाल साहू, जनपद सदस्य बृजेश जगताप, गणेश्वरी कॉमड़े, शास्त्री सोनवानी, राजेश ठाकुर, केंद्र कुमार पेन्दरिया, अवैश हाशमी, राजेश पांडये, सविता कंवर, दीपक सोनकर, राही यादव, सूरज गहरवार, विशाल शर्मा, सोमेश मेश्राम, पवन लिखी, अवधेश पांडये, जीवराखन देवांगन, दिनेश साहू, विश्राम साहू, राम खिलावन साहू, दयाराम साहू, अर्जुन साहू, मोहित देवांगन, रंजीत साहू, बलराम साहू, योगेश शर्मा, गजानंद रजक, हरीश चंद्राकर आदि उपस्थित रहे।

ताम्रध्वज साहू ने खराब सड़कों के लिए सीमेंट संयंत्र की ओव्हर लोड वाहनों को ठहराया जिम्मेदार

बलौदाबाजार। पीडब्ल्यूडी मंत्री ताम्रध्वज साहू ने जिले की खराब सड़कों के लिए सीमेंट संयंत्र की ओव्हर लोड वाहनों को जिम्मेदार ठहराया है। इसके साथ ही मंत्री ताम्रध्वज साहू ने कहा कि पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को पेच रिपेयरिंग के लिए राशि जारी कर दिया गया है। ऐसे में सवाल उठता है कि अधिकारियों को जारी पैसा कहां गया और इन सड़कों की मरम्मत क्यों नहीं हुई।

प्रदेश के गृह, पीडब्ल्यूडी एवं कृषि मंत्री ताम्रध्वज साहू पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने बलौदाबाजार के ग्राम रिसदा पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत की। जिले की खराब सड़कों के सवाल पर मंत्री ताम्रध्वज साहू ने कहा कि प्रदेश में पीडब्ल्यूडी की सड़क पूरी तरह ठीक है, दो चार प्रतिशत खराब हो तो बात अलग है। वहीं जब जिले में स्थापित सीमेंट संयंत्र खासतौर पर सुहेला क्षेत्र की सड़कों के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने ओव्हर लोड वाहनों को सड़कों को खराब करने जिम्मेदार बताया। साथ ही कहा कि वर्षा के पहले पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को पेच रिपेयरिंग के लिए राशि जारी कर दिया गया है। ऐसे में सवाल उठता है कि पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को जारी पैसा कहां गया और इन सड़कों की मरम्मत क्यों नहीं हुई। दुसरा सवाल उठता है कि जब गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू स्वयं स्वीकार कर रहे हैं, कि ओव्हर लोड वाहनों से सड़कों की स्थिति खराब हुई है। ऐसे में आरटीओ विभाग, पुलिस की यातायात शाखा सहित खनिज विभाग क्या कार्यवाही कर रहा है। जब उनके ही कार्यक्षेत्र से ओव्हर लोड गाड़ियां सड़कों को जमींदोज करते दौड़ रहीं है। देखने वाली बात होगी कि पीडब्ल्यूडी मंत्री की स्वीकारोक्ति के बाद जिला प्रशासन इन सीमेंट संयंत्रों से निकलने और आने वाले वाहनों के साथ खनिज और अन्य भारी ओव्हर लोड वाहनों पर क्या कार्रवाई करता है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

लोकसभा में पेश हुआ दिल्ली सेवा बिल, कांग्रेस ने किया विरोध

नईदिल्ली। संसद के मानसून सत्र का कामकाज 20 जुलाई को शुरू होने के बाद से मणिपुर हिंसा के मुद्दे पर व्यवधान के कारण प्रभावित हुआ और मंगलवार को भी जारी रहा। इन सब के बीच अधिकारियों के तबादलों और पोस्टिंग से जुड़ा दिल्ली सेवा बिल लोकसभा में पेश किया। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने गृहमंत्री अमित शाह की ओर से सदन में बिल पेश किया। कांग्रेस ने इस बिल का विरोध किया है। सांसद अधीर रंजन चौधरी ने लोकसभा में जीएनसीटी (संशोधन) विधेयक 2023 पर बोलते हुए कहा कि मैं विधेयक का विरोध करने के लिए खड़ा हूं क्योंकि विधेयक राज्य के क्षेत्र में इस सरकार के अपमानजनक उल्लंघन की पुष्टि करता है। यह सहकारी संघवाद के लिए कब्रिस्तान खोदने के लिए बनाया गया है। अमित शाह ने लोकसभा में जीएनसीटी (संशोधन) विधेयक 2023 पर बोलते हुए कहा कि संविधान ने सदन को दिल्ली राज्य के संबंध में कोई भी कानून पारित करने की शक्ति दी है।

दिल्ली सेवा विधेयक पर सरकार को मिला पटनायक का साथ

नईदिल्ली। आम आदमी पार्टी और विपक्षी एकता इंडिया को दिल्ली सेवा विधेयक के खिलाफ लड़ाई में आज एक बड़ा झटका लगा। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के नेतृत्व वाले बीजू जनता दल के केंद्र को समर्थन ने आश्वासन दिया है कि विधेयक संसद में आधे रास्ते से आसानी से गुजर जाएगा। सूत्रों ने कहा कि बीजद भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र के खिलाफ विपक्षी गुट इंडिया द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव का भी विरोध करेगा। ओडिशा की सत्तारूढ़ पार्टी, जिसके राज्यसभा में नौ सांसद हैं, के फैसले से सरकार को उच्च सदन में बहुमत का आंकड़ा पार करने में मदद मिलेगी, जहां भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के पास अपने दम पर पूर्ण बहुमत नहीं है। बीजू जनता दल के मुताबिक बीजद दिल्ली सेवा विधेयक को पारित करने का समर्थन करेगा और विपक्ष द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव का विरोध करेगा। इस संबंध में बीजद के सभी राज्यसभा और लोकसभा सांसदों को सदन में उपस्थित रहने और उपरोक्त कार्य करने के लिए तीन-लाइन व्हिप जारी किया गया है।

8 से 10 अगस्त तक होगी अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा

नईदिल्ली। विपक्ष की ओर से बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर 8 अगस्त को लोकसभा में चर्चा हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक, चर्चा तीन दिनों तक हो सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 अगस्त को बहस का जवाब देंगे। 26 जुलाई को इंडिया नाम के विपक्षी मोर्चे ने लोकसभा में सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस देकर एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। इस प्रस्ताव का उद्देश्य मणिपुर जातीय हिंसा को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान की मांग करना है। नियमों का पालन करते हुए, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 50 से अधिक सांसदों की गिनती के बाद प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। बिरला ने बताया कि प्रस्ताव पर चर्चा की तारीख और समय सभी दलों से विचार-विमर्श के बाद तय किया जाएगा। हालांकि, विपक्ष इसपर जल्द से जल्द चर्चा की मांग कर रहा है। लोकसभा में कांग्रेस के सचेतक मनिकम टैगोर ने पहले कहा था कि यह प्रस्ताव सरकार के खिलाफ विपक्ष के अंतिम विकल्प का प्रतिनिधित्व करता है।

उद्धव गुट की याचिका पर कोर्ट का तत्काल सुनवाई से इनकार

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले गुट को असली शिवसेना के रूप में मान्यता देने और उसे पार्टी का चुनाव चिह्न 'धनुष एवं बाण' आवंटित करने के निर्वाचन आयोग के फैसले के खिलाफ दायर उद्धव ठाकरे की याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से मंगलवार को इनकार कर दिया। वकील अमित आनंद तिवारी ने तत्काल सुनवाई का अनुरोध करते हुए प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ के समक्ष इस मामले का जिक्र किया। इस पीठ में न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल हैं। पीठ ने कहा, 'जम्मू-कश्मीर पर संविधान पीठ के फैसले का इंतजार करें और हम तारीख देंगे।' दावा किया गया है कि निर्वाचन आयोग ने यह फैसला सुनाकर गलती की कि दसवीं अनुसूची के तहत अयोग्यता और चुनाव चिह्न आदेश के तहत कार्यवाही अलग-अलग क्षेत्रों में काम करती है और विधायकों की अयोग्यता किसी राजनीतिक दल की सदस्यता की समाप्ति पर आधारित नहीं है।

कर्नाटक-राजस्थान के बहाने प्रधानमंत्री का कांग्रेस पर वार

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि एक तरफ हम पुणे में विकास होते देख सकते हैं और दूसरी तरफ हम देख सकते हैं कि बेंगलुरु में क्या हो रहा है...बेंगलुरु एक प्रमुख आईटी हब है, वहां तेजी से विकास होना चाहिए था लेकिन वहां जिस प्रकार की घोषणाएं करके सरकार बनाई गई उसके दुष्परिणाम इतने कम समय में आज पूरा देश देख रहा है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक सरकार खुद मान रही है कि उनके पास बेंगलुरु या कर्नाटक के विकास के लिए पैसे नहीं हैं और वहां कर्ज बढ़ता जा रहा है और कोई विकास कार्य नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमें भारत के शहरों में रहने वाले लोगों का जीवन स्तर बढ़ाना है, तो हमें पब्लिक ट्रांसपोर्ट को आधुनिक बनाना ही होगा। इसीलिए आज भारत के शहरों में लगातार मेट्रो नेटवर्क का विस्तार हो रहा है। नए-नए फ्लाईओवर बनाए जा रहे हैं, रेड लाइट्स की संख्या कम करने पर भी बल दिया जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी को मिला पुरस्कार तो शरद पवार ने बजाई ताली कई बार

मोदी और पवार की जुगलबंदी देख इंडिया गठबंधन के उड़े होश

मुंबई। विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेताओं की ओर से बार-बार मना करने के बावजूद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के संस्थापक नेता शरद पवार नहीं माने और पुणे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक कार्यक्रम में मंच साझा किया। पवार के इस कदम से जहां विपक्षी नेताओं के बीच उनको लेकर अविश्वास बढ़ा है तो वहीं प्रधानमंत्री ने पवार की मौजूदगी में यह कह कर कि एक दूसरे पर भरोसा ही देश को मजबूत बनायेगा, विपक्षी दलों के बीच बढ़ती अविश्वास की खाई को और गहरा दिया है। खास बात यह रही कि मंच पर मोदी और पवार जिस गर्मजोशी के साथ मिले उसको देखते हुए विपक्षी गठबंधन के नेताओं का आश्चर्यचकित होना स्वाभाविक है। जिन मोदी पर कुछ दिन पहले पवार अपनी पार्टी को तोड़ने का आरोप लगा रहे थे उन्हीं के साथ आज वह मंच भी साझा कर रहे थे और जब प्रधानमंत्री को लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया तब पवार तालियां भी बजा रहे थे। यही नहीं, प्रधानमंत्री ने विदेशी आक्रमणकारियों के नाम पर रखी गयी चीजों के नाम बदलने का भी समर्थन किया। इस दौरान पवार मुस्कुरा रहे थे जबकि कुछ दिनों पहले जब महाराष्ट्र में औरंगजेब तथा अन्य मुद्दों को लेकर तनाव पैदा हुआ था तो एनसीपी ने इसके लिए भाजपा की सोच को जिम्मेदार ठहराया था। एक खास बात यह भी रही कि जब मोदी पुणे पहुँचे तो मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ दूसरे उपमुख्यमंत्री और पवार के भतीजे अजित पवार भी प्रधानमंत्री की अगवानी करने पहुंचे थे। यानि भतीजे ने प्रधानमंत्री की अगवानी की और चाचा ने प्रधानमंत्री के साथ मंच साझा किया। यह सब दृश्य देखकर विपक्षी गठबंधन के मन में यह सवाल उठ रहा है कि कहीं मोदी और पवार मिलकर कोई खेला तो नहीं कर रहे हैं?

जहां तक प्रधानमंत्री के पुणे दौरे की बात है तो उन्होंने शुरुआत दगडूशेठ मंदिर में पूजा-अर्चना से की। उसके बाद उन्होंने पुरस्कार समारोह में भाग लिया और कुछ सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से मुलाकात की तथा पुणे मेट्रो के

नये चरणों को हरी झंडी दिखाई। जहां तक पुरस्कार समारोह में प्रधानमंत्री के भाषण की बात है तो आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पुणे में लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार ग्रहण करते हुए कहा कि एक-दूसरे पर भरोसा ही देश को मजबूत बनाएगा। मोदी ने कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा कि अगर अविश्वास का माहौल है तो विकास असंभव है। प्रधानमंत्री ने कहा कि लोकमान्य तिलक स्वतंत्र प्रेस के महत्व का समझते थे। मोदी ने कहा, ''उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम की दिशा बदल दी। अंग्रेजों ने उन्हें भारतीय अशांति का जनक कहा था।'' उन्होंने कहा कि वह लोकमान्य तिलक के नाम पर पुरस्कार पाकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं, जो भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अग्रिम कतार में थे।

मोदी ने कहा, ''अगर विदेशी आक्रमणकारियों के नाम पर रखी गई चीजों का नाम बदल दिया जाता है तो आज कुछ लोग असहज हो जाते हैं।'' उन्होंने कहा, ''लोकमान्य तिलक में युवा प्रतिभाओं की पहचान करने की अनूठी क्षमता थी। वीर सावरकर इसका एक उदाहरण थे।'' मोदी ने कहा कि तिलक को वीर सावरकर की क्षमता का एहसास हुआ और उन्होंने विदेश में उनकी शिक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, ''जब किसी पुरस्कार का नाम लोकमान्य तिलक के नाम पर रखा जाता है तो जिम्मेदारी बढ़ जाती है।'' प्रधानमंत्री ने कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ भारत की लड़ाई में पुणे के योगदान की भी सराहना की। इस अवसर पर शरद पवार ने अपने संबोधन में कहा कि भारत में पहली सर्जिकल स्ट्राइक छत्रपति शिवाजी के कार्यकाल में हुई थी। राकांपा नेता ने कहा कि देश ने दो युग देखे हैं- एक तिलक का और दूसरा महात्मा गांधी का।

प्रधानमंत्री ने इसके अलावा पुणे मेट्रो फेज-द्वि के दो गलियारों के पूर्ण खंडों पर सेवाओं के उद्घाटन के अवसर पर मेट्रो ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने पुणे में शिवाजी नगर पुलिस मुख्यालय में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि एक तरफ हम पुणे में विकास होते देख सकते हैं और दूसरी तरफ हम देख सकते हैं कि बेंगलुरु में क्या हो रहा है। उन्होंने कहा कि बेंगलुरु एक प्रमुख आईटी हब है, वहां तेजी से विकास होना चाहिए था लेकिन वहां जिस प्रकार की घोषणाएं करके सरकार बनाई गई उसके दुष्परिणाम इतने कम समय में आज पूरा देश देख रहा है। कर्नाटक सरकार खुद मान रही है कि उनके पास बेंगलुरु या कर्नाटक के विकास के लिए पैसे नहीं हैं और यही हाल राजस्थान का भी है, वहां कर्ज बढ़ता जा रहा है और कोई विकास कार्य नहीं हो रहा है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पुणे के दगडूशेठ हलवाई गणेश मंदिर में पूजा-अर्चना की। दिल्ली से पुणे पहुंचने के तुरंत बाद प्रधानमंत्री मोदी शिवाजी रोड स्थित इस प्रसिद्ध गणेश मंदिर में पहुंचे। मंदिर के न्यासियों ने बताया कि मोदी पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने इस पद पर रहते हुए मंदिर के दर्शन किए तथा वहां पूजा-अर्चना की। कुछ पूर्व राष्ट्रपति पद पर रहते हुए तथा बाद में, पूर्व प्रधानमंत्री, कैबिनेट मंत्री, मुख्यमंत्री तथा राजनीतिक नेता 10 दिवसीय गणेश उत्सव के दौरान मंदिर के दर्शन कर चुके हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष बोले- सदनों में बोलने नहीं दे रही सरकार

प्रधानमंत्री मोदी मणिपुर मुद्दे पर बयान देने को तैयार नहीं : खड़गे

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र मणिपुर मुद्दे की वजह से अब तक खासा हंगामेदार रहा है। विपक्ष मणिपुर मुद्दे पर पीएम मोदी के बयान पर अड़ा हुआ है। हंगामे के चलते लोकसभा और राज्यसभा लगातार स्थगित हो रही हैं। वहीं राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि हम ये प्रेस कॉन्फ्रेंस इसलिए कर रहे हैं क्योंकि सरकार हमें संसद में बोलने नहीं दे रही है। पीएम अन्य मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं लेकिन वह हमें जवाब नहीं दे रहे हैं।

आगे कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि पीएम मोदी मणिपुर मुद्दे पर बयान देने को तैयार नहीं हैं, वह संसद में नहीं बोल रहे हैं। वे भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं कि विपक्ष इस मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार नहीं है, लेकिन हम इस मुद्दे पर चर्चा के लिए पिछले 11 दिनों से इंतजार कर रहे हैं।

21वीं सदी के भारत में धर्म के नाम पर हिंसा बर्दाश्त नहीं की जा सकती

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने नूंह में हिंसा पर मंगलवार को कहा कि 21वीं सदी के भारत में धर्म के नाम पर हिंसा बर्दाश्त नहीं की जा सकती और अगर लोग ऐसे विभाजनकारी तत्वों के खिलाफ एकजुट नहीं हुए तो आने वाली पीढ़ियों को इसके परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा के कुछ हिस्सों में जो हो रहा है और आरपीएफ कांस्टेबल ने जो किया वह भारत माता के दिल पर गहरा घाव देने जैसा है।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि ऐसी घटनाएं कमजोर कानून-व्यवस्था की स्थिति और हमारी कमजोर संवैधानिक संस्थाओं पर गंभीर सवाल उठाती हैं। उन्होंने शांति की अपील की और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की। 21वीं सदी में भारत में धर्म के नाम पर फैलाई जा रही हिंसा हमारी सभ्यता पर आघात है। आगे बोले की जनता में वैमनस्य का जहर घोलना और उन्हें आपस में लड़ाना हमारे संविधान का मजाक उड़ाने जैसा है।

खड़गे ने एक ट्वीट में कहा कि कांग्रेस पार्टी सभी से शांति बनाए रखने की अपील करती है और दोषियों को सख्त से सख्त सजा दिए जाने की माँग करती है। नफरत छोड़ो, भारत जोड़ो !

हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं

हरियाणा के नूंह में सोमवार को ब्रजमंडल 84 कोस शोभायात्रा पर पथराव और फायरिंग के बाद हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। पत्थरबाजी, गोलीबारी और आगजनी में दो होम गार्ड के जवानों की मौत हो गई है। गुरुग्राम में भी धार्मिक स्थल पर हमला हुआ है, इसमें एक की मौत हो गई है। नूंह हिंसा में डीएसपी समेत 12 पुलिस कर्मचारी घायल हैं। इसके अलावा 20 से अधिक आम लोग घायल हैं। इंटरनेट सेवा को बुधवार तक बंद कर दिया गया है। इसके साथ ही जिले की सीमाएं भी सील कर दी गई हैं।

मणिपुर में महिलाओं से बर्बरता मामले में अगली सुनवाई सात को

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मणिपुर में महिलाओं के यौन उत्पीड़न और वायरल वीडियो मामले में सुनवाई की। कोर्ट ने कहा है कि एक बात तो साफ है कि मामले में एफआईआर दर्ज करने में काफी देर हुई। मणिपुर में एक महिला को कार से निकालकर बेटे के सामने मार देने की घटना का जिक्र करते हुए कोर्ट ने कहा कि यह 4 मई को हुआ था, लेकिन मामले में एफआईआर सात जुलाई को दर्ज हुई। चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने मणिपुर सरकार को घेरते हुए कहा कि सिर्फ एक-दो एफआईआर के अलावा कोई गिरफ्तारी नहीं हुई।

खेल
प्रमुख समाचार

टी20 सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम में होप और थॉमस ने किया वापसी

त्रिनिदाद। वेस्टइंडीज ने भारत के खिलाफ गुरुवार से तरौबा में होने वाली पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों की श्रृंखला के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज शाई होप और तेज गेंदबाज ओशाने थॉमस को अपनी 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने कहा कि रोवमैन पॉवेल की अगुवाई वाली यह 15 सदस्यीय टीम सभी मैचों के लिए दौरा करेगी लेकिन प्रत्येक मैच के लिए 13 खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा, जिनमें से अंतिम एकादश चुनी जाएगी।

वेस्टइंडीज की चयन समिति के अध्यक्ष डेसमंड हेंस ने कहा कि टीम का चयन अगले साल घरेलू धरती पर होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप को ध्यान में रखकर किया गया है। उन्होंने कहा,'' हम विभिन्न योजनाओं पर काम कर रहे हैं क्योंकि हम सही संयोजन की तलाश में है। हम ऐसी टीम तैयार करना चाहते हैं जिसको लेकर हमें विश्वास होगा कि वह अगले साल हमारी मेजबानी में होने वाले वैश्विक टूर्नामेंट में अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभा सके।'' त्रिनिदाद के तरौबा में ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी गुरुवार को पहले मैच की मेजबानी करेगी।

इसके बाद दोनों टीमें गयाना नेशनल स्टेडियम जाएंगी जहां छह और आठ अगस्त को दूसरा और तीसरा मैच खेला जाएगा। इस श्रृंखला का चौथा और पांचवां मैच अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित लॉडरहिल में खेले जाएंगे।

टी20 टीम : रोवमैन पॉवेल (कप्तान), काइल मायर्स (उप-कप्तान), जॉनसन चार्ल्स, रोस्टन चेज़, शिमरोन हेटमायर, जेसन होल्डर, शाई होप, अकील होसेन, अल्ज़ारी जोसेफ, ब्रैंडन किंग, ओबेड मैककॉय, निकोलस पूरन, रोमारियो शेफर्ड, ओडियन स्मिथ, ओशाने थॉमस।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

उतार-चढ़ाव के बाद लगभग सपाट रहा शेयर बाजार

नईदिल्ली। वैश्विक बाजारों से मिले मिश्रित रुझानों के बीच इंट्रा-डे ट्रेड में उतार-चढ़ाव के बाद सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन यानी मंगलवार को घरेलू शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ लाल निशान पर बंद हुए। आज के कारोबार में फ्रंटलाइन सूचकांक सेंसेक्स 68 अंक कमजोर हुआ। निफ्टी में भी 20 अंकों की गिरावट दर्ज की गई। आईटी और मेटल शेयरों में खरीदारी और चुनिंदा ऑटो और फाइनैंशियल शेयरों में कमजोरी देखी गई। हालांकि शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी थी मगर वह इस तेजी को बरकरार नहीं रख पाए। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 68.36 अंक यानी 0.10 फीसदी की हल्की गिरावट के साथ 66,459.31 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 66,658.12 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 66,388.26 तक आया। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी 20.25 अंक यानी 0.1% की गिरावट दर्ज की।

अगस्त के पहले दिन एलपीजी गैस सिलेंडर हुआ सस्ता

नईदिल्ली। 1 अगस्त (मंगलवार) को ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में कटौती कर दी है। लेटेस्ट अपडेट के अनुसार, 19 किलो वाले सिलेंडर के दामों में 100 रुपये की घटी दी गई है। इस बड़े बदलाव के बाद से देश की राजधानी नई दिल्ली में अब में एलपीजी सिलेंडर की कीमत 1,680 रुपये है। बता दें कि 4 जुलाई को कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम 1780 रुपये हो गए थे। सरकारी तेल कंपनियों ने घरेलू गैस सिलेंडर (वजन 15 से साढ़े 16 किलोग्राम तक) की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। बता दें कि मार्च में घरेलू एलपीजी की कीमतों में 50 रुपये तक का इजाफा हुआ था। देश की राजधानी में घरेलू गैस की कीमत 1103 रुपये प्रति सिलेंडर है। वहीं मुंबई में रसोई गैस की कीमत 1102.50 रुपये, कोलकाता में 1129 रुपये और चेन्नई में रसोई गैस की कीमत 1118.50 रुपये है।

लगातार दूसरे महीने आई देश के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में नरमी

नईदिल्ली। देश के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की गतिविधियां जुलाई में लगातार दूसरे महीने कम हुईं। ऐसा उत्पादन बढ़ने और नए ऑर्डर की दर थोड़ी गिरावट के चलते हुआ। हालांकि, जुलाई में उत्पादन और नए ऑर्डरों में विस्तार की दर जून के मुकाबले थोड़ा कम रही। लागत मुद्रास्फीति दबाव अपेक्षाकृत कम रहा। सीजन के तौर पर, एडजस्टेड एसएंडपी ग्लोबल इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स जुलाई में 57.7 पर पहुंच गया, जो मोटे तौर पर जून में 57.8 था। इंडेक्स ने मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में और सुधार के भी संकेत दिए। मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई के आंकड़ों ने जुलाई में लगातार 25वें महीने समग्र परिचालन स्थितियों में सुधार का संकेत दिया। हालिया सर्वेक्षण में मांग में सुधार की रिपोर्ट व्यापक थी, और इसके परिणामस्वरूप मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में नए ऑर्डरों का एक और उल्लेखनीय विस्तार हुआ। मांग में तेजी मोटे तौर पर पिछले सर्वेक्षण अवधि में देखी गई वृद्धि के अनुरूप थी।

भारत में जून तिमाही में सोने की मांग 7 फीसदी घटी

नईदिल्ली। रिकॉर्ड ऊंची कीमतों के कारण भारत में सोने की मांग अप्रैल-जून तिमाही के दौरान सात प्रतिशत घटकर 158.1 टन रह गई। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) ने यह जानकारी दी। डब्ल्यूजीसी ने मंगलवार को जारी अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा कि भंडारण के कारण वर्ष 2023 की दूसरी तिमाही में सोने का आयात सालाना आधार पर 16 प्रतिशत बढ़कर 209 टन हो गया। रिपोर्ट के मुताबिक 2023 की पहली छमाही में 271 टन की मांग के अनुमान के साथ पूरे साल में मांग 650-750 टन के बीच हो सकती है। डब्ल्यूजीसी इंडिया के क्षेत्रीय सीईओ सोमसुंदरम पीआर ने बताया, दूसरी तिमाही में सोने की मांग में सात प्रतिशत की गिरावट सोने की मौजूदा रिकॉर्ड ऊंची कीमतों के कारण है। इस वजह से उपभोक्ता भावना काफी हद तक प्रभावित हुई।

साझा समुद्र में मौजूद संसाधन के लिए होड़

अजय कुमार

समुद्री अर्थव्यवस्था अत्यधिक समृद्ध है। एक अनुमान के मुताबिक वैश्विक वार्षिक व्यापार में समुद्री वस्तुओं और सेवाओं की हिस्सेदारी 2.5 लाख करोड़ डॉलर का है जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का करीब तीन फीसदी है। सन 2020 में आई संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि रिपोर्ट के अनुसार भविष्य में पूरी दुनिया को जितने प्रोटीन की आवश्यकता होगी उसका दो-तिहाई हिस्सा समुद्र से आ सकता है।

जोखिम यह है कि हाई सी में अनियंत्रित मानव गतिविधियां समुद्र की पारिस्थितिकी को बुरी तरह प्रभावित कर सकती हैं। बहरहाल, इस दिशा में होड़ शुरू भी हो चुकी है। तकनीकी उन्नति और सरकारी सब्सिडी के कारण हाई सी तक पहुंच आसान है। इससे आर्थिक, तकनीकी और सामरिक तीनों पहलुओं पर तेजी से काम हो रहा है।

कोई भी देश हाई सी में खनन कर सकता है। आर्थिक संदर्भ में इसका अर्थ है अरबों डॉलर या उससे भी अधिक। चीन, ताइवान, जापान, दक्षिण कोरिया, स्पेन और इंडोनेशिया सभी ने हाई सी में मछली पकड़ने का काम किया है लेकिन अब अन्य देश भी इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। चीन ने 1,900 पोतों की मदद से हाई सी में सबसे बड़ा बेड़ा उतार दिया है।

शुरुआत में अपेक्षाकृत कम गहराई में खनन करने की योजना है यानी करीब 1,000 मीटर या उससे कम। पर्यावरण और पारिस्थितिकी से जुड़ी चिंताओं के कारण आईएसए ने उत्खनन की इजाजत नहीं दी है। परंतु दशकों तक पर्यावरणविदों तथा ठेकेदारों से विपरीत पक्षों पर बात करने के बाद आईएसए के हाथ संयुक्त राष्ट्र के एक प्रावधान से बंधे रहे। अब उम्मीद की जा रही

है कि इस वर्ष खनन की इजाजत मिल जाएगी। संयुक्त राष्ट्र ने जून 2024 में जिस हाई सी संधि को मंजूरी दी है उससे इस क्षेत्र में कुछ नियमन लागू होने की उम्मीद है।

चूंकि गहरे सागर में नई तकनीक आवश्यक हैं इसलिए इस दिशा में भी होड़ है। गहरे समुद्र में मानवरहित या मानवसहित पनडुब्बियां भेजना अहम है। सबसे पहले अमेरिका ने 2012 में 10,925 मीटर की गहराई में मानव सहित पनडुब्बी भेजी थी। चीन 2020 में 10,000 मीटर की गहराई तक गया और उसने ऐसा कई बार किया।

जापान, रूस और फ्रांस के पास भी ऐसी पनडुब्बियां हैं जो लोगों को 6,000 से 6,500 मीटर की गहराई तक ले जा सकती हैं। भारत की योजना भी 6,000 मीटर की गहराई तक मानव सहित पनडुब्बी ले जाने की है लेकिन फिलहाल उसकी क्षमता केवल मानवरहित पनडुब्बियों की है। पर्यावरण के अनुकूल खनन के लिए तकनीक आवश्यक है ताकि खनन के दौरान प्रदूषण न हो।

अगले कुछ दशकों में हाई सी पर दबदबे से ही वैश्विक प्रभाव निर्धारित होगा। ऐसे में यह सामरिक दृष्टि से भी अहम है। विभिन्न देश हाई सी से संबंद्ध वैश्विक निर्णय प्रक्रिया के ढांचे को किनारे करना चाहते हैं। अमेरिका और चीन इस पर दीर्घकालिक दृष्टि से नजर रखे हुए हैं। हाई सी चीन को यह अवसर प्रदान करता है कि वह दोहरे उद्देश्य वाले पोतों को हिंद महासागर और प्रशांत महासागर में सामरिक दृष्टि से अहम जगहों पर तैनात करे। भारत को हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करनी चाहिए।

वैश्विक व्यापार का 80 फीसदी हिस्सा हिंद महासागर से होकर गुजरता है। वहां चीन के पोतों की मौजूदगी इस क्षेत्र की समुद्री सुरक्षा को खतरे में डालेगी। अमेरिका और पश्चिमी दुनिया भी गहरे समुद्र में खनन पर नजर जमाए हुए हैं। वे अहम खनिज के मामले में चीन का दबदबा तोड़ना चाहते हैं। खासकर हाल में चीन द्वारा गैलियम और जर्मेनियम के निर्यात पर प्रतिबंध लगाए जाने को देखते हुए। भारत का बहुत कुछ दांव पर लगा हुआ है क्योंकि हिंद महासागर उसके जमीनी आकार का 19 गुना बड़ा है और कुल हाई सी में 25 फीसदी हिस्सेदारी हिंद महासागर की है। भारत को खनिज उत्खनन के लिए मध्य हिंद महासागर बेसिन में 75,000 वर्ग किलोमीटर और दक्षिण पश्चिम में 10,000 वर्ग किलोमीटर इलाका आवंटित किया गया है।

मध्य प्रदेश में नेता पर नहीं, कार्यकर्ताओं पर जोर

सिद्धार्थ शंकर गौतम

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह का एक माह में तीसरा मध्य प्रदेश दौरा अहम हो गया क्योंकि रविवार को उन्होंने इंदौर में विजय संकल्प कार्यकर्ता सम्मेलन में शिरकत के बहाने प्रदेश में चुनाव प्रचार का विधिवत आगाज कर दिया। साथ ही दिग्गज भाजपाइयों की उपस्थिति में अपने भाषण में कार्यकर्ता को सबसे महत्त्वपूर्ण बताते हुए चेहरे की बजाय कार्यकर्ताओं के भरोसे चुनाव मैदान में उतरने पर पूरा जोर दिया है। उनके इंदौर दौरे से यह भी तय हो गया है कि भाजपा लोकसभा चुनाव तो नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और चेहरे पर लड़ेगी किंतु राज्यों में वह चेहरे के स्थान पर कार्यकर्ता कृत चुनाव लड़ेगी। मुख्यमंत्री का निर्णय चुनावी जीत के बाद किया जाएगा। प्रदेश में चुनाव जीतने का आधार कार्यकर्ताओं को बताते हुए शाह ने कहा कि आज यहां से संकल्प लेकर जाना है कि प्रचंड बहुमत के साथ 2023 में प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाना है तथा 2024 में लोकसभा की सभी 29 सीटें जीतकर मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है। इंदौर में शाह की कार्यकर्ता प्रमुख की हुंकार ने न सिर्फ मध्य प्रदेश में बल्कि निश्चित रूप से पड़ोसी राज्य राजस्थान भाजपा में भी संभावित मुख्यमंत्री चेहरों को निराश कर दिया है। इसके अलावा शाह ने विजय संकल्प कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करने के बाद जब पार्टी पदाधिकारियों की बैठक ली तो उससे विधायकों और सांसदों को दूर रखा गया। बैठक में चुनिंदा प्रदेश पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष, प्रभारी और महामंत्रियों से चर्चा कर शाह ने चुनावी रणनीति बताई। शाह के इस प्रकार पार्टी पदाधिकारियों के साथ बंद कमरे में बैठक करने से उन विधायकों व सांसदों का फीडबैक मिला है जिनके बारे में पार्टी को लगातार नकारात्मक अथवा क्षेत्र में कमजोर पकड़ की जानकारी मिल रही थी। विधानसभा चुनाव में अपनी दावेदारी सुनिश्चित मान कर चल रहे वर्तमान विधायक शाह की इस कार्यपद्धति से अब संशय की स्थिति में हैं। यह भी संयोग था कि अमित शाह के इंदौर दौरे के दिन ही पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और कमलनाथ भी शहर में थे जहां उन्होंने वनवासी समाज, महिला समूहों और पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठकें लीं। एक ओर जहां अमित शाह ने दिग्विजय सिंह को मिस्टर बंटाधार और कमलनाथ को करप्शन नाथ कहा, वहीं दिग्विजय सिंह ने मध्य प्रदेश के नेताओं की अकर्मण्यता पर निशाना साधते हुए कह डाला कि भाजपा के लिए अब प्रदेश अमित शाह के भरोसे पर है। दिग्विजय सिंह ने अमित शाह की इंदौर यात्रा के बहाने मणिपुर का मुद्दा उछालते हुए उन पर तंज भी कसे। इस दौरान कमलनाथ के साथ कन्हैया कुमार ने भी मंच साझा किया। जाहिर है, ऐसे में इंदौर से ही कांग्रेस के चुनाव प्रचार की भी विधिवत शुरुआत हो गई है। उज्जैन-इंदौर संभाग अर्थात मालवा-निमाड़ क्षेत्र भाजपा के लिए बेहद महत्त्वपूर्ण बन गया है। हालांकि ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ जिन 22 विधायकों ने भाजपा में एंट्री ली थी उससे वर्तमान में भाजपा की विधानसभा सीटों की संख्या में 03 अंक का इजाफा किया है। 2003 में दिग्विजय सिंह की सरकार को हटाकर भाजपा ने प्रदेश में जो परचम बुलंद किया है उसके पीछे मालवा-निमाड़ क्षेत्र ही है जिसने 15 वर्षों तक भाजपा को मजबूती प्रदान की जिससे लगातार 3 बार भाजपा की सरकार बनी। दरअसल, वर्तमान में वनवासी बहुल इस क्षेत्र में कांग्रेस के साथ भाजपा को जयस की चुनौती से भी दो-चार होना पड़ रहा है। वनवासी समुदाय के लिए आरक्षित 22 सीटें अब भाजपा के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गई हैं क्योंकि पिछले 2 साल से पार्टी का फ़ोकस इन्हीं सीटों पर सर्वाधिक रहा है। झाबुआ, अलीराजपुर, धार सहित अन्य जिलों में पेसा एक्ट, सिकल सेल, लाड़ली बहना, लाड़ली लक्ष्मी, मुख्यमंत्री भू-अधिकार, सीखो कमाओ योजना जैसी योजनाओं से ग्रामीण सीटों को साधने का प्रयास हो रहा है क्योंकि शहरी क्षेत्र में पार्टी को अपनी संभावनाएं बेहतर नजर आ रही हैं। राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने हाल ही में इन जिलों में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। चूंकि इंदौर उनका गृह और राजनीतिक कर्म क्षेत्र है अत: उनकी सक्रियता से पार्टी को लाभ होने की संभावना अधिक है। अमित शाह का इंदौर के विजय संकल्प कार्यकर्ता सम्मेलन में आना भी मालवा-निमाड़ के कार्यकर्ताओं में जोश भरना है ताकि पार्टी की खोई राजनीतिक जमीन वापस पाई जा सके।

अजित पवार ने बढ़ाई भाजपा की मुश्किलें

समीर चौगांवकर

भाजपा के कार्यकर्ताओं और जमीनी नेताओं को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अजित पवार गुट को गठबंधन सरकार में शामिल करने का फैसला बिल्कुल भी रास नहीं आ रहा है। कार्यकर्ताओं ने जून 2022 में शिवसेना में दो फाड़ के बाद कभी फड़नवीस सरकार में सिर्फ एक मंत्री रहे एकनाथ शिंदे को फड़नवीस को नजरअंदाज कर मुख्यमंत्री बनाने के निर्णय का कड़वा घूट इसलिए पी लिया था कि भाजपा सरकार में आ रही थी और शिवसेना की कमर टूट रही थी। लेकिन अचानक अजीत पवार के अपने समर्थक विधायकों के साथ सरकार में शामिल होने को महाराष्ट्र में भाजपा के कैडर के साथ संघ के स्वयंसेवक भी स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। अभी तक देवेंद्र फड़णवीस अकेले मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के डिप्टी की भूमिका निभा रहे थे, लेकिन अब अजीत पवार के भी डिप्टी सीएम बनने के बाद महाराष्ट्र में दो डिप्टी सीएम होने के बाद न केवल मंत्रिमंडल में भाजपा की ताकत कम हुई है बल्कि देवेन्द्र फड़नवीस की भूमिका भी सीमित हो गई है। यह पहली बार है कि महाराष्ट्र में दो डिप्टी सीएम बने हैं।

ऐसे में महाराष्ट्र की राजनीति भ्रम और अनिश्चितता के माहौल में चल रही है। यह चर्चा भी जोरो पर है कि अजीत पवार जल्द ही एकनाथ शिंदे की जगह ले सकते हैं। हालांकि फड़नवीस ने इसका खंडन किया है। फिर भी 2 जुलाई को सरकार में शामिल होने के बाद अजीत पवार न सिर्फ उपमुख्यमंत्री बने बल्कि फड़नवीस की अनिच्छा और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के भारी विरोध के बाद भी वित्त मंत्रालय लेने में सफल रहे। इतना ही नहीं अजीत पवार ने वित्त के साथ निगम, चिकित्सा शिक्षा और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति जैसे महत्वपूर्ण विभाग भी अपने विधायकों के लिए हासिल कर लिये। भाजपा के कैडर को यही बात रास नहीं आ रही है। भाजपा के कार्यकर्ताओं में इस बात को लेकर नाराजगी है कि राज्य में भाजपा के विधायकों की संख्या के अनुपात में मंत्री सबसे कम हैं। 105 विधायक होने के बावजूद, फड़नवीस सहित भाजपा के कोटे से मात्र 10 मंत्री हैं, जबकि शिंदे गुट को मात्र 40 विधायकों के साथ कैबिनेट में 10 मंत्री मिल गए हैं। पवार गुट के नौ मंत्री हैं जबकि यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि उन्हें एनसीपी के 53 विधायकों में से दरअसल कितने विधायकों का समर्थन प्राप्त है।

कैबिनेट में अभी भी 14 मंत्रियों के लिए स्थान शेष है और कैबिनेट में बची हुई जगह पाने के लिए शिंदे और पवार के बचे हुए विधायक दबाव बना रहे हैं कि उन्हे जल्द से जल्द मंत्री बनाया जाए। ऐसे में भाजपा के विधायकों के हाथ मे ज्यादा कुछ नहीं आने वाला है। भाजपा जहां अपने विधायकों के असंतोष का सामना कर रही है, वहीं उसे अपने कोर वोटरों को खोने का डर भी सता रहा है। भाजपा को इस बात की उम्मीद थी कि शिंदे और पवार के साथ आने पर 2024 के लोकसभा चुनाव में वह 48 लोकसभा सीटों में से 41 सीटें जीतने के अपने 2019 के प्रदर्शन को दोहरा पाएगी। लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और बया कर रही है। भाजपा का कोर वोटर शिंदे और पवार के साथ को स्वीकार नहीं कर रहा है। भाजपा के एक वरिष्ठ विधायक ने स्वीकार किया कि पार्टी में असंतोष है, और राजनीति के ऐसे बेमेल गठबंधन को हमारा कोर वोटर स्वीकार नहीं कर पा रहा है। हम कार्यकर्ताओं को समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि %यह निर्णय भाजपा हाईकमान का है और ऐसा मोदी को पीएम के रूप में लगातार तीसरा कर्यकाल सुनिश्चित कराने के लिए किया गया है। लेकिन हमारे मतदाताओं के गले यह बात नहीं उतर रही है।% भाजपा की सबसे बड़ी समस्या महाराष्ट्र के दो बड़े मराठा नेताओं को अपने साथ लाने के बाद अपने मूल मतदाता अन्य पिछड़ा वर्ग को साध कर रखना है। महाराष्ट्र में मराठा बनाम ओबीसी की लड़ाई गहरे तक समाई हुई है। मराठा अपनी राजनीतिक ताकत और पैसों के दम पर दलित और अन्य पिछड़ी जातियों पर दबदबा बना कर रखते हैं। ऐसे में भाजपा ने कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस की मराठा प्रभुत्व वाली राजनीति को चुनौती देने के लिए अन्य पिछड़े वर्ग में लगभग 400 जातियों को साधने के लिए लंबे समय से जमीनी स्तर पर काम किया था।

राज्य भाजपा के पूर्व महासचिव वसंतराव भागवत ने एक %माधव फॉर्मूला% (माली, धनगर और वंजारी जातियों के पहले अक्षर को मिलाकर दिया गया संक्षिप्त नाम) बनाया था। उसके तहत गोपीनाथ मुंडे (वंजारी), एन. एस. फरांडे (माली) और अन्ना डांगे (धनगर) जैसे ओबीसी नेताओं की एक पीढ़ी तैयार हुई। इस सोशल इंजीनियरिंग फॉर्मूले ने भाजपा को ब्राह्मण-बनिया जैसी सवर्णों की पार्टी की छवि से छुटकारा पाने में भी मदद की और पिछड़ी जातियों में भाजपा की पैठ बनी। भाजपा ने धनगरों (चरवाहा समुदाय) पर पिछले कुछ समय से ज्यादा फोकस किया है। मराठा-कुनबी जाति समूहों (31.5 प्रतिशत) के बाद धनगर राज्य का दूसरा सबसे जाति समूह (12-15 प्रतिशत) है। धनगरों तक पहुंच बनाने के लिए भाजपा ने राष्ट्रीय समाज पार्टी (आरएसपी) के गोपीचंद पड़लकर और महादेव जानकर जैसे समुदाय के बड़े नेताओं को शामिल कराया। पड़लकर ने बारामती से अजित पवार के खिलाफ चुनाव लड़ा था, लेकिन हार गए थे। बाद में भाजपा ने उन्हें एमएलसी बनाया था। गोपीचंद पड़लकर पवार परिवार पर अपने तीखे हमलों के लिए जाने जाते हैं और उन्होंने अजीत पवार के भाजपा के साथ आने के बाद भी साफ कह दिया था कि वह अजीत का विरोध पूरी ताकत से करेंगे। कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने 2019 के आम चुनाव में प्रकाश आंबेडकर के नेतृत्व वाली वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) को नजरअंदाज किया था, जिसके बाद वंचित बहुजन अघाड़ी अपने दम पर मैदान में उतरी और कांग्रेस और एनसीपी के आठ उम्मीदवारों की हार का कारण बनी। केन्द्र में मंत्री और महाराष्ट्र में भाजपा के सहयोगी रामदास आठवले का भी मानना है कि बदली हुई परिस्थितियों में भाजपा को अपने पिछड़ी जातियों के वोटरों को बचाकर रखना आसान नहीं होगा। अपने ओबीसी मतदाताओं को साधने के साथ ही भाजपा के सामने एक दूसरी बड़ी समस्या यह भी है कि 2019 के विधानसभा चुनाव में एनसीपी से हार गए अपने उम्मीदवारों को उनके लिए सीट खाली करने या उनका सहयोग करने के लिए तैयार करना होगा। भाजपा के ज्यादातर नेता जो एनसीपी के उम्मीदवार से चुनाव हार गए थे, अपना दावा छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। ज्यादातर नेताओं ने संकेत दिया है कि अपना चुनाव क्षेत्र छोड़ने की बजाय वह अन्य पार्टियों को विकल्प के रूप में देखेंगे। जाहिर है यह संकेत भाजपा के लिए शुभ नहीं है।

भाजपा के एक एक वरिष्ठ नेता ने स्वीकार किया कि,नया गठबंधन कागज पर अच्छा दिखता है, लेकिन स्थानीय स्तर पर चीजें उतनी सहज नहीं है। गांवों में दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं के बीच कड़वाहट गहरी है। ऐसे में जमीनी स्तर पर मिलन होना मुश्किल है। कांग्रेस भी इसमें अपने लिए अवसर ढूढ़ रही है और कांग्रेस का मानना है कि ऐसे असंतुष्ट नेता महा विकास आघाड़ी के लिए उपयुक्त विकल्प हो सकते हैं, खासकर उन सीटों पर जहां भाजपा और एनसीपी में सीधी टक्कर थी। इसके अलावा शिंदे और पवार के आने के बाद भाजपा के लंबे समय से महाराष्ट्र में सहयोगी रहे छोटे छोटें दलों की अपनी चिंताए भी है। आरएसपी जैसे भाजपा के छोटे सहयोगी दल भी राज्य की सत्ता से बाहर रखे जाने से नाराज हैं। रैयत क्रांति संगठन (आरकेएस) के किसान नेता सदाभाऊ खोत और आरपीआइ के दिग्गज अविनाश महातेकर 2019 से पहले की भाजपा-शिवसेना गठबंधन सरकार में मंत्री थे। बहरहाल, तीन बड़ी पार्टियों के बीच मंत्रीपद के लिए मारामारी के कारण इन छोटी पार्टियों को सत्ता से वंचित होना पड़ा है। बीजेपी ने भी हाल में एनडीए की बैठक की तो इन छोटे दलों को बुलाना जरूरी नहीं समझा। इन छोटे दलों का कहना है कि अपने स्वार्थ के लिए भाजपा ने हमें नजरअंदाज कर दिया। समय आने पर हम भी भाजपा को नजरअंदाज कर सकते हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

ध्यानबिन्दुपनिषद्

यह उपनिषद् कृष्णयजुर्वेदीय परम्परा से सम्बद्ध है। इस उपनिषद् के नाम से ही स्पष्ट है कि इसका केन्द्रीय भाव ध्यान है। इस उपनिषद् का शुभारम्भ ही ब्रह्म ध्यानयोग से किया गया है। तत्पश्चात् क्रमश: ब्रह्म की सूक्ष्मता एवं सर्वव्यापकता, प्रणव (ओंकार) का स्वरूप, प्रणव के ध्यान की विधि, प्राणायाम के साथ प्रणव का ध्यान, सविशेष ब्रह्म का ध्यान, हृदय में ध्यान एवं उसका प्रतिफल, षडंगयोग, आसन चतुष्टय (सिद्ध, भद्र सिंह और पद्म), मूलाधार आदि चार चक्र, नाड़ी चक्र, दस प्राण, जीव का प्राण अपान का वशवर्ती होना, योग के समय प्राण और अपान की एकता, अजपा हंस विद्या, कुण्डलिनी से मोक्ष प्राप्ति, ब्रह्मचर्यादि से कुण्डलिनी जागरण, तीनों बन्ध, खेचरी मुद्रा, खेचरी से वज्रोली सिद्धि महामुद्रा, हृदय में आत्मानुभव तथा नादानुसन्धान द्वारा आत्मदर्शन आदि विषय वर्णित हैं। साधना द्वारा सिद्धि प्राप्त करने के इच्छुक साधकों के लिए इस उपनिषद् में बड़ा ही व्यावहारिक मार्गदर्शन उपलब्ध है।

यदि पर्वत की तरह (अनेक जन्मों के सञ्चित) अनेक योजन व्यापकत्व लिए पाप समूह हों, तो भी ध्यान योग साधना द्वारा उनको नष्ट किया जाना सम्भव है, अन्य किसी साधन से उनका नाश सम्भव नहीं। बीजाक्षर (कार) से परे बिन्दु स्थित है और उसके ऊपर नाद विद्यमान है, जिसमें मनोहर शब्द ध्वनि सुनाई पड़ती है। उस नादध्वनि के अक्षर में विलय हो जाने पर जो शब्द विहीन स्थिति होती है, वही परमपद के नाम से जानी गयी है। उस अनाहत शब्द (मेघ गर्जना की तरह प्रकृति का आदि शब्द) का जो परम कारण तत्त्व है, उससे भी परे परम कारण (निर्विशेष ब्रह्म) स्वरूप को जो योगी प्राप्त कर लेता है, उसके सब संशय नष्ट हो जाते हैं। यदि बाल (गेहूँ आदि की बाल) के अग्रभाग अर्थात् नोक के एक लाख हिस्से किये जाएँ, तो उसका एक सूक्ष्म भाग जीव कहलाएगा), उसके पुन: उतने भाग अर्थात् एक लाख भाग किये जाएँ (इन सूक्ष्मतर भागों को ईश्वर कहा जायेगा। तत्पश्चात् उस (एक लाखवें) हिस्से के भी पचास हजार हिस्से किये जाने पर जो शेष रहे, उसके भी (साक्ष्य साक्षी आदि विशेषण के भी) क्षय हो जाने पर जो सूक्ष्म से भी अतिसूक्ष्म शेष रहे, वह उस निरञ्जन (विशुद्ध) ब्रह्म की सत्ता है। जिस प्रकार पुष्प में गन्ध, दूध में घृत, तिल में तेल तथा सोने की खान के पाषाणों में सोना प्रत्यक्ष रूप से न दिखने पर भी अव्यक्त रूप से विद्यमान रहता है, उसी प्रकार आत्मा का अस्तित्व सभी प्राणियों में निहित है।

क्रमश: ...

पंडित रविशंकर शुक्ल

पंडित रविशंकर शुक्ल छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध एवं जाने माने नेता व स्वतंत्रता सेनानी थे। उन्होंने भारत की आजादी आंदोलनों में बढ़ चढ़कर योगदान दिया है। पं. रविशंकर शुक्ल का जन्म 2 अगस्त सन् 1877 को सागर में हुआ था। पंडित रविशंकर शुक्ल के पिताजी का नाम जगन्नाथ प्रसाद तथा माताजी का नाम तुलसी देवी था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा सागर में ही हुई। शिक्षा पूरी होने के बाद रविशंकर शुक्ल सरायपाली चले गये और सूखा राहत कार्य का निरीक्षण कार्य करने लगे। उनकी ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के लिये शुक्ल को पदोन्नत कर नायाब तहसीलदार बना दिया गया। 1901 में उन्होंने सरकारी नौकरी छोड़ कर जबलपुर के 'हितकारिणी स्कूल' में अध्यापन कार्य शुरु किया। बाद में उनके पिताजी अपने कारोबार के सिलसिले में राजनांदगाँव चले गए. कुछ समय बाद वे रायपुर में आकर बस गए. बी.ए. करने के बाद रविशंकर शुक्ल की नियुक्ति चीफ कमिश्नर के दफ्तर में हुई।

पंडित रविशंकर शुक्ल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रसिद्ध नेता और एक स्वतंत्रता सेनानी थे। शुक्ल 1921 के कांग्रेस अभियान के दौरान, वे अखिल भारतीय कांग्रेस जनरल कमेटी के सदस्य चुने गए। 1921 की शुरुआत में, वे रायपुर जिला परिषद के सदस्य चुने गए थे। 1922 में रायपुर जिला परिषद का एक सम्मेलन हो रहा था, और उन्होंने कुछ ब्रिटिश अधिकारियों को प्रवेश देने से मना कर दिया। वे 1927 से 1936 ई. तक रायपुर जिला परिषद के अध्यक्ष रहे। उन्होंने स्कूलों में वन्दे मातरम् का गायन और राष्ट्रीय झण्डे को फहराना अनिवार्य कर दिया। 1924 में वह पहली बार प्रांतीय विधानसभा के सदस्य चुने गए थे। राजनीतिक चेतना और सामाजिक जागरूकता जगाने के लिए उनके द्वारा 1935 में महाकौशल साप्ताहिक शुरू किया गया था। डॉ. खरे के मंत्रिमंडल में शुक्ल शिक्षा मंत्री बने। 1939 में, कैबिनेट ने इस्तीफा दे दिया। संविधान सभा ने उन्हें सदस्यता के लिए भी चुना। 1946 के विधानसभा चुनाव के दौरान मध्य प्रदेश में कांग्रेस को भारी बहुमत मिला था। व पं. रविशंकर शुक्ला मुख्यमंत्री के रूप में पद भार ग्रहण की। 1 नवम्बर 1956 को जब मध्य प्रदेश का गठन हुआ तो पं. रविशंकर शुक्ला नए राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में पद भार ग्रहण की।

पंडित रविशंकर शुक्ल को नए 'मध्य प्रदेश के पुरोधा' के रूप में याद किया जाता है। उन्होने राष्ट्रीय आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई, स्वदेशी खादी, राष्ट्रीय शिक्षा को बढ़ावा दिया और असहयोग सविनय अवज्ञा तथा भारत छोड़ो आंदोलन में शीर्षशत्तर भूमिकाएं निभाई।1923 में नागपुर में आयोजित झंडा सत्याग्रह में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व 4 जुलाई, 1937 ई. को श्री खरे के प्रथम कांग्रेसी मंत्री मंडल में शिक्षा मंत्रि के रूप में सम्मिलित हुए तथा विद्या मंदिर योजनाओं को क्रियान्वित किया। 15 अगस्त, 1947 को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री बने और 1956 तक वे इस पद पर बने रहे। 1 नवंबर, 1956 को नए मध्य प्रदेश के प्रथम संस्थापक मुख्यमंत्री बनने का गौरव प्राप्त हुआ।

शुक्ल की सम्मान में विधान सभा सचिवालय द्वारा 1995-1996 से उत्कृष्ट मंत्री पुरस्कार स्थापित किया गया है। दिल्ली में स्थित भारत के संसद भवन परिसर में रविशंकर शुक्ल की प्रतीमा मौजूद है। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में स्थित विश्वविद्यालय का नाम पंडित रवि शंकर शुक्ल के नाम पर है। मध्य प्रदेश के गठन के दो महीने बाद 31 दिसंबर 1956 को 80 वर्ष की आयु में नई दिल्ली में उनका निधन हो गया।

आईएनएस कृपाण का उपहार और वियतनाम-भारत रिश्ते

प्रशांत दीक्षित

पिछले महीने भारत ने पूरी तरह से चालू नौसैनिक युद्धपोत आईएनएस कृपाण वियतनाम को उपहार में दिया। यह जहाज 28 जून को वियतनाम के लिए रवाना हुआ और आठ जुलाई को कैम रैन पहुंचा। यह हो ची मिन्ह शहर से 300 किलोमीटर की दूरी पर दक्षिण चीन सागर में स्थित कैम रैन खाड़ी में एक प्रमुख नौसैनिक बंदरगाह है। वियतनामी नौसेना की समुद्री क्षमता को बढ़ावा देने के लिए भारत द्वारा 12 उच्च गति की नौकाएं सौंपने के एक साल बाद इस युद्धपोत का हस्तांतरण हुआ है।

भारत सरकार के इस कदम को इस दक्षिण पूर्व एशियाई देश के साथ रणनीतिक संबंधों में सर्वोच्च मानक माना जा सकता है। वियतनाम के साथ हमारे रणनीतिक संबंध में रक्षा सहयोग एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में उभरा है। नवंबर, 2009 में दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों द्वारा रक्षा सहयोग के लिए सहमति पत्र पर हस्ताक्षर करने से हमारे संबंध और मजबूत हुए हैं। भारतीय जहाज नियमित रूप से वियतनाम में रुकते हैं। पहली बार, एक वियतनामी जहाज ने फरवरी, 2016 में भारत के विशाखापत्तनम में इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू में भाग लिया था। इसी तरह, शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए अंतरिक्ष का उपयोग, आईटी सहयोग, साइबर सुरक्षा, परमाणु ऊर्जा का उपयोग, नवीकरणीय ऊर्जा और बहु-आयामी व्यावसायिक संपर्क हमारे संबंधों की भावना को प्रदर्शित करते हैं।

गौरतलब है कि भारत और वियतनाम, दोनों

दक्षिण चीन सागर पर चीन के दावों से परेशान हैं। भारत ने इस बात का संज्ञान लिया कि हेग स्थित स्थायी मध्यस्थता न्यायालय (पीसीए) से फिलीपींस शासन की मध्यस्थता की मांग एक तार्किक पहल थी। और पीसीए ने जुलाई, 2016 में चीन के समुद्री दावों के खिलाफ फैसला सुनाया। महत्वपूर्ण बात यह है कि बाद के दावों में %इतिहास के तथ्य% को सिरे से खारिज कर दिया गया। चीन ने न केवल इस फैसले की वैधता को खारिज कर दिया, बल्कि इसे अस्वीकार करते हुए दावा किया कि विवाद का कोई भी समाधान द्विपक्षीय बातचीत के जरिये होना चाहिए। विश्लेषक चीन के इस रवैये को दावेदारों को डराने की धमकी के तौर पर देख रहे हैं।

दक्षिण चीन सागर में कई प्रमुख खिलाड़ियों के हितों की व्यापकता और उनके समग्र अंतर्संबंध एक तरफ चीन, तो दूसरी तरफ ब्रुनेई, ताइवान, मलयेशिया और फिलीपींस के साथ स्थिति को बिगाड़ देते हैं। मुख्य रूप से, यह वियतनाम तट पर स्थित स्प्रैटली और पैरासेल्स द्वीपों पर दावों से उभरा। 1,800 किलोमीटर लंबी वियतनामी तटरेखा इन द्वीपों के सामने है। इन दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के द्वीप और समुद्री दावों से जुड़े कई विवाद हैं, जिनमें से प्रत्येक अलग-अलग देशों से जुड़ा हुआ है; लेकिन विवाद के केंद्र में डैश लाइन क्षेत्र है, जिस पर चीन दावा करता है, जो दक्षिण चीन सागर के अधिकांश क्षेत्र में फैला है और उपर्युक्त देशों के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र को आक्रामक रूप से घेरता है।

चीनी बयानबाजी से उसके दावे वाले समुद्री इलाकों पर नियंत्रण की बू आती है। पीसीए द्वारा विचार-विमर्श की पूरी अवधि के दौरान चीन ने सार्वजनिक रूप से भागीदारी से परहेज करते हुए इसके खिलाफ मीडिया में लगातार हंगामा मचाया। हालांकि भारत सहित सभी देश चाहते हैं कि दक्षिण चीन सागर अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र के रूप में बना रहे, जैसा कि संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि (यूएनसीएलओएस) में वर्णित अंतरराष्ट्रीय जल में नौवहन की स्वतंत्रता में स्पष्ट रूप से शामिल है।

चीन का रवैया स्पष्ट रूप से और जान-बूझकर उस क्षेत्र में भारत के हितों में दखल देने वाला है। वियतनाम की मैत्रीपूर्ण यात्रा के दौरान भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस ऐरावत के बारे में एक खबर आई थी कि वह चीनी जल क्षेत्र में प्रवेश कर रहा था। यह घटना 22 जुलाई, 2011 की है, जब भारतीय जहाज वियतनाम के तट से 80 किलोमीटर दूर था। उसे इसकी सूचना एक ऐसे सूत्र ने दी, जिसने खुद को चीनी नौसेना बताया। हालांकि, नौसैनिक पोत को किसी टकराव का सामना नहीं करना पड़ा, लेकिन इस संचार ने स्पष्ट रूप से नौवहन की स्वतंत्रता और अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र से गुजरने के अधिकार में बाधा उत्पन्न की।

विगत मई में भारत और वियतनाम की नौसेनाएं दक्षिण चीन सागर में आयोजित आसियान-भारत समुद्री अभ्यास के उद्घाटन का हिस्सा थीं। उस दौरान चीनी निगरानी पोत जियांग यांग होंग, 10 और कम से कम आठ समुद्री लड़ाकू जहाज, चीनी नौसेना के एक मोर्चे के रूप में उस क्षेत्र की ओर रवाना हुए, जहां नौसेना अभ्यास आयोजित किया गया था। चीनी जहाज वियतनाम के विशेष आर्थिक क्षेत्र की ओर चले गए, और यह स्पष्ट नहीं था कि इसका उद्देश्य नौसैनिक अभ्यास पर नजर रखना था या वियतनाम के विशेष आर्थिक क्षेत्र में घुसपैठ करना था, जहां चीन समुद्री विवाद में उलझा हुआ है।

वर्ष 2011 में ही चीन और वियतनाम ने दक्षिण चीन सागर में विवादों की रोकथाम के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इधर भारत की सरकारी तेल कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड ने दक्षिण चीन सागर में पेट्रो वियतनाम के कुछ हिस्सों की खोज के लिए वियतनाम के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस वैध समझौते पर प्रतिक्रिया जताते हुए चीन ने कहा कि दक्षिण चीन सागर और उसके द्वीपों पर चीन को निर्विवाद संप्रभुता प्राप्त है।% और यह कि %चीन का रुख ऐतिहासिक तथ्यों और अंतरराष्ट्रीय कानून पर आधारित है। हम चीन के अधिकार वाले जल क्षेत्र में तेल और गैस की खोज तथा विकास गतिविधियों में शामिल किसी भी देश के विरोध में हैं। हमें उम्मीद है कि संबंधित देश दक्षिण चीन सागर विवाद में शामिल नहीं होंगे।

बापू की दिनचर्या

आचार और व्यवहार (भाग-3)

गतांक से आगे...

इसके बावजूद, वे विधुरों को पुनर्विवाह करने से सदा रोकते। केवल बाल विधवाओं के पुनर्विवाह का उन्होंने समर्थन किया। कोई बाल विधवा बहन पुनर्विवाह कर बापू को प्रणाम करने जाती, तो वे अति आह्लाददायक संबोधनों से उसका स्वागत करते और अपना आशीर्वाद-रूपी प्रेम बरसाकर उसके उस नए संबंध को भारतीय संस्कृति के अनुरूप पावन बनाए रखने की सलाह देते। उनका कहना था कि अनिष्टकारक इच्छाओं का दमन करते हुए साथ रहकर कल्याणकारी जन सेवा कार्य में रत रहो। वे बा को कल्याण मार्ग की प्रेरिका और अपने सत्कार्यों की सहायिका के रूप में देखते और बा के बिना उनके सभी कार्य अधूरे लगते। बापू के आश्रम में दंपती-रूप में रहते हुए नर-नारियों ने वह साधना की, जिसका उदाहरण इतिहास में मिलना कठिन है। बापू ने अपने रहन-सहन और अपनी दिनचर्या को इस प्रेरणा से, सादगी से पूर्ण बनाया कि भारत के करोड़ों मनुष्य विवशता के कारण जिस प्रकार जीवन-यापन करते हैं, उनका विशेषत: जैसा आहार, वस्त्र और वास-स्थान होता है, शक्ति और साधन रहते हुए हम भी वैसे रहने का व्रत लें। हमारे व्रत में प्रेमवश सहायक बनने के लिए जो आश्रमवासी बनकर हमें सहायता पहुँचाने के इच्छुक हों, वे सहर्ष हमारे संपर्क में आएँ। श्रीमद्भागवत में कहा गया है कि जो एक ओर अधिक संग्रह करके अपने पास रखता है। और दूसरी ओर लोग भूखों मरते रहते हैं, ऐसी परिस्थिति में संग्रह करनेवाला चोरी का माल रखने का अपराधी है। आधुनिक अर्थशास्त्री भी इसी नतीजे पर पहुँचते हैं। कृष्णद्वैपायन व्यास का प्राचीन अर्थशास्त्रीय दर्शन, पाश्चात्य दर्शन तथा गांधीवादी अर्थव्यवस्था-सभी का निष्कर्ष अंतत: एक ही है और वह यह कि पूर्ण श्रम से प्राप्त होनेवाले धन से आगे और अधिक के जो तुम स्वामी बने बैठे हो, वह कहाँ से आया?

क्रमश: ...

बिहार में होगी जातीय जनगणना, चुनौती देने वाली याचिकाएं खारिज

पटना। पटना उच्च न्यायालय ने राज्य में जाति-आधारित सर्वेक्षण कराने के बिहार सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाएं मंगलवार को खारिज कर दीं। वास्तव में, उच्च न्यायालय ने राज्य में जाति-आधारित सर्वेक्षण का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। मुख्य न्यायाधीश के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति पार्थ सारथी की पीठ ने जाति-आधारित सर्वेक्षण को चुनौती देने वाली विभिन्न याचिकाओं पर फैसला सुनाया। अधिवक्ता दीनू कुमार ने कहा कि जज ने ये फैसला सुनाया कि बिहार सरकार के जाति आधारित सर्वे को चुनौती देने वाली सभी याचिकाएं खारिज कर दी गई हैं। वह इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। हालांकि, यह नीतीश सरकार की बड़ी जीत है।

सर्वेक्षण दो चरणों में किया जाना है। पहला चरण, जिसके तहत घरेलू गिनती का अभ्यास किया गया था, इस साल जनवरी में राज्य सरकार द्वारा आयोजित किया गया था। सर्वेक्षण का दूसरा चरण 15 अप्रैल को शुरू हुआ, जिसमें लोगों की जाति और सामाजिक-आर्थिक स्थितियों से संबंधित डेटा इकट्ठा करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। पूरी प्रक्रिया इस साल मई तक पूरी करने की योजना थी। हालांकि, 4 मई को हाई कोर्ट ने जाति जनगणना पर रोक लगा दी थी। मुख्य न्यायाधीश के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति मधुरेश प्रसाद की पीठ ने रोक लगाने की मांग वाली तीन याचिकाओं पर आदेश पारित किया था। इसमें पाया गया कि सर्वेक्षण वास्तव में एक जनगणना थी, जिसे केवल केंद्र सरकार ही कर सकती है।

जातीय जनगणना पर हाई कोर्ट के फैसले का लालू यादव ने किया स्वागत

पटना हाई कोर्ट ने राज्य में जाति-आधारित सर्वेक्षण कराने के बिहार सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाएं मंगलवार को खारिज कर दीं। यह नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव वाली राज्य की महागठबंधन सरका की बड़ी जीत है। इन सबके बीच बिहार सरकार के जाति आधारित सर्वेक्षण को चुनौती देने वाली याचिकाओं को पटना हाईकोर्ट द्वारा खारिज किए जाने पर राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने कहा कि हम हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत करते हैं। यह सिर्फ एक फैसला नहीं है बल्कि गरीबों के लिए फैसला है। इससे उनके लिए दरवाजे खुलेंगे। राजद प्रमुख ने कहा कि उनके सर्वेक्षण के बाद, उनकी आर्थिक स्थिति का पता चलेगा और उस आधार पर सरकार उनके लिए योजनाओं का मसौदा तैयार करेगी और इससे विकास के द्वार खुलेंगे। मैं ष्टरूऔर तेजस्वी यादव को धन्यवाद देता हूं, उन्होंने कड़ी मेहनत की। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक फैसला है। हाईकोर्ट ने महागठबंधन सरकार के फैसले पर अपनी मुहर लगा दी है। यह स्वागत योग्य निर्णय है। यादव ने साफ तौर पर कहा कि हमारी लड़ाई समाज के पिछड़े लोगों को मुख्यधारा में लाने की है। जब जाति आधारित सर्वेक्षण होगा, तो स्पष्टता आएगी और उसी आधार पर सरकार योजनाएं बनाएगी और उन तक सुविधाएं पहुंचाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा जातिगत जनगणना को रोकना चाहती थी। मैं ऐसा करने के लिए मुख्यमंत्री और राजद प्रमुख लालू यादव को धन्यवाद देता हूं।

मैं भी बिहार का लड़का, मुझे धकिया नहीं सकते : प्रशांत किशोर

■ **लालू-नीतीश पर बरसे प्रशांत**

पटना। चुनावी रणनीतिकार से नेता बनने की कोशिश में जुटे प्रशांत किशोर ने बिहार की राजनीति को और दिलचस्प बना दिया है। बिहार के महागठबंधन सरकार पर निशाना साधने के साथ ही वह भाजपा पर भी हमलावर रहते हैं। इन दिनों उनकी जन सुराज यात्रा पूरे बिहार में चल रही है। फिलहाल वे समस्तीपुर में हैं। समस्तीपुर में उन्होंने राजद नेता लालू प्रसाद यादव और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा। अपने बयान में उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मैं भी बिहार का लड़का हूं। चुनाव इतनी मजबूती से लड़वाऊंगा कि लालू-नीतीश जैसे नेताओं के दांत खट्टे कर दूंगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि मुझे धकियान इनके बस की बात नहीं।

प्रशांत किशोर ने यह भी कहा कि जन सुराज व्यवस्था को अगर हम नहीं बनाएंगे लोग यही कहेंगे कि प्रशांत किशोर गांव और प्रखंडों में घूम रहे हैं। इनकी तो कोई ताकत ही नहीं है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार लालू यादव और भाजपा के लोग धकिया नहीं सकते हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मैं बिहार में लड़ने आया हूं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि बंगाल में आपने मेरा काम देखा होगा। भाजपा ने अपनी पूरी ताकत लगा दी थी। लेकिन मैंने कहा था कि 100 से पार नहीं होने दूंगा। इसके साथ ही उन्होंने सवाल किया कि बताओ भाजपा वाले 100 से पार हुए? आपको बता दें कि 2021 के बंगाल विधानसभा चुनाव में प्रशांत किशोर तृणमूल कांग्रेस के लिए चुनावी रणनीतिकार थे। चुनावी रणनीतिकार ने ऐलान करते हुए कहा कि जो बड़े लोगों के दांत खट्टे कर दें उसे प्रशांत किशोर कहते हैं। उन्होंने कहा कि देश भर के नेता जब चुनाव लड़ते हैं तो मुझसे सलाह लेते हैं। यह लोग मेरा क्या करेंगे। उन्होंने लोगों से अपील किया कि आप लोग बिहार के भविष्य के बारे में सोचिए। किसी का बंधुआ मजदूर मत बनिए। इससे पहले प्रशांत किशोर ने कहा था कि विपक्षी एकता अभियान को चुनावी लाभ तभी मिलेगा जब वह जनता को आकर्षित करने के लिए किसी मुद्दे के साथ आएंगे और केवल 'अंकगणित' पर निर्भर नहीं रहेंगे। उन्होंने कहा, ''चुनावों में सफलता के लिए एक चेहरा होना अपरिहार्य नहीं है। केवल राजनीतिक अंकगणित से, जिसमें कोई मुद्दा नहीं हो, लोगों को आकर्षित करने की संभावना नहीं दिखती है।''

भारत के दोस्त इटली ने निकाली चीन-पाकिस्तान के जशन की हवा, बीआरआई प्रोजेक्ट को मिट्टी में मिला देगा

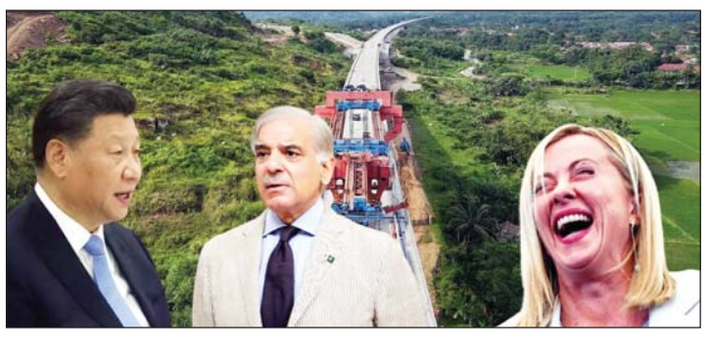

नईदिल्ली। अमेरिका की टक्कर में खुद को खड़ा करने की कोशिश में चीन ने बेल्ट एंड रोड इनिसिएटिव यानी बीआरआई के जरिए दुनिया के कई देशों में करोड़ों डॉलर के प्रोजेक्ट शुरू किए थे। पाकिस्तान में शुरु हुए बीआरआई के प्रोजेक्ट सीपीईसी के दस साल पूरे हो गए हैं। दोनों मुल्क इसका जश्न भी मना रहे हैं। लेकिन इसी जश्न में इटली ने पलीता लगा दिया है और चीन के बीआरआई की पोल खोल दी है। गौर करने वाली बात ये है कि इटली यूरोप का एकलौता देश है जो चीन के इस प्रोजेक्ट में शामिल हुआ था। इटली के रक्षा मंत्री गोइदो प्रोस्टो ने एक इंटरव्यू में कहा है कि चीन के इस फैसले में शामिल होना तबाह करने वाला फैसला था। उन्होंने कहा कि ये फैसला जल्दबाजी में ले लिया गया था।

इटली के डिफेंस मिनिस्टर ने ऐसा कहने की वजह भी बताई। उन्होंने कहा कि इस फैसले से चीन को तो फायदा मिला और उनका निर्यात हमारे यहां काफई बढ़ गया। लेकिन मुझे एक्सपोर्ट का फायदा नहीं मिल सका। इटली के नेता ने कोरिया डेला सेरा न्यूज पेपर को दिए इंटरव्यू में कहा कि नए सिल्क रोड में शामिल होने का फैसला जल्दबाजी में लिया गया। ये तबाह करने वाला कदम था। उनका ये बयान चीन से उलट है। पिछले दिनों चीन ने कहा था कि बीआरआई से दोनों देशों को लाभ हो रहा है। दरअसल, इटली अब चीन के इस प्रोजेक्ट से बाहर होना चाहता है।

पाकिस्तान और चीन ने महत्वाकांक्षी चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) परियोजना के तहत सहयोग बढ़ाने और काम में तेजी लाने के लिए छह महत्वपूर्ण दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और चीन के उप प्रधानमंत्री ही लीफंग सीपीईसी के 10 साल पूरे होने पर आयोजित हस्ताक्षर समारोह के दौरान मौजूद थे। सीपीईसी में कई निर्माणाधीन बुनियादी ढांचा और अन्य परियोजनाएं शामिल हैं, जिन पर 2013 से पूरे पाकिस्तान में काम चल रहा है। ये समझौते एक विशेषज्ञ विनिमय तंत्र की स्थापना, चीन को सूखी मिर्च निर्यात करने, राजमार्ग परियोजनाओं और औद्योगिक श्रमिक विनिमय कार्यक्रम से संबंधित हैं।

सीपीईसी परियोजना पाकिस्तान के बलूचिस्तान में ग्वादर बंदरगाह को चीन के शिंजियांग प्रांत को जोड़ती है। यह चीन की अरबों डॉलर की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड पहल (बीआरआई) की प्रमुख परियोजना है। भारत सीपीईसी को लेकर चीन के समक्ष विरोध जता चुका है क्योंकि यह परियोजना पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से होकर गुजरती है। शरीफ ने इस मौके पर कहा कि हस्ताक्षरित दस्तावेजों का उद्देश्य पाकिस्तान और चीन के बीच आर्थिक संबंधों को और मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि अब तक पाकिस्तान के बिजली और जल विद्युत क्षेत्र, सड़क बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक परिवहन में सीपीईसी के तहत 25 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का निवेश हुआ है।

चीन के राष्ट्रपति ने पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय रिश्ते पर कहा कि दोनों ही देश अपनी प्लानिंग में सुधार लाएंगे और सहयोग को और ज्यादा मजबूत करेंगे। शी ने कहा कि सीपीईसी उनके बेल्ट एंड रोड परियोजना का बेहद अहम प्रोजेक्ट है। उन?होंने कहा कि चीन पाकिस?तान के साथ मिलकर सीपीईसी को और ज?यादा मजबूत बनाएगा जिससे यह बीआरआई का ऐसा प्रॉजेक?ट बन जाएगा जो दुनिया के लिए उदाहरण होगा।

मुंबई ट्रेन शूटआउट को कांग्रेस और एआईएमआईएम ने दिया साम्प्रदायिक रंग

घटना को बताया भाजपा की नफरती विचारधारा का परिणाम

नईदिल्ली। जयपुर-मुंबई सेंट्रल एक्सप्रेस में सोमवार को हुई एक आरपीएफ कांस्टेबल की ओर से की गयी फायरिंग की घटना को कांग्रेस और एआईएमआईएम जैसे कुछ दल सांप्रदायिक रंग देने में लगे हुए हैं। हम आपको बता दें कि कांस्टेबल चेतन सिंह की ओर से की गयी फायरिंग में एक एएसआई और तीन यात्रियों की मृत्यु हो गयी थी। मारे गये अधिकारी की पहचान एस्कॉर्ट ड्यूटी प्रभारी एएसआई टीका राम मीणा के रूप में हुई है और मृत यात्रियों की पहचान पालघर के नालासोपारा के अब्दुल कादरभाई मोहम्मद हुसैन भानपुरवाला (48), बिहार के मधुबनी के असगर अब्बास अली (48) और सदर मोहम्मद हुसैन के रूप में हुई है।

उधर, इस मामले को सांप्रदायिक रंग देते हुए कांग्रेस के संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने कहा, ''आरपीएफ कांस्टेबल द्वारा की गई नृशंस हत्याएं समाचार मीडिया और सोशल मीडिया के अति-आवेशित और अत्यधिक ध्रुवीकृत माहौल का परिणाम है। नफरत का जिन्न अब बोतल से बाहर आ गया है और इसे वापस अंदर डालने के लिए सामूहिक प्रयास की बहुत जरूरत होगी।'' जयराम रमेश ने ट्वीट किया, %%भारत जोड़ो यात्रा के संदेश का उद्देश्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की विचारधारा और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पूर्वाग्रह और ध्रुवीकरण की राजनीति के कारण फैल रही नफरत और हिंसा को कम करना था। इसका शीर्ष नेतृत्व भारत के सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचाने में शामिल है। बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक जल्द ही नफरत और प्रतिशोध की इस राजनीति को खारिज कर देगा।''

उधर, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने इस घटना को लेकर ट्वीट किया, %%यह एक आतंकी हमला है जिसमें विशेष रूप से मुसलमानों को निशाना बनाया गया है। यह मुस्लिम विरोधी नफरत फैलाने वाले भाषण और इसे खत्म करने में नरेन्द्र मोदी की अनिच्छा का परिणाम है। क्या आरोपी आरपीएफ जवान भाजपा का भावी उम्मीदवार बनेगा।'' उन्होंने पूछा, क्या उसकी जमानत को सरकार समर्थन करेगी? क्या रिहा होने पर उसे माला पहनाई जाएगी? गलत साबित होने पर खुशी होगी। वहीं बसपा सांसद कुंवर दानिश अली ने भी इस घटना के लिए भड़काऊ भाषणों को जिम्मेदार ठहराया है।

पाकिस्तान ने भारत को बातचीत का दिया ऑफर

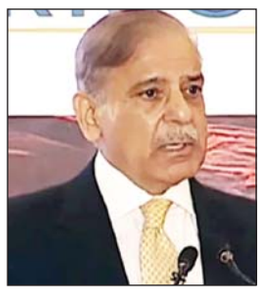

इस्लामाबाद। पैसे पैसे को मोहताज लोन के सहारे अपने को चलाने वाले मुल्क पाकिस्तान को मुफलिसी में भारत की याद आई है। आतंक को पनाह देने वाले पाकिस्तान को अपने बुरे दिनों में भारत की याद आई है। पाकिस्तान की स्थिति किसी से छिपी नहीं है, इसलिए उसे भारत से दोस्ती में ही भलाई दिख रही है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत से बातचीत का ऑफर दिया। शहबाज शरीफ ने कहा कि पिछले 75 सालों में हमने 3 जंग लड़ी, जिसने दोनों देशों को गरीबी, बेरोजगारी और तबाही के सिवा कुछ नहीं दिया। शहबाज शरीफ ने कहा कि हम भारत से बातचीत को तैयार हैं। हम चाहते हैं कि भारत के साथ हमारी बातचीत हो। रिश्तें अच्छें हो। हम गरीबी में हैं, मुफलिसी में हैं। हम तीन युद्धों में बहुत कुछ खो चुके हैं और हमें गरीबी और तबाही के अलावा कुछ नहीं मिला है।

पीएम शहबाज ने मंगलवार को पाकिस्तान खनिज शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि पड़ोसी भारत के साथ सहयोग करने की अपनी इच्छा दोहराई और इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान किसी के खिलाफ कुछ भी नहीं रखता है। दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों के इतिहास और 1947 में उनकी आजादी के बाद से तीन युद्धों के बावजूद, प्रधानमंत्री मूल्यवान जुड़ाव को बढ़ावा देना चाहते हैं। शहबाद के कश्मीर से धारा 370 हटाने का जिक्र करते हुए कहा कि हालाँकि, अगस्त 2019 में अधिकृत जम्मू और कश्मीर की विशेष स्थिति को रद्द करने के भारत के फैसले के बाद से द्विपक्षीय संबंध गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं, जिससे दोनों देशों के बीच राजनयिक बातचीत में एक आभासी ठहराव आ गया है। हर किसी के साथ बात करने के लिए तैयार हैं, यहां तक ??कि अपने पड़ोसी के साथ भी, बशर्ते कि पड़ोसी मेज पर गंभीर मुद्दों पर बात करने के लिए गंभीर हो क्योंकि युद्ध अब कोई विकल्प नहीं है। संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के साथ काम करने पर प्रधान मंत्री की टिप्पणी चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा परियोजना के दूसरे चरण की शुरुआत के उल्लेख के बाद आई। प्रधानमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान एक परमाणु शक्ति है - एक आक्रामक के रूप में नहीं बल्कि अपने रक्षा उद्देश्यों के लिए। उन्होंने उल्लेख किया कि देश ने पिछले 75 वर्षों में भारत के साथ तीन युद्ध लड़े हैं, जिसके परिणामस्वरूप केवल गरीबी, बेरोजगारी और शिक्षा, स्वास्थ्य और लोगों की भलाई के लिए संसाधनों की कमी बढ़ी है।

पीएम के कार्यक्रम में शरद पवार के जाने पर उद्धव शिवसेना का तंज

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आज पुणे में लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया। इस कार्यक्रम में शरद पवार भी थे। इतना ही नहीं इस मौके पर पीएम मोदी के अलावा सीएम एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार एक ही मंच पर मौजूद रहे। वहीं अब इस कार्यक्रम को लेकर राजनीति शुरू हो गई हैं। शिवसेना (यूबीटी) ने मंगलवार को कहा कि एनसीपी प्रमुख शरद पवार इस कार्यक्रम से दूर रह सकते थे। शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र सामना के एक संपादकीय में दावा किया कि पीएम मोदी ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया और फिर पार्टी में विभाजन कराया और महाराष्ट्र की राजनीति को खराब कर दिया। कुछ लोगों के मन में शरद पवार को लेकर संदेह हैं और अच्छा मौका था ऐसे संदेह को जवाब देने का वह इस कार्यक्रम से दूर रह सकते थे लेकिन उन्होंने पीएम मोदी का स्वागत किया जो कुछ लोगों को पसंद नहीं आया।

सामना में कहा गया है कि अगर शरद पवार एनसीपी में विभाजन के विरोध में पीएम मोदी के कार्यक्रम से दूर रहते, तो उनके साहस की सराहना की जाती। साथ ही आगे कहा कि देश तानाशाही के खिलाफ लड़ रहा है और इस उद्देश्य के लिए 26 विपक्षी दलों वाला इंडिया गठबंधन बनाया गया है और शरद पवार गठबंधन के अग्रणी सेनापति हैं। सामना में कहा गया है कि शरद पवार जैसे वरिष्ठ नेता से लोगों की काफी उम्मीदें हैं। आगे पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा गया है कि मणिपुर में हुई हिंसा पर पीएम मोदी बोलने को तैयार नहीं हैं और देश के नेता का इस मुद्दे पर न बोलना राष्ट्रीय हित में नहीं है। पुणे में प्रधानमंत्री के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं और राकांपा कार्यकर्ता इसमें हिस्सा ले रहे हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से आज मिलेंगे इंडिया गठबंधन के नेता

नईदिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मणिपुर मुद्दे पर विपक्षी दलों की चिंताओं को सुनने के कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। राष्ट्रपति बुधवार सुबह 11.30 बजे विपक्षी सांसदों (संसद सदस्यों) से मिलने पर सहमत हुई हैं। 20 जुलाई को मानसून सत्र की शुरुआत से ही विपक्षी दलों द्वारा लोकसभा और राज्यसभा दोनों में मणिपुर में हिंसा पर व्यापक चर्चा की मांग उठाई जा रही है। विपक्षी दल राज्य की स्थिति के संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संसद में बयान देने की भी मांग कर रहे हैं। विपक्ष दलों का दावा है कि भाजपा शासित मणिपुर में हिंसा चिंताजनक है और इसके कारण कई लोगों की मौत हुई है।

इंडिया गठबंधन ने नेताओं ने इस मामले में राष्ट्रपति से हस्तक्षेप की मांग की है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने जानकारी देते हुए कहा कि संसद के दोनों सदनों के नेता और हाल ही में मणिपुर का दौरा करने वाले 21 विपक्षी सांसद बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे। उन्होंने ट्वीट किया, ''29 और 30 जुलाई को मणिपुर का दौरा करने वाले 'इंडिया' के घटक दलों के 21 सांसद 2 अगस्त को सुबह 11?30 बजे माननीय राष्ट्रपति महोदया से मुलाक़ात करेंगे। 'इंडिया' के सभी घटक दलों के सदन के नेता भी उनके साथ होंगे।''

सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रपति से मुलाकात के समय विपक्षी दल मणिपुर की स्थिति को उनके समक्ष रखेंगे। विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' के घटक दलों के 21 सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने 29-30 जुलाई को मणिपुर का दौरा किया था। प्रतिनिधिमंडल ने इस बात पर जोर दिया कि अगर मणिपुर में पिछले तीन महीने से जारी जातीय संघर्ष की समस्या को जल्द हल नहीं किया गया, तो देश के लिए सुरक्षा समस्याएं पैदा हो सकती हैं। कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के अन्य घटक दल मानसून सत्र के पहले दिन से ही मणिपुर में जातीय हिंसा के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से संसद में वक्तव्य देने और इस मुद्दे पर चर्चा कराए जाने की मांग कर रहे हैं।

डिफेंस और एक्सपोर्ट में मजबूती से बढ़ रहे हैं भारत के कदम

■ **मोदी, राजनाथ और जयशंकर की टीम ने इस आश्चर्यजनक सफलता को किया हासिल**

नईदिल्ली। पिछले हफ्ते, अर्जेंटीना के रक्षा मंत्रालय ने अपने सशस्त्र बलों के वास्ते हल्के व मध्यम उपयोगिता वाले हेलीकॉप्टरों के लिए हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ एक आशय पत्र (एलओआई) पर हस्ताक्षर किए। दुनिया भर के देशों को सैन्य हार्डवेयर की आपूर्ति के मामले में यह एचएएल के साथ-साथ भारत के लिए भी एक मील का पत्थर है। लेकिन ये सफलता अचानक नहीं मिली है। इसे दो उदाहरणों के माध्यम से बेहतर ढंग से समझते हैं। पिछले पांच वर्षों में एचएएल के शेयर की कीमत इतनी बढ़ गई है। इसने एचएएल को आज भारत में सबसे अधिक मूल्यवान सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में से एक बना दिया है। इसका बाजार पूंजीकरण अब कोल इंडिया, इंडियन ऑयल और भारत पेट्रोलियम जैसी ऊर्जा बड़ी कंपनियों के साथ तुलना करता है। दूसरा और भी प्रभावशाली हैय् पिछले नौ वर्षों में भारत का रक्षा निर्यात इतना बढ़ गया है। 2022-23 वित्तीय वर्ष में भारत का रक्षा निर्यात 16,000 करोड़ रुपये था, जो 2013-14 में सिर्फ 686 करोड़ रुपये था। ये आंकड़े, खासकर एचएएल के आंकड़े याद रखने वालों के लिए थोड़ा आश्चर्यचकित करने वाले हो सकते हैं।

2019 के चुनाव के आसपास कई आरोप लगे कि सरकार एचएएल को बर्बाद करने की कोशिश कर रही है। अब यह एक गलत सूचना अभियान जैसा लग रहा है। एचएएल की ऑर्डरबुक फिलहाल 84,000 करोड़ रुपये की डील से भरी हुई है। कहा जाता है कि अन्य 50,000 करोड़ रुपये पाइपलाइन में हैं। 2019 के बाद इस कहानी पर ध्यान न देने के लिए मीडिया आलोचना का पात्र है। किसी भी मामले में मीडिया का कुछ हिस्सा उस गलत सूचना अभियान में शामिल था। एक प्रमुख अखबार में प्रकाशित संवेदनशील रक्षा संबंधी दस्तावेजों की काट-छाँट की गई तस्वीरें कौन भूल सकता है? इतना ही नहीं एलएएल के लिए और भी अच्छी खबर है। वे

अब जेट इंजन बनाने के लिए जेई एयरोस्पेस के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। यह प्रधानमंत्री मोदी की संयुक्त राज्य अमेरिका यात्रा के आसपास हुआ। अमेरिका आमतौर पर ऐसी तकनीक अपने निकटतम सहयोगियों के साथ भी साझा नहीं करता है। वास्तव में, यह सौदा भारत के लिए इतना अनुकूल है कि इससे अमेरिकी सैन्य औद्योगिक परिसर के कुछ हिस्सों में नाराज़गी पैदा हो गई है। फॉरेन अफेयर्स पत्रिका ने जून 2023 के एक लेख में चेतावनी दी, %जीई सौदा दशकों तक भारत के स्वदेशी रक्षा उद्योग को मजबूत कर सकता है, जो लंबे समय तक अमेरिकी हितों की पूर्ति नहीं कर सकता है।% दूसरे शब्दों में, भविष्य में भारत को बाहर से इतनी चीज़ें नहीं खरीदनी पड़ेंगी। भारत दुनिया में हथियारों का सबसे बड़ा आयातक है। हमें इसे बदलना होगा। घरेलू और विदेश नीति के चतुर संयोजन के माध्यम से, सफलताएँ धीरे-धीरे बढ़ रही हैं। इसकी शुरुआत सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची से हुई। 2020 के बाद से रक्षा मंत्रालय ने इन सूचियों में वस्तुओं की संख्या लगभग 4,000 तक पहुंच गई है। प्रत्येक वस्तु के लिए एक कटऑफ तिथि होती है जिसके बाद इसे बाहर से आयात नहीं किया जा सकता है। इसे घरेलू स्तर पर ही खरीदना पड़ता है। अब दोनों सार्वजनिक और निजी भारतीय कंपनियां जानती हैं कि सरकार क्या खरीदने की योजना बना रही है और कब। यह हमेशा %बड़ी% चीजें नहीं होतीं, जैसे पूरे जहाज और विमान। रक्षा उपकरणों में उपयोग की जाने वाली प्रत्येक वस्तु, जैसे विमान के टायर, विभिन्न प्रणालियों के लिए बैटरियाँ, या यहाँ तक कि प्रशिक्षण सिम्युलेटर, अत्यधिक विशिष्ट हो सकती हैं। अब तक के नतीजे उत्साहवर्धक रहे हैं। रक्षा खरीद में विदेशी खरीद का हिस्सा आमतौर पर 40 प्रतिशत के आसपास रहता है। कुछ बड़े अधिग्रहणों के साथ, यह 2018-19 में लगभग 50 प्रतिशत तक बढ़ गया। इसे 2022-23 में घटाकर लगभग 36 प्रतिशत कर दिया गया है। 2023-24 के लिए 75 प्रतिशत घरेलू खरीद का महत्वाकांक्षी लक्ष्य है। हालाँकि हम अभी तक नहीं जानते कि लक्ष्य पूरा किया जा सकता है या नहीं, गति सही दिशा में है। अब तक, भारत का रक्षा निर्यात 80 से अधिक देशों को जाता है। लेकिन हम अभी भी वैश्विक हथियार निर्यात कारोबार में उतने बड़े खिलाड़ी नहीं हैं। बाज़ार पर बड़े एकाधिकार का प्रभुत्व है, जिसे महाशक्ति सरकारों का समर्थन प्राप्त है। समस्या यह है कि भारत के पास अभी तक कोई बड़ी उच्च मूल्य वाली फ्लैगशिप वस्तु नहीं है जिसे वह दुनिया भर में निर्यात करता हो। यही कारण है कि अर्जेंटीना के साथ हेलीकॉप्टर सौदा एचएएल और भारत दोनों के लिए मायने रखता है।

शूज पहनने में क्यों नहीं मिलता कंफर्ट

जानें खरीदते समय कहां गलती करते हैं आप

फुटवियर पर्सनैलिटी का अहम हिस्सा होते हैं। खासतौर पर जब आप वर्किंग हो और किसी कॉर्पोरेट ऑफिस में काम कर रहे हों। ऐसी जगहों पर कपड़ों के साथ ही शूज का भी खास रोल होता है। इसलिए हमेशा कंफर्टेबल शूज पहनने चाहिए। लेकिन बहुत सारे मर्दों की ये शिकायत रहती है कि उनका जूता कंफर्टेबल नही है। इसकी वजह है जूतों का गलत साइज और क्वालिटी। अगर आप अपने लिए एक जोड़ी जूता खरीदने जा रहे हैं तो इन बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

ना खरीद लें बड़ा साइज

कभी भी पैर से बड़े साइज का शूज नहीं खरीदना चाहिए। कई बार मर्द कंफर्ट के चक्कर में पैर से बड़े साइज का शूज खरीद लेते हैं। जिसे पहनकर चलने में तकलीफ होती है और पैरों में दर्द होने लगता है।

पैरों की फिटिंग है जरूरी

हमेशा अपनी पैरों की फिटिंग देखकर जूता खरीदें। ऐसा जूता जिसमे अंगूठे को मूव करने के लिए कम से कम 0.5 सेमी की जगह हो। इससे ज्यादा जगह वाला जूता बड़ा होगा। जिससे ना केवल पैर दुखेगा बल्कि ये एड़ी के पास से निकलने भी लगेगा।

बड़े जूते दिखेंगे भद्दे

अगर आपने पैरों से बड़े साइज का शूज पहना है तो इसमे आपके पैरों का साइज भी बड़ा दिखता है। जो कि आपकी बॉडी पर फिट नहीं बैठता है और वो भद्दा दिखता है।

जूते का सोल हो मुलायम

लेदर के शूज खरीदते समय केवल बनावट पर ध्यान ना दें। देखें कि इसका सोल कितना सॉफ्ट और कंफर्टेबल है। जिससे कि आपके पैरों को तकलीफ ना हो।

शूज खरीदें इस टाइम पर

शूज खरीदने जा रहे हैं तो शाम के वक्त ना जाएं क्योंकि शाम के वक्त आपक पैर थकान की वजह से सूजे हो सकते हैं। दिन के वक्त पैरों का साइज सामान्य होता है। ऐसे में जूते सही साइज के ले सकेंगे।

मोजे पहनकर देखें

किसी भी जूते को हमेशा मोजे के साथ पहनकर देखें कि वो सही तरीके से फिट बैठ रहा है और अनकंफर्टेबल तो नहीं फील हो रहा। जरा सी दिक्कत होने पर फौरन दूसरे पेयर को प्रीफ्रेंस दें।

किन बातों का रखें ध्यान

किस तरह के आउटफिट के साथ कैसी इयररिंग्स पहनें। इसका लोगों को कंफ्यूजन होता है। इसके बारे में आपको कुछ बातें जरूर पता होनी चाहिएं। एथनिक लुक के साथ हैवी इयररिंग्स पहनकर आप प्रभावशाली लुक के साथ किसी भी फंक्शन में शामिल हो सकते हैं। वहीं हैवी इयररिंग्स को पहनते और चेंज करते समय आपको अपने कानों का खास ध्यान रखना चाहिए। एथनिक लुक के साथ आप कुछ अलग ट्राई कर सकती हैं। आइए जानते हैं कि आप किस तरह की इयररिंग्स कैरी कर सकते हैं, जो आपके लुक को एलीगेंट बनाएंगे।

आज के दौर में हर कोई स्टाइलिश दिखना चाहता है। पहनावे के साथ ज्वेलरी और एक्सेसरीज को मैच करना एक कला है। वहीं इयररिंग्स इस खूबसूरती को बढ़ाने का काम करती हैं। वहीं केवल इयररिंग्स पहनने से आपका लुक और स्टाइलिश हो जाता है। इंडियन वियर हो या वेस्टर्न इयररिंग्स सभी पर आकर्षक लुक देते हैं। आजकल हैवी इयररिंग्स काफी ट्रेंडिंग हैं।

पहनावे के साथ एक्सेसरीज को मैच करना एक कला

वेडिंग सीजन हो या कोई फेस्टिवल, हर कोई स्टाइलिश और परफेक्ट दिखना चाहता है। अगर आप भी अपने एथनिक लुक को इयरिंग्स के साथ पूरा करना चाहते हैं तो यह आर्टिकल आपके लिए है। यहां हम आपको एथनिक लुक पर पहनने वाले कुछ इयरिंग्स के बारे में बता रहे हैं।

आज के दौर में हर कोई स्टाइलिश दिखना चाहता है। पहनावे के साथ ज्वेलरी और एक्सेसरीज को मैच करना एक कला है। वहीं इयररिंग्स इस खूबसूरती को बढ़ाने का काम करती हैं। वहीं केवल इयररिंग्स पहनने से आपका लुक और स्टाइलिश हो जाता है। इंडियन वियर हो या वेस्टर्न इयररिंग्स सभी पर आकर्षक लुक देते हैं। आजकल हैवी इयररिंग्स काफी ट्रेंडिंग हैं। आप अपने पारंपरिक परिधान के साथ हैवी इयररिंग्स को कैरी कर सकते हैं। इसके अलावा आप वेस्टर्न वियर के साथ भी आप इयररिंग्स पहन सकते हैं।

झुमका

आप अपने एथनिक लुक को झुमके के साथ पूरा कर सकती हैं। एथनिक लुक का स्टाइल बढ़ाने के लिए झुमके से बेहतर और क्या ऑप्शन होगा। बाजार में आपको अट्रैक्टिव कटवर्क डिजाइन के कई झुमके मिल जाएंगे। वहीं आपको इनमें कई कलर ऑप्शन भी मिलते हैं। इसलिए आप भी अपनी ड्रेस के हिसाब से झुमके को कैरी कर सकते हैं।

यूनिक इयरिंग्स

अगर आप एलिगेंस पसंद करने के साथ अपने लुक को सिंपल रखना चाहते हैं तो यूनिक इयरिंग्स भी आपके लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। ये झुमके आपके लुक को पूरा करते हैं। इयरिंग्स में लगे स्टोन्स को कपड़े के रंग के मुताबिक मैच करने से आपका लुक खूबसूरत लगेगा। इन इयरिंग्स को आप साड़ी, सलवार कमीज और लहंगे के साथ कैरी कर सकती हैं।

चैन स्टाइल इयररिंग्स

आजकल चैन वाली झुमकी को काफी पसंद किया जा रहा है। इस तरह की इयरिंग्स को आप साड़ी, सलवार कमीज और लहंगे के साथ कैरी कर सकती हैं। चैन वाली इयरिंग्स पहनने से आपका लुक बेहद यूनीक नजर आएगा। चैन वाली इयरिंग्स से बालों की भी शूबसूरती बढ़ती है।

लांग इयरिंग्स

ब्यूटीफुल और यूनीक स्टाइल के साथ आप लांग इयरिंग्स को भी कैरी कर सकती हैं। इनमें शानदार डिटेलिंग आपके लुक को पूरा करती है। आपको बता दें कि इन इयरिंग्स को शादी या फेस्टविल पर भी कैरी कर सकती हैं। इसके अलावा यह इयरिंग्स आपको यूनिक लुक देते हैं। साथ ही इन्हें पहनकर आप कंफर्टेबल भी रह सकती हैं। इन इयरिंग्स में भी आपको कई वैरायटी मिलती हैं।

छोटे इयरिंग्स

आजकल छोटे इयरिंग्स भी काफी ट्रेंडिंग हैं। आप इस इयरिंग को किसी भी ड्रेस यानि की एथनिक और वेस्टर्न दोनों पर कैरी कर सकते हैं। बता दें कि इन इयरिंग्स में सिल्वर और गोल्डन कलर के कांबिनेशन को काफी पसंद किया जाता है। वहीं इन्हें पहनने से आपके कानों को भी ज्यादा दर्द नहीं होता है। साथ ही यह आपको एलीगेंट लुक देते हैं।

तेज धूप में पैरों का बदल गया रंग? ये घरेलू नुस्खे दूर कर देंगे टेंशन

गर्मी के मौसम में ज्यादातर लोग खुले फुटवियर पहनना पसंद करते हैं। ऐसे में पैरों में पड़ने वाली तेज धूप से कई बार पैरों का रंग बदरंग हो जाता है। कई बार स्लीपर्स की डिजाइन तक पैरों में छपी दिखती है। ऐसे में पैरों को तेज धूप से बचाना बेहद जरूरी है। इसके लिए आप पैरों में भी सनस्क्रीन जरूर लगाएं। हो सकते तो स्टॉकिंग्स पहनें। क्योंकि अगर आपके पैर साफ-सुथरे नहीं है तो आप पूरी तरह से ग्रूम्ड नहीं लगेंगे। अगर बहुत कोशिशों के बाद भी पैरों में टैनिंग हो जा रही है तो यहां बताए गए कुछ आसान नुस्खे ट्राई कर सकती हैं।

ब्लीच

वैसे केमिकल ब्लीच से जितना बचा जाए उतना ठीक है लेकिन किसी खास ओकेजन से पहले आप ब्लीच लगाकर देख सकती हैं। पहले से करने से पता चल जाएगा कि इसका कितना असर होता है। हालांकि बार-बार ब्लीच करने से बेहतर है घरेलू तरीके अपनाएं।

गर्मी में स्किन के लिए बेस्ट हैं ये घरेलू फेसपैक, टैनिंग हटाकर देंगे ग्लो

बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडा लगभगग हर घर में पाया जाता है। इसे बेस्ट होम रेमेडी माना जाता है। आपको बस पानी में बेकिंग सोडा मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बनाना है। इसके बाद इसको लगाकर कुछ देर छोड़ना है और स्क्रब करके हटा लेना है। इसके बाद ठंडे पानी से धो लें। आप हफ्ते में दो बार ये पेस्ट लगा सकती हैं। आप पानी में बेकिंग सोडा घोलकर करीब 20 मिनट इनमें पैर डालकर भी बैठ सकते हैं।

आलू

आलू को घिसकर इसका रस निकाल लें। इस जूस को पैरों पर लगाएं। 10 से 15 मिनट लगा रहने के बाद इसे पानी से धो दें।

नारियल का तेल

पैरों पर नारियल का तेल लगाएं। 15 मिनट बाद धो गुनगुने पानी से धो दें। आप हफ्ते में दो-तीन बार यह प्रक्रिया दोहरा सकते हैं।

नींबू

नींबू को नैचुरल ब्लीच माना जाता है। आधा नींबू काटकर इस पर हल्दी लगाकर पैरों पर मलें।

16 श्रृंगार में इन चूड़ियों का खास महत्व

सेहत को भी होते हैं जबरदस्त फायदे

महिलाओं के हाथ में चूड़ी जितनी खूबसूरत लगती है। इसके फायदे जानकर आप को हैरानी भी उतनी ही होगी। सुहागिन महिलाओं के लिए चूड़ियों का खास महत्व है। कांच की चूड़ी हो या फिर सोने-चांदी की, 16 श्रृंगार में इन चूड़ियों का खास महत्व है। आदिमानवों के काल से ही महिलाएं सुंदरता को बढ़ाने के लिए चूड़ियों को पहनती आ रही हैं। ये केवल एक ज्वैलरी ही नहीं बल्कि इसे पहनने से महिलाओं की बॉडी पर भी गहरा असर होता है।

चूड़ी के मेटल से पड़ता है फर्क

हालांकि चूड़ी किस धातु की बनी है, इसका भी संबंध सेहत से जुड़ा है। सोने और चांदी से बनी चूड़ी का असर पहनने वाली स्त्री और आसपास के वातावरण पर गहरा असर होता है। साथ ही चूड़ी पहनने का वैज्ञानिक कारण भी हैं।

चूड़ी पहनने से सेहत को कौन

से होते हैं फायदे

पुराने समय में सोने-चांदी की चूड़ी पहनी जाती थी। सोने और चांदी के संपर्क में शरीर रहने से इन धातुओं के गुण शरीर को मिलने लगते हैं। जिससे महिलाओं को शक्ति मिलती है।

आयुर्वेद के अनुसार सोने-चांदी की चूड़ी पहनने से शरीर से घर्षण होता है। जिससे शरीर को बल मिलता है। इससे महिलाओं को स्वास्थ्य लाभ भी मिलता है।

कांच की चूड़ियां भी करती हैं असर

कांच की चूड़ियों को पहनने से भी फायदे होते हैं। कांच की चूड़ियों की खनक से घर की नकारात्मक ऊर्जा खत्म होती है। वहीं धार्मिक मान्यता के अनुसार कांच की चूड़ियों को सौभाग्य का प्रतीक माना गया है।

चूड़ी पहनने के वैज्ञानिक फायदे

कलाई से लेकर करीब 6 इंच तक कई सारे एक्यूप्रेशर प्वॉइंट होते हैं। जिन पर दबाव पड़ने से शरीर की थकान नष्ट होती है और एनर्जी बनी रहती है। चूड़ी पहनने से इन 6 प्वॉइंट पर प्रेशर पड़ता है। जिससे दिल और सांस की बीमारी नहीं होती है।

[भविष्यफल]

मेष

आज आपका दिन सामान्य रहेगा लेकिन अनमना सा महसूस करेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेश के सुखद परिणाम आएंगे।

वृष

दूसरों से अपेक्षा पूर्ण नहीं होने से खिन्नता रहेगी। कार्य में विलंब होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। व्यस्तता रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है।

मिथुन

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ रहेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। निवेश शुभ रहेगा। आय होगी। प्रमाद न करें। पुराने शत्रु परेशान कर सकते हैं। थकान व कमजोरी रह सकती है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता

कर्क

धनार्जन होगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। कारोबार में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। नए व्यापारिक अनुबंध होंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। शत्रु परास्त होंगे।

सिंह

पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबार अच्छा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्नता रहेंगे। भाइयों का सहयोग मिलेगा।

कन्या

धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आय में निश्चितता होगी। ऐश्वर्य पर व्यय होगा। वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में सावधानी रखें, विशेषकर स्त्रियां रसोई में ध्यान रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

तुला

सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। स्त्री पक्ष से लाभ होगा। अज्ञात भय रहेगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। शत्रु परास्त होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे।

वृश्चिक

आय में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। कोई बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें। चोट व रोग से बचें। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

धनु

पुराना रोग उभर सकता है। भागदौड़ रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। किसी गलती का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। जल्दबाजी व लापरवाही न करें। अज्ञात भय

मकर

वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कोई आवश्यक समाचार मिल सकता है। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद होने से बचें। व्यर्थ भागदौड़ होगी। कार्य में विलंब होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। आय में निश्चितता रहेगी।

कुंभ

पराक्रम बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। चोट व रोग से बचें। सुख के साधन जुटेंगे। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मीन

आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विवेक से कार्य करें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा। प्रमाद न करें। शुभ समाचार प्राप्त होंगे।

गर्मियों में झाइयों, कील मुहांसों से बचने के घरेलू उपाय

कील, मुहांसे, फुंसिया, झाइयां, टैनिंग और बेजान त्वचा से गर्मियों में आमतौर पर सभी महिलाएं परेशान रहती हैं। इसका मुख्य कारण तेज धुप , गर्म हवाएं और प्रदूषण माना जाता है ।चेहरे पर झाइयों का हो जाना एक सामान्य समस्या है । झाइयों के होने के कई कारण हो सकते हैं । गर्मियों में सूर्य की तेज किरणों , प्रदूषण , संक्रमण चेहरे का असली निखार छीन लेते हैं ।

त्वचा संबंधी कई सारी परेशानियां अक्सर हमारी खूबसूरती को कम देती हैं। कील.मुहांसों से लेकर दाग.धब्बे और झाइयां तक सभी हमारे चेहरे का निखार छीन लेते हैं। ऐसे में लोग इन समस्याओं से निजात पाने और अपनी खूबसूरती बनाएं रखने के लिए कई सारे ब्यूटी ट्रीटमेंट्स और प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन रासायनिक तत्वों वाले इन उत्पादों और ट्रीटमेंट्स से कई बार साइड इफेक्ट का खतरा बना रहता है। इतना ही नहीं इन प्रोडक्ट्स और ट्रीटमेंट का असर कुछ समय बाद खत्म होने लगता हैए जिसकी वजह से फिर वही समस्याएं होने लगती हैं। अगर आप भी चेहरे की झाइयां और दाग.धब्बों से परेशान हैंए तो इन घरेलू नुस्खों की मदद से आप इससे छुटकारा पा सकते हैं।

सनबर्न, पोषण की कमी, तनाव और कुछ दवाओं का प्रयोग चेहरे पर झाइयों का कारण बन सकता है। इससे सही पोषण, पर्याप्त नींद और सही स्किन केयर आजमा कर निपटा जा सकता है। त्वचा की क्लींजिंग के लिए स्क्रब के इस्तेमाल से डेड स्किन सेल्स अपने आप निकल जाते हैं। मास्क और स्क्रब पिगमेंटेशन कम कर सकते हैं। धीरे.धीरे गहरे दाग हल्के होते चले जाते हैं। लेकिन दाग, धब्बे ख़तम होने के बाद भी सनस्क्रीन को लगाते रहना चाहिए।

हार्मोनल असंतुलन की वजह से अधिकतर महिलाओं को प्रेगनेंसी के बाद पिगमेंटेशन से होकर गुज़रना पड़ता है। वहीं घर से बाहर निकलते ही सूर्य की किरणों के सम्पर्क में ज्यादा देर तक रहने से झाइंया और दाग, धब्बे और गहरे होते जाते हैं। सूर्य की तेज किरणें चेहरे की कोशिकाओं को नुकसान करने का काम करती है।शरीर में पोषक तत्वों की कमी के कारण ये दाग उभरने लगते हैं।चेहरे पर केमिकल युक्त सौन्दर्य प्रसाधनों का अधिक मात्रा में इस्तेमाल करना भी हानिकारक साबित हो सकता है। ज्यादा तनाव और सोचने के कारण दाग उभरने लगते हैं।

1 विटामिन सी सीरम करें अप्लाई. एंटी ऑक्सीडेंटस से भरपूर विटामिन सी सीरम की बूंदों को चेहरे पर नियमित तौर पर लगाएं। ये त्वचा पर सुरक्षा कवच का काम करता है। इससे न केवल झाइयां गहरी होने से बचती हैं बल्कि त्वचा को मुलायम और आकर्षक भी बनाती हैं।

विटामिन सी त्वचा में कोलेजन बनाता है। दरअसलए इस सीरम की मदद से टायरोसिनेस नाम के एंजाइम के उत्पादन को रोका जा सकता है, जो मेलेनिन को बढ़ाकर हाइपरपिग्मेंटेशन का कारण साबित होता है। इसे अप्लाई करने से चेहरे की रंगत में भी बदलाव नज़र आने लगता है।

2 सनस्क्रीन का इस्तेमाल न भूलें... सनस्क्रीन हमें अल्ट्रा वायलेट किरणों से बचाने का काम करती है। इससे मेलानिन का उत्पादन अपने आप कम या धीमा हो जाता है। ब्रॉड स्पेक्ट्रम, एसपीएफ 30 या उससे ज्यादा सनस्क्रीन का प्रयोग करें। इसके अलावा कड़कती धूप में बाहर निकलने से बचें। सुबह 10 बजे से लेकर दोपहर 2 बजे तक बाहर निकलने से बचें।

बाहर जाने से पहले गॉगल्स, स्कार्फ या हैट। टोपी पहनकर बाहर जाएं।

3 क्लींज़र करें प्रयोग ठन्डे दूध में 1 चमच्च ऑलिव ऑयल मिलाएं। उसके बाद इसमें सूरजमुखी तेल की कुछ बूंदे डालें। अब इस मिश्रण को कॉटन की मदद से इसे त्वचा पर अप्लाई करें। इसे नियमित तौर पर लगाने से चेहरे पर निखार आने लगता है।

यह जरूरी है कि आप नियमित और सही स्किन केयर फॉलो करें। ताकि पिगमेंटेशन से बचा जा सके। पर अगर किसी भी कारण से आपके चेहरे पर झाइयां दिखने लगी हैं, तो उनके लिए यहां कुछ घरेलू उपाय दिए गए हैं।

झाइयों से छुटकारा पाने के घरेलू उपाय

1 जायफल- एक चम्मच जायफल के पाउडर में आधा चम्मच तेल मिलाकर कुछ देर तक चेहरे पर स्क्रबिंग करें। हल्के हाथों से मसाज करने से झाइयां हल्की होने लगती है।

2 नींबू और शहद एंटी ऑक्सीडेंटस और विटामिन सी से भरपूर नींबू का रस मेलानिन के प्रभाव को कम करता है। इसके लिए नींबू के रस में शहद मिलाकर लगाने से चेहरे पर बनने वाले दाग धीरे धीरे कम होने लगते हैं।

3 आलू को रगड़ें आलू को धोकर गोल स्लाइज़ में काट लें। चेहरे पर दिखने वाली झाइयों पर उन्हें रगड़े। इससे दाग हल्के होने लगेंगे। इसके अलावा आलू को पतले स्लाइज़ में काटकर 5 से 7 मिनट के लिए खीरे की तरह ही चेहरे पर टिके रहने दें। उसके बाद सामान्य पानी से धो लें।

संक्षिप्त समाचार

मंत्री मरकाम ने मंत्रालय में अधिकारियों से विभागीय काम-काज की ली जानकारी

रायपुर। आदिम जाति विकास, अनुसूचित

जाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास मंत्री श्री मोहन मरकाम ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में विभागीय अधिकारियों से काम-काज के संबंध में विस्तार से चर्चा की। इस मौके पर विभागीय सचिव श्री डी.डी. सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

आयुष पाण्डेय कांग्रेस के सोशल मीडिया के राष्ट्रीय कोर्डिनेटर बनाये गये

रायपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा

कांग्रेस के सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफार्म के पदाधिकारियों की नियुक्ति की गयी है। जिसमें रायपुर के आयुष पाण्डेय को राष्ट्रीय कोर्डिनेटर की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। आयुष पाण्डेय इसके पहले सोशल मीडिया के राष्ट्रीय सह समन्वयक थे तथा छत्तीसगढ़ में कांग्रेस पार्टी के प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रमुख अंग है।

जेएसपी के प्रेसिडेंट प्रदीप टंडन ने मुख्यमंत्री बघेल को भेंट किया तिरंगा

रायपुर। जाने-माने उद्योगपति और जिन्दल स्टील एंड पावर (जेएसपी) के चेयरमैन श्री नवीन जिन्दल के नेतृत्व वाले फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया ने अपनी वेबसाइट के माध्यम से प्रत्येक देशवासी के मन में राष्ट्रप्रेम की भावना जगाने के लिए जो शपथ अभियान शुरू किया है, उसके प्रति छत्तीसगढ़ में भी उत्साह दिखने लगा है। इस सिलसिले में जेएसपी के प्रेसिडेंट श्री प्रदीप टंडन ने आज छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल से मुलाकात कर उन्हें सम्मान स्वरूप राष्ट्रीय ध्वज भेंट किया। श्री टंडन ने श्री बघेल को बताया कि फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष श्री नवीन जिन्दल जी ने स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में एक खास अभियान चला रखा है, जिसमें प्रत्येक नागरिक को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान में राष्ट्रसेवा की शपथ लेनी है। इस शपथ के लिए लोगों को फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया की वेबसाइट पर जाकर एक लिंक क्लिक करना है, जिसमें शपथ लेने के बाद एक प्रमाणपत्र भी शपथकर्ता को प्रदान किया जाता है। श्री प्रदीप टंडन ने मुख्यमंत्री को फ्लैग फाउंडेशन ऑफ़ इंडिया के कार्य और उद्देश्यों के बारे में भी बताया और मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि इस मुहिम को आगे बढ़ाया जाए।

सुब्रत को लोक निर्माण विभाग, भुवनेश को आयुक्त निःशक्तजन का अतिरिक्त प्रभार

रायपुर। राज्य शासन ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के तीन अधिकारियों को उनके वर्तमान कर्तव्यों के साथ-साथ अतिरिक्त प्रभार का दायित्व सौंपा है। उक्त आदेश सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह के हस्ताक्षर से जारी हुआ। राज्य शासन द्वारा जारी आदेश के मुताबिक सुब्रत साहू, भा.प्र.से. (1992) अपर मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री तथा अतिरिक्त प्रभार अपर मुख्य सचिव इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग (रेल लाईन प्रोजेक्ट्स) तथा अध्यक्ष छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, विकास आयुक्त एवं महानिदेशक, ठा. प्यारेलाल ग्रामीण विकास संस्थान (एसआईआरडी), रायपुर को उनके वर्तमान कर्तव्यों के साथ-साथ अपर मुख्य सचिव, लोक निर्माण विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। श्री भुवनेश यादव, भा.प्र.से. (2006) सचिव, लोक निर्माण विभाग तथा सचिव, महिला एवं बाल विकास तथा आयुक्त, निःशक्तजन एवं सचिव, वाणिज्य एवं उद्योग तथा सार्वजनिक उपक्रम विभाग को अस्थायी रूप से आगामी आदेश पर्यन्त सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग के पद पर पदस्थ करते हुए सचिव, वाणिज्य एवं उद्योग तथा सार्वजनिक उपक्रम विभाग एवं आयुक्त, निःशक्तजन का अतिरिक्त प्रभार सौंपता है।

मेरे चेहरे की चमक का राज प्रदेश की 3 करोड़ जनता की दुआ है : बघेल

बहतराई स्टेडियम में युवाओं से भेंट-मुलाकात, छत्तीसगढ़ के मुखिया युवाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने को है तैयार

बिलासपुर। रायगढ़ से आए युवा संग्राम ने मुख्यमंत्री से पूछा- आपकी चेहरे की चमक का राज क्या है ? इस पर हसंकर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा कि यह छत्तीसगढ़ की 3 करोड़ जनता की दुआ से है। रायगढ़ से आए नवीन दुबे ने कला संस्कृति पर अपने विचार रखे। नवीन ने कहा कि गुरु घासीदास, शहीद वीर नारायण सिंह जैसे महान विभूति हुए। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ का नारा दिया। प्रदेश के मुखिया युवाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने को तैयार है। जहां मिलेट जैसे मोटे अनाज की फसल लहलहा रही है। उन्होंने शासन की विभिन्न योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि प्रत्येक क्षेत्र में हमारा छत्तीसगढ़ नया आयाम छू रहा है। छत्तीसगढिया ओलंपिक के माध्यम से परंपरागत खेल आगे बढ़ रहा है। अपने सपनों का छत्तीसगढ़ प्राप्त करने के लिए हम युवा भी योगदान दें। उसने कहा- सभी मिलकर संकल्प करते हैं,

बात है अभिमान के छत्तीसगढिया स्वाभिमान के।

बहतराई इंडोर स्टेडियम में मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के भेंट-मुलाकात युवाओं के साथ कार्यक्रम में सपनों का नया छत्तीसगढ़ कैसा हो ? विषय पर कोरबा जिले से आई युवा कविता शर्मा ने अपनी अभिव्यक्ति की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ महतारी के भूमि में मैंने जन्म लिया है। हम सुआ ददरिया आदि नृत्य करते हैं। हम बोरे बासी जैसे पारंपरिक व्यंजनों का सेवन करते हैं। राज्य में रूरल इंडस्ट्रियल पार्क, राजीव गांधी किसान न्याय योजना, गोधन न्याय योजना, मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान, महतारी जतन, राम वन गमन पथ के साथ ही साथ अनेक हितकारी योजनाएं संचालित किए जा रहे हैं। जिससे राज्य विकास के पथ में आगे बढ़ रहा है।

सारंगढ़ से आई युवती ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सर्व-धर्म, समभाव की भावना है। जो राष्ट्रीय एकता की महत्वपूर्ण कड़ी है। यहां अनेक महान विभूतियों ने जन्म लिया। छत्तीसगढ़ की संस्कृति को कका ने आगे बढ़ाया है। हम युवा छत्तीसगढ़ की आन-बान-शान हैं। हम युवा छत्तीसगढ़ का गौरव हैं। मुख्यमंत्री ने विभिन्न वर्गों के विकास के लिए बहुत सी योजनाएं बनाई हैं। हम युवाओं को इनके दिखाए रास्तों में चलना है, सपनों का राज्य बनाना है। साइंस कॉलेज बिलासपुर के छात्र प्रियांशु दुबे ने राज्य के विकास के लिए मुख्यमंत्री द्वारा लाए गए योजनाओं को अपने भाषण के माध्यम से प्रस्तुत किया। युवा नवा छत्तीसगढ़ गढ़ सकते हैं। छत्तीसगढ़ की माटी की खुशबू राज्य को विश्व में अलग पहचान देती है। छत्तीसगढ़ के युवा हर समस्या का हल ढूंढ निकालेंगे। मुख्यमंत्री का साथ युवाओं के साथ है।

किस्सा तब का जब कलेक्टर थे अजीत जोगी और सीएम बघेल थे स्टूडेंट

युवाओं से भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान बिलासपुर जिले के बहतराई स्टेडियम में शक्ति के हसौद महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्रा दर्शनी रात्रे ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से कहा कि कालेज स्टूडेंट हूं, सभी के कॉलेज जीवन में कुछ न कुछ किस्सा होता है, तब दर्शनी ने मुख्यमंत्री से उनके कॉलेज जीवन से जुड़ा किस्सा पूछा। मुख्यमंत्री ने बताया कि हम लोग साइंस कॉलेज में मैथ्स लेकर पढ़े, एक बार हॉस्टल में पंखा नहीं था, हमने तीनों हॉस्टल में पंखा लगाने की मांग लेकर प्रदर्शन किया, अजीत जोगी जी उस समय कलेक्टर थे, वो आए और हमारी बात सुनी और इस तरह 8 दिनों में हमारी मांग पूरी हो गई। जांजगीर-चांपा जिले की युवा भारती देवांगन ने कहा कि मैं बीएससी फाइनल की छात्रा हूं। उसने मुख्यमंत्री से कहा कि आपने छात्राओं की शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उसने बताया कि कन्या महाविद्यालय जांजगीर का एक मात्र विद्यालय है, यहां कमरो की कमी है। मुख्यमंत्री ने छात्रों की संख्या और कमरे की जानकारी ली और कलेक्टर को 4 और कमरे बनाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि जल्द ही फिजिक्स और जूलॉजी का सत्र शुरू होगा।

जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ ने किया खनिज विभाग का घेराव

■ **कहा- मोदी देश बेच रहे और भूपेश प्रदेश, हीरा-सोना की खदानों को बेचने की साजिश**

रायपुर। अजीत जोगी युवा मोर्चा ने तेलीबांधा रिंग रोड स्थित खनिज विभाग का घेराव किया। इस दौरान खनिज विभाग में कोयला और नकली नोट को फेंककर विरोध जताया। राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस मौके पर पुलिस और जोगी कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच जमकर झूमाझटकी हुई। इसमें कई जोगी कांग्रेस नेता घायल भी हो गए।

इस दौरान अजीत जोगी युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप साहू ने आरोप लगाते हुए कहा कि जिस तरह से राज्य में शराब घोटाला और कोल घोटाला हुआ है, वैसे ही छत्तीसगढ़ में हीरा और सोना घोटाला की बड़ी तैयारी चल रही है। छत्तीसगढ़ की खनिज संपदा बहुमूल्य हीरा और सोना की खदानों को

विदेश कंपनियों को बेचने की तैयारी हो रही है। आरोप लगाया कि जैसे केंद्र की मोदी सरकार देश को बेच रही है, वैसे ही भूपेश सरकार छत्तीसगढ़ को बेचना चाहती है। बाहरी हाथों में हीरा और सोना खदान का खनन कार्य देकर अमीर धरती को गरीब बनाना चाहती है। उन्होंने कहा जान दे देंगे पर छत्तीसगढ़ का रत्ती भर हीरा और सोना बाहर जाने नहीं देंगे। पहले लड़े थे, छत्तीसगढ़ को बनाने के लिए अब लड़ेंगे छत्तीसगढ़ को बचाने के लिए।

जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ के जिला अध्यक्ष संदीप यदु ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने 3000 हेक्टेयर में फैले बसना हीरा खदान और महासमुंद और कांकेर में दो सोना खदानों के लिए एक सोची समझी साजिश के तहत 6 जुलाई को ई-टेंडर निकाली है। राज्य को लूटने की जल्दबाजी में वर्तमान राज्य सरकार ने एड़ी चोटी का जोर लगाकर ये टेंडर निकाला है, जिसका हर स्तर में जोगी कांग्रेस विरोध और आंदोलन करेगी। अजीत जोगी छात्र संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रवि चंद्रवंशी और अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष और सतनामी समाज के जगतगुरु मनहरण दास ने कहा पिछले साढ़े चार साल में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनकी सरकार ने छत्तीसगढ़ को लूटने में कोई कसर नहीं छोड़ी है और अब अपने कार्यकाल के अंतिम 3 महीनों में भी यह सरकार छत्तीसगढ़ का हीरा और सोना भी लूटकर ले जाना चाहती है।

बढ़ते अपराध पर अंकुश लगाने आउटर कालोनियों में पुलिस ने दी दबिश

रायपुर। रायपुर की आउटर कालोनियों में उस वक्त हड़कंप मच गया जब पुलिस ने मंगलवार सुबह टीकरापारा थाना इलाके की बोरिया के आरडीए और बीएसपी कालोनियों और देवपुरी हाउसिंग बोर्ड कालोनी समेत ईरानी डेरा और भाटागांव बस स्टैंड समेत डीडी नगर की कई कालोनियों में अचानक छापा मारा। इस दौरान कई स्थायी और गिरफ्तारी वारंटियों समेत थानों के निगरानी बदमाश को हिरासत में लेकर थाने पहुंचे। पुलिस की इस सरप्राइज चेकिंग में 6 सीएसपी और 12 थानेदारों के साथ बड़ी संख्या में जवान शामिल थे। बताया जा रहा है कि इस सरप्राइज चेकिंग के तहत सभी थानों में 100 से ज्यादा वारंटी, निगरानी बदमाशों को गिरफ्तार किया गया।

कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ में लोकसभावार ऑब्जर्वर किया नियुक्त

■ **केसी वेणुगोपाल ने जारी किया आदेश**

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने चुनावी तैयारी तेज कर दी है। छत्तीसगढ़ में प्रदेश कांग्रेस ऑब्जर्वर की नियुक्ति के बाद राज्य के सभी 11 लोकसभा सीटों में भी ऑब्जर्वर नियुक्त किये गए हैं। ये सभी ऑब्जर्वर अपने अपने लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विधानसभा सीटों में चुनाव की तैयारियों, चुनाव प्रचार, विस सीट पर पार्टी की स्थिति पर नजर रखेंगे। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के जनरल सेक्रेटरी केसी वेणुगोपाल द्वारा इसके आदेश जारी किये गये हैं।

प्रदेश में लोकसभावार ऑब्जर्वर की सूची

पेंटारामा तलांडी- बस्तर। डॉ. अजय उपाध्याय- बिलासपुर। इन्द्रदत्त लखनपाल- विधायक दुर्ग। सुरेश कुमार- विधायक जांजगीर-चांपा। डॉ.

नामदेव उसेंडी- कांकेरद्ध। जयशंकर पाठक- कोरबा। मनमोहन कटोच- महासमुंद। जयवीर वाल्मिकी- विधायक रायगढ़। बाबा सिद्दीकी- रायपुर। चन्द्र शेखर-विधायक राजनंदगांव। अमित कुमार टुन्ना- सरगुजा।

सीनियर ऑब्जर्वर और ऑब्जर्वर की नियुक्ति

11 लोकसभा सीटों में ऑब्जर्वर की नियुक्ति से एक दिन पहले ही कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए सीनियर ऑब्जर्वर और ऑब्जर्वर की नियुक्ति की थी। इसमें छत्तीसगढ़ के लिए प्रीतम सिंह सीनियर ऑब्जर्वर और मीनाक्षी नटराजन को ऑब्जर्वर बनाया गया है।

प्रदेश कांग्रेस में बदलाव का दौरा जारी

छत्तीसगढ़ कांग्रेस में बड़े स्तर पर बदलाव की प्रकिया जारी है। सबसे पहले प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव को उप मुख्यमंत्री नियुक्त किया गया। जिसके बाद बस्तर सांसद दीपक बैज को छत्तीसगढ़ पीसीसी चीफ की जिम्मेदारी सौपी गई। वहीं पूर्व पीसीसी चीफ मोहन मरकाम को भूपेश सरकार में बतौर कैबिनेट मंत्री शामिल किया गया। कुछ दिनों पहले ही केसी वेणुगोपाल ने 22 सदस्यीय प्रदेश चुनाव समिति की घोषणा भी की थी। जिसमें पीसीसी चीफ दीपक बैज को चुनाव समिति का चेयरमैन बनाया गया है। दीपक बैज पूरे चुनाव की जिम्मेदारी संभालेंगे। चुनाव समिति में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत, उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव सहित आठ मंत्रियों को शामिल किया गया है।

अनिश्चितकालीन हड़ताल पर गए जूनियर डॉक्टर्स

हफ्तेभर काली पट्टी बांधकर किया था इलाज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के जूनियर डॉक्टर्स मंगलवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। हड़ताल के दौरान डॉक्टर्स ने ओपीडी में काम बंद कर दिया है। मानसून में आई फ्लू, डेंगू के फैलाव के बीच डॉक्टर्स की हड़ताल से प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा जाएगी। पिछले एक हफ्ते से जूनियर डॉक्टर्स काली पट्टी बांधकर अस्पतालों में अपनी सेवाएं दे रहे थे।

जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर पिछले कई महीनों से नाराज चल रहा है। जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन का कहना है कि दूसरे प्रदेशों में जूनियर डॉक्टर्स को 90000 रुपये तक स्टाइपेंड दिया जाता है। लेकिन छत्तीसगढ़ में 50000 से 55000 मानदेय दिया जा रहा है। दूसरे प्रदेशों में 4 साल का बॉन्ड भी नहीं भरवाया जाता जबकि छत्तीसगढ़ में बॉन्ड भरवाया जा रहा है।

कहां कहां के जूनियर डॉक्टर्स कर रहे हड़ताल- प्रदेशस्तरीय जूनियर डॉक्टर्स की हड़ताल में सरगुजा, कांकेर, जगदलपुर, रायगढ़, राजनांदगांव के मेडिकल कॉलेज के जूनियर डॉक्टर्स ने काम बंद कर दिया है। जिससे पूरे प्रदेश के अस्पतालों में मरीज इलाज के लिए भटकते रहेंगे। जूनियर डॉक्टर्स हफ्तेभर से काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे। उन्होंने 1 अगस्त से काम बंद कर अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी दी थी। जनवरी में भी जूनियर डॉक्टरों ने हड़ताल की थी और स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव को ज्ञापन सौंपा था। 7 महीने बीतने के बाद भी उनकी मांगे पूरी नहीं होने पर जूनियर डॉक्टर्स एक बार फिर अनिश्चितकालीन हड़ताल कर सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

भाजपा और कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव से पहले कसी कमर, किस दल की तैयारी है बेहतर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में चुनाव अब सिर पर हैं। ऐसे में राजनीतिक दल तैयारियों में जुटे हैं। छत्तीसगढ़ में हर बार सीधी टक्कर भाजपा और कांग्रेस के बीच ही होती है। लेकिन आगामी चुनाव में जिस तरह से तीसरा मोर्चा तैयारी कर रहा है। उसे देखकर ऐसा लगता है कि किसी भी दल के लिए चुनाव में जीत की भविष्यवाणी करना आसान नहीं है। लिहाजा भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दल अपनी टीम को मजबूत करने में जुटे हैं। बात यदि भाजपा की करें तो पार्टी अपने कार्यकर्ताओं को चार्ज करने के लिए माइक्रो लेवल पर तैयारी कर रही है। कैडर बेस पार्टी होने के कारण बीजेपी का संगठन चुनाव की तैयारी कई महीनों पहले से ही कर रही है। कांग्रेस पिछले पौने पांच साल के अपने कामों की उपलब्धियों को लेकर जनता के बीच जा रही है।

माइक्रोलेवल पर भाजपा कर रही चुनाव की तैयारी- छत्तीसगढ़ में केंद्रीय मंत्री के दौरे और पीएम मोदी की सभा के बाद पार्टी पहले से ज्यादा एक्टिव हुई है। कार्यकर्ताओं को बूथ लेवल से लेकर क्षेत्रीय स्तर पर जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।चुनाव से पहले कम समय में हर एक मतदाता तक पहुंचने का दावा बीजेपी कर रही है। विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर दोनों ही पार्टियां वोटरों को साधने के लिए एड़ी चोटी की मेहनत कर रही है।।रायपुर के बीजेपी जिलाध्यक्ष जयंती पटेली माने तो हर एक कार्यकर्ता को उसकी जिम्मेदारी सौंप दी गई है।

भाजपा जिलाध्यक्ष जयंती पटेल ने कहा वर्तमान में चुनाव की दृष्टि से अब लंबे समय से जो संगठन काम करते हुए आ रहे हैं उन कामों का पुनर्परीक्षण हो रहा है। कार्यकर्ताओं को कहा गया है कि जिन्हें जो क्षेत्र कार्य के लिए दिए गए हैं, उन्हें अपना ही क्षेत्र देखना है । उसी क्षेत्र में काम करना है। हर कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्र में काम कर रहा है। चुनाव की दृष्टि से कांग्रेस पार्टी भारतीय जनता पार्टी के कामों को देखकर पीछे-पीछे अपने कामों को खड़ा करने की कोशिश कर रही है।लेकिन भाजपा एक दिन का काम नहीं करती भारतीय जनता पार्टी सालों काम करती है, कांग्रेस वाले चुनाव आने पर अपना काम शुरू किए हैं। लेकिन जिस पार्टी के पास कार्यकर्ताओं की फौज होगी वही पार्टी इन सब कामों को कर सकती है। कांग्रेस पार्टी के बस की बात यह नहीं है।

माइक्रो लेवल पर समाज प्रमुखों से मुलाकात- आपको बता दें कि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल छत्तीसगढ़ में फिर से बीजेपी की सरकार बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। ऐसा पहली बार है कि जब क्षेत्रीय संगठन मंत्री

माइक्रो लेवल में जाकर समाज प्रमुखों से मुलाकात कर रहे हैं। अब तक अजय जामवाल छत्तीसगढ़ के 90 विधानसभा का दौरा कर चुके हैं। अब वे गांव से लेकर शहर के हर समाज प्रमुखों से मुलाकात कर रहे हैं। लोगों की समस्याएं और उनके सुझाव भी लिए जा रहे हैं। साथ ही छत्तीसगढ़ में फिर से बीजेपी की सरकार बनाने की अपील भी कर रहे हैं।

कांग्रेस ने भी चुनाव को लेकर कसी कमर- वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस ने भी चुनाव से पहले अपनी कमर कस ली है। छत्तीसगढ़ सरकार ने जो भी पांच साल में काम किए उन कामों को लेकर कांग्रेस जनता के बीच जा रही है।सीएम भूपेश बघेल ने भेंट मुलाकात कार्यक्रम के जरिए 90 विधानसभा का दौरा किया।इस दौरे में सीएम भूपेश सीधा जनता जनार्दन से मिले।जहां जो भी कमीं दिखी उसे पूरा किया। विकास कार्यों की सौगात क्षेत्रवासियों को दी।साथ ही साथ काम ना करने वाले अफसर और कर्मचारियों को मौके पर ही सबक सिखाया।इन सभी चीजों का जनता पर गहरा प्रभाव पड़ा।

संकल्प शिविर के माध्यम से जनता तक पहुंच- वहीं अब एक कदम आगे जाकर कांग्रेस भी सम्मेलनों के जरिए पहले अपने कार्यकर्ताओं को चार्ज कर रही है।कांग्रेस पार्टी के नेता और कार्यकर्ता अब संकल्प शिविरों के जरिए जनता के बीच जा रहे हैं। हर वर्ग से मुलाकात कर रहे हैं। सामाजिक संगठनों से भी राय ली जा रही है। इस दौरान सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जन जन तक पहुंचाई जा रही है।कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने बीजेपी की तैयारियों को लेकर भी हमला बोला है।

कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा भारतीय जनता पार्टी के पास झूठ बोलने और प्रोपेगेंडा करने के अलावा कोई काम नहीं है। कांग्रेस पार्टी झूठ नहीं बोलती है। जनता का काम करती है। भारतीय जनता पार्टी इस गुमान में नहीं रहे कि कांग्रेस उनकी नकल करती है। भारतीय जनता पार्टी की उम्र मात्र 40 साल है। कांग्रेस 139 साल पुरानी पार्टी है। देश में जो भी राजनीतिक दल है वह कांग्रेस के एजेंडे पर और कांग्रेस की योजनाओं पर ही काम कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के पास ना ही कोई नेता है और ना कार्यकर्ता है। भारतीय जनता पार्टी के पास कोई विजन नहीं है। वे प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की तरह काम करते है। कॉरपोरेट कल्चर पर जीते हैं। यह जनता के बीच कभी नहीं जाते। जब चुनाव आता है तभी इन्हें किसान, गांव महिलाओं की याद आती है।

किस पार्टी की तैयारी है सबसे बेहतर- कांग्रेस और बीजेपी की तैयारियों को लेकर राजनीतिक जानकारों की अलग ही राय है। 2023 में विधानसभा चुनाव बीजेपी और कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण है। भारतीय जनता पार्टी का हर व्यक्ति और हर समाज से मुलाकात करने का अभियान काफी बड़ा है।चुनाव से पहले बीजेपी के बड़े नेता निचले स्तर पर जाकर काम कर रहे हैं। क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल लोगों के घरों तक जाकर सामाजिक लोगों से मुलाकातें कर रहे हैं। इस दौरान समस्याओं को सुनकर सभी से पार्टी से जुड़ने का आह्वान भी किया जा रहा है। वहीं कांग्रेस भूपेश बघेल सरकार की योजनाओं को लेकर जनता के बीच जा रही है। 2 अगस्त से बूथ लेवल अभियान शुरु होगा। जिसमें बूथ स्तर पर सरकार के कामकाज को जनता को बताया जाएगा।

दलित विरोधी है सरकार,उखाड़ फेंकें: आर्य

■ राज्यसभा से छत्तीसगढ़ के कांग्रेस सांसद क्यों गायब रहे : अरुण साव

रायपुर। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक में कांग्रेस की दलित विरोधी सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया गया। बैठक का शुभारंभ आज अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य ने छत्तीसगढ़ महतारी, संविधान निर्माता बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर एवं बाबा गुरु घासीदास जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक राजधानी रायपुर स्थित अग्रसेन धाम में हुई। समापन सत्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष जी ने कहा कि हमें सत्ता जनता की सेवा के लिए चाहिए ,प्रतिकूल परिस्थितियों में काम करके भाजपा कार्यकर्ता और निखरता है। उन्होंने कहा कि देश में विपक्षी दल लगातार वैमनस्यता फैला रहे हैं इस घटनाओं से डरना नहीं है पर सजग रहना है क्योंकि जनता हमारे साथ है। हमारे पास एक सशक्त नेतृत्व है जो देश को विश्व शिखर पर ले जाना जानता है। उद्घाटन सत्र पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ गुरु बाबा घासीदास की जन्म स्थली है। उनकी तपोस्थली है। कौशल्या माता की जन्मभूमि है और हमें भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के देश भर से यहां आये राष्ट्रीय पदाधिकारियों के आतिथ्य का सौभाग्य मिला है। उनका स्वागत करने का अवसर मिला है। 2023 में छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनेगी और उसमें अनुसूचित जाति वर्ग का पूरा समर्थन भारतीय जनता पार्टी के साथ है। छत्तीसगढ़ की कांग्रेस

सरकार अनुसूचित जाति वर्ग के युवाओं के साथ अन्याय कर रही है और इसलिए उन्हें नग्न प्रदर्शन करने पर बाध्य होना पड़ा। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालसिंह आर्य ने अपने संबोधन में छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार को कट्टर दलित विरोधी, कानून विरोधी और संविधान विरोधी सरकार बताते हुए कहा कि अभी हाल ही विधानसभा सत्र के दौरान रायपुर में अनुसूचित जाति वर्ग के 267 युवकों के समर्थन में पूर्ण नग्न होकर प्रदर्शन किया गया। इस प्रदर्शन के लिए कांग्रेस सरकार जिम्मेदार है। कांग्रेस सरकार ने छत्तीसगढ़ के सम्मान को कलंकित कर दिया। श्री आर्य ने कहा कि अनुसूचित जाति वर्ग के विकास के लिए आने वाले केंद्र सरकार का पैसा केवल उसी मद में खर्च किया जाना था लेकिन छत्तीसगढ़ की सरकार ने ऐसा नहीं कर के संवैधानिक व्यवस्था का उल्लंघन किया। अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र बनवाने के लिए प्रदेश के अनुसूचित जाति मोर्चा को जिलों में संघर्ष करना पड़ रहा है। श्री आर्य ने कहा कि बाबा गुरु घासीदास जी की जन्मस्थली गिरौदपुरी में बनने वाले गुरुद्वारा के निर्माण कार्य को रोकना प्रदेश सरकार के घोर अजा विरोधी चरित्र के प्रदर्शन की पराकाष्ठा है। एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश भर में सांस्कृतिक पुनरुत्थान की दिशा में काम कर रहे हैं, महापुरुषों से जुड़े स्थलों को तीर्थ व पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित कर रहे हैं, वहीं प्रदेश की कांग्रेस सरकार द्वारा सतनामी समाज के आराध्य गुरु घासीदास जी के जन्म स्थली के विकास और निर्माण कार्य को रोक रही है। केंद्र सरकार से अनुसूचित जाति वर्ग के छात्र-छात्राओं के लिए आने वाली प्री मैट्रिक व पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की राशि को प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 1100 करोड़ रुपए से बढ़ाकर पंचवर्षीय योजना बनाकर इसके लिए 5900 करोड़ रुपए का सालाना बजट प्रावधान किया। लेकिन छत्तीसगढ़ की सरकार ने विद्यार्थियों के खाते में अपने अंश का वह पैसा नहीं डाला। पदोन्नति के मामले में भी आरक्षण के रोस्टर का पालन प्रदेश सरकार नहीं कर रही है। प्रदेश सरकार ने अनुसूचित जाति समाज में भ्रांति पैदा कर दी है कि राज्यपाल आरक्षण संबंधी विधेयक पर हस्ताक्षर नहीं कर रहे हैं। अनुसूचित जाति वर्ग की जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण का प्रतिशत बढ़ाया जाना चाहिए। अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष नवीन मार्कंडेय ने कहा कि अटल जी ने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया। छत्तीसगढ़ राज्य बीमारू राज्य की श्रेणी में आता था। भाजपा के 15 वर्षों में छत्तीसगढ़ राज्य समृद्ध राज्य बना। छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार भय और भ्रष्टाचार की सरकार है। बैठक में आगामी छह माह की कार्ययोजना तैयार की गई खासकर चुनावी राज्यों के लिए विशेष कार्य योजना बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष आर्य जी व बी. सतीश ने लिया।

बाबू भैया की कलम से

चुनावः भरोसा भूपेश पर या भाजपा के आरोपों पर

जन चर्चाओं में तो फिर कांग्रेस की सरकार बन रही है। भाजपा कार्यकर्ताओं का उत्साह और बयान बाजी कुछ अलग ही चुनावी दृश्य पैदा कर रही है। कहा जा रहा है कि इस बार फिर से भाजपा सरकार। पूछा जा रहा है कि आधार क्या तो कुछ स्पष्ट नहीं , पर कहते हैं, चुनाव के पहले देखना भाजपा बड़ा धमाका करने जा रही है। धमाका क्या है पूछे पर कहा जाता है कि देखते जाओ। सवाल का जवाब देने के ढंग से साफ पता चल जाता है,कि इनको भी कुछ नहीं पता। बड़े किसी नेताओं से पूछो तो वे भी कहते हैं कि सरकार तो हमारी बनेगी बस देखते जाओ। अब क्या समझ जाएं यही किसी के समझ में नहीं आ रहा है। ऐसा क्या चमत्कार होने वाला है कि उसके बाद वर्तमान सरकार की सारी योजनाएं व रणनीति धरी रह जायेगी। बस देखते जाइये कहने की शैली से लोग अनुमान के भंवरजाल में गोता लगाने लग रहे हैं। भाजपा के समर्थन के लिए यहां ईडी,आईटी,सीबीआई सब हैं ना तैयार यह अनुमान भी लगाया जाता है। भले ही इसका सर पैर हो या नहीं लेकिन अल्प शिक्षित ग्रामीण जनता इस बात को सच ही मानती है और केंद्र सरकार के साथ स्थानीय भाजपा नेताओं को कोसने भी लगती है।

कांग्रेस ने केंद्रीय एजेंसियों पर लगाए अपने आरोपों को धरातल पर प्रतिष्ठा दिलाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। असर भी दिखाई दिया है। आंशिक ही सही गांव के लोगों के बीच बात पहुंची है। चर्चा चल पड़ी है कि वर्तमान सरकार तो हमको धान का बोनस देना चाहती थी। अड़ंगा तो केंद्र सरकार ने लगाया था कि अगर बोनस दिया तो समर्थन मूल्य में खरीदे धान का चावल हम नहीं खरीदेंगे। राज्य सरकार देना चाहती है, केन्द्र अड़ंगा लगा रही है। एक नजर में ग्रामीण जनता इस मामले में भूपेश बघेल के पक्ष में खड़ी दिखाई देती है। ग्रामीण जनता के बीच तो यही चर्चा है कि धान खरीदी के मामले में भूपेश बघेल ने जो कहा था वो किया है। कहा था 2500 दूंगा माने दूंगा, दिया , कैसे दिया किस तरह का रास्ता निकाला। अब सब सार्वजनिक तथ्य है। किसी से छुपा नहीं है। 2500 की जगह समर्थन मूल्य बढ़ा तो बिना प्रचार के उसे मिलाकर 2640 दिया। अब ग्रामीण जनता को भाजपा समझा रही है कि जो भी राज्य सरकार ने धान खरीदा वह हमारे पैसे से खरीदा है, सारा पैसा हम देते हैं। कहते हैं कि हम चावल खरीदने के लिए हामी सहमति नहीं देते तो राज्य धान इतनी मात्रा में खरीद पाते। ये सही भी है कि एक साल केंद्र ने कम मात्रा में चावल खरीदा तो धान हाथियों को खिलाना पड़ा था। बड़ी मात्रा में बर्बाद भी हुआ था। लोग प्रक्रिया पर चर्चा करते हैं कि धान खरीदने सरकार ऋण लेती है और धान खरीदती है। धान की मिलिंग करती है। चावल बनवाती है। मिलिंग का खर्चा उठाती है। उसके बाद केंद्र उस चावल को ही पैसा देकर खरीदती है। पैसा आने पर कर्ज पटाया जाता है। कुछ नुकसान भी उठाना पड़ता है। भरपाई सरकार के खजाने से होती है। पैसा केंद्र ने चावल खरीदी के एवज में दिया तो वह धान की खरीदी के लिए दिया कैसे कह सकती है? केंद्र सरकार यह जरूर कह सकती है कि हम अगर चावल नहीं खरीदें तो आप धान खरीद कर करोगे क्या? बुद्धिजीवियों के एक बड़े वर्ग का कहना कि यह कहना संघीय लोकतंत्र की तय व्यवस्थाओं के विरुद्ध होगा। बावजूद इसके केंद्र व राज्य के भाजपाई नेता ऐसा कहने से नहीं चूकते। किस गणित से कहते हैं किसी को बताते भी नहीं। कांग्रेस के किसान नेताओं का कहना है कि इस चुनाव में कुछ चले या नहीं चले धान खरीदी का जादू सर चढ कर जरूर बोलेगा। यह भी कि लोगों की नजर चुनाव के पहले ईडी-आईटी-सीबीआई व अन्य केंद्रीय एजेंसियों की चाही -अनचाही कार्यवाहियों पर भी है। वो कौन सा चमत्कार करती हैं? राज्य व केंद्र के नेता कौन सा चमत्कार करने वाले हैं? प्रदेश के भाग्य खोलने के लिए किस तरह की भाजपाई घोषणाएं सामने आती हैं। अंतिम फैसला तो दोनों दलों का घोषणा पत्र ही करेगा। देखें भाजपा या कांग्रेस अथवा आप किसकी घोषणाओं पर जनता का भरोसा होगा? या फिर भूपेश है तो भरोसा है के नारे पर जनता भरोसा करती है। इसका सबको इंतजार है।

नदियों का चीरहरण कर रही है कांग्रेस सरकार : कौशिक

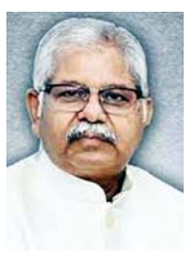

रायपुर। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने कहा कि पिछले पौने पांच सालों में प्रदेश में ऐसी कोई नदीं व घाट नहीं हैं, जहां रेत का अवैध उत्खनन न हो रहा हो। जिधर देखों उधर रेत का अवैध उत्खनन जोरों पर है। उन्होंने कहा कि विधानसभा में प्रदेश सरकार ने स्वयं स्वीकार है कि केवल 1 जून 2021 से 25 जून 2023 तक बिलासपुर जिले में ही 143 शिकायतें अवैध रेत उत्खनन के प्राप्त हुए है जो की एक चिंता का विषय है जब बिलासपुर जिले में ही सैकड़ों की संख्या में शिकायतें प्राप्त हो रही है तो इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि भूपेश राज में किस तरह से संरक्षण का खेल चल रहा है। उन्होंने कहा कि अवैध रेत के मोटी कमाई से सीधे सरकारी राजस्व को नुकसान हो रहा है। हाल ही में ही राजधानी के समीप आरंग में चिखली और हरदी डी जहां

पर प्रदेश सरकार के संरक्षण में अवैध रेत उत्खनन चल रहा था जो कि कोई आम उत्खनन नहीं है इस उत्खनन से एक दिन में ही 50 लाख रू के राजस्व की हानि हुई और भारी मात्रा में भ्रष्टाचार हुआ है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राज में छत्तीसगढ़ में एनजीटी के नियमों की धज्जियां उड़ रही है. ह्लत्र्ञ यानी नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेश की अगर बात करे तो उन्हें केवल सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक ही रेत उत्खनन करने का आदेश दिया गया है, जिसके लिए बाकायदा पिटपास भी जारी किए जाते है, लेकिन इस नियम को नजर अंदाज कर रात के अंधेरे में महानदी का सीना चीरकर रेत निकाली जा रही है. उनके आदेशों के बाद भी अवैध रेट उत्खनन हो रहा है भूपेश राज में कांग्रेसियों की मनमानी चल रही है प्रदेश अब एनजीटी के नियमों से भी उपर आ चुके है, जिनके अवैध रेत उत्खनन के कारण लगातार बेकसूरों की जान जा रही किन्तु प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल मौन बैठे हुए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राज में जिस प्रकार से माफियाओं का द्वारा अवैध उत्खनन कर छत्तीगढ़ की प्राकृतिक संसाधनों का दोहन किया जा रहा है, प्रदेश की प्राकृतिक संरचना ध्वस्त होने के कगार पर है और पूरी कांग्रेस की सरकार नदियों का चीर हरण करने में लगी हुई है। सवाल यह है कि आखिर सरकार इन सब मामले पर मौन बैठकर माफियाओं को संरक्षण क्यों दे रही है? प्रदेश सरकार की मौनता ही अनेक सवालों को जन्म देती है।

कांग्रेस विधायक की मौजदूगी में भाजपा नेताओं की हत्या की धमकी : साव

■ छत्तीसगढ़ को हिंसा में झोंकने सरकार की तैयारी

■ सरकार बचाने भूपेश सरकार रच रही षड्यंत्र, धमकी से नहीं डरेंगे भाजपा के कार्यकर्ता

रायपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने मोहला-मानपुर जिले में खुलेआम भाजपा नेताओं की हत्या की धमकी देने के मामले में कड़ी प्रतिक्रिया दी है। साव ने कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में बीजेपी कार्यकर्ताओं को टारगेट कर उनकी हत्या की जा रही है। अब खुलेआम मारने काटने की धमकी दी जा रही है। छत्तीसगढ़ में अब ऐसे लोगों को कोई भय नहीं है। सोशल मीडिया का जमाना है। तमाम तरह के न्यूज चैनल हैं इसके बावजूद कांग्रेसी विधायक की उपस्थिति में इस प्रकार की धमकी दी जा रही है। यह प्रदेशवासियों के लिए बेहद चिंतनीय है।

साव ने कहा कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में सरजू टेकाम कांग्रेसी विधायक की उपस्थिति में भाजपा नेताओं

व कार्यकर्ताओं मारने-काटने की धमकी दे रहे हैं। यह बताता है कि प्रदेश में कानून व्यवस्था किस प्रकार मृत्यु शय्या पर है। साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ से कांग्रेस की सरकार जाने वाली है। हमारे कार्यकर्ता गांव- गांव जा कर भूपेश बघेल की नाकामी, वादाखिलाफी, भ्रष्टाचार को बताने का काम कर रहे हैं। जिससे आज राज्य में भूपेश बघेल की सरकार भाजपा कार्यकर्ताओं से डरी हुई है। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं, पूर्व विधायकों की सुरक्षा हटाई जा रही है। वहीं दूसरी ओर खुलेमंच से धमकी दी जा रही है। इस प्रकार छत्तीसगढ़ की शांति व्यवस्था में खलल डालने का काम, हिंसा की आग में डालने का काम भूपेश बघेल की सरकार कर रही है। अब इस सरकार के तीन माह ही शेष हैं। इस प्रकार के कृत्य से स्पष्ट है यह कांग्रेस की सरकार अब सदा के लिए प्रदेश से जाने वाली है।

छत्तीसगढ़/राजधानी प्रमुख समाचार

पीएससी की आगामी परीक्षाओं में साक्षात्कार के नंबर होंगे कम

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली बहुविकल्पीय परीक्षाओं में अभ्यर्थियों की माँग के आधार पर आयोग द्वारा निर्णय लिया गया है कि भविष्य में आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं में अभ्यर्थियों के वर्गवार कटआफ सूची लिखित परीक्षा के साथ जारी की जाएगी। पीएससी द्वारा आयोजित परीक्षाओं में इंटरव्यू में जो ज्यादा नंबर हैं उन्हें भी कम किया जाएगा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बिलासपुर के बहतराई स्टेडियम में संभागस्तरीय युवा सम्मेलन के दौरान पीएससी के इन निर्णयों से युवाओं को अवगत कराया।उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री बिलासपुर के लिए हवाई मार्ग से जाने वाले थे लेकिन मौसम खराब होने की वजह से हेलीकाप्टर नहीं उड़ सका। मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर युवाओं को सड़क मार्ग से आने की सूचना दी। ट्वीट में लिखा कि कका और आपके बीच मौसम नहीं आ सकता है। मैं सड़क मार्ग से आपके पास जल्द पहुंच रहा हूँ।कार्यक्रम में अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया का सबसे युवा देश हमारा भारत है और उसका हृदय स्थल छत्तीसगढ़ है। जब मैंने विधानसभा वार भेंट मुलाकात कार्यक्रम किया तो मैंने महसूस किया कि युवाओं के साथ अभी खूब सारी बातचीत करनी बची है और फिर युवाओं से संभागस्तरीय भेंट मुलाकात का निश्चय किया। सबसे पहले रायपुर संभाग के युवाओं से मिला और आज बिलासपुर संभाग के युवाओं से मिलने आया हूँ। मुख्यमंत्री ने चर्चा में बताया कि राज्य शासन युवा हित को ध्यान में रखते हुए अनेक योजनाएं चला रही हैं।

कांग्रेस ने विपक्ष में रहते हुये भी आंदोलन किया थाः शुक्ला

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और कांग्रेस की सरकार के प्रयासो और विधिसम्मत की गयी अनुशंसा से ही 12 जाति समूहों के लोगो को अनुसूचित जाति वर्ग में शामिल किया गया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री मोदी को

इस आशय का पत्र भी 11 फरवरी 2021 को लिखा था। कांग्रेस ने विपक्ष में रहते हुये भी इन जाति समूहों को अनु.जनजाति में शामिल करने के लिये आंदोलन किया था। स्वंय मुख्यमंत्री भूपेश बघेल प्रदेश अध्यक्ष रहते हुये सौरा समाज सहित अन्य समाजो के आंदोलनों में लगातार शामिल कर इनकी मांगो के लिये आवाज उठाते रहे है। रमन सिंह और भाजपा के नेतागण श्रेय लेने के लिये बयान दे रहे कि यह उनके प्रयासो से हुआ है। 15 साल की सरकार के दौरान उन्होंने इस दिशा में क्या सार्थक पहल किया था? उनकी सरकार के आखिरी चार साल में केन्द्र और राज्य दोनो जगह भाजपा की सरकार थी रमन सिंह भाजपा के मुख्यमंत्री के रूप में प्रभावशाली भी थे। इन चार सालों में इन 12 उपजातियों की मांगो के अनुसार केन्द्र से निर्णय क्यों नहीं करवाया? भाजपा और रमन सिंह नहीं चाहते थे कि यह जाति समूह को उनके संवैधानिक अधिकारो का हक मिले। पूर्व की रमन भाजपा सरकार की आदिवासी विरोधी चरित्र और नीति के चलते 12 समुदायो के भारिया, भूमिया, पांडो, धनवार, गदबा, गोड, कोंध, कोडाकू, नगेरिया, गोड़ के 5 उपजाति धूरिया, नायक, ओझा, पठारी और राजगोड़ को उनका अधिकार नही मिला।

सरजू टेकाम की भाषा की जननी तो भाजपा -ठाकुर

रायपुर। आदिवासी नेता सरजू टेकाम के द्वारा दिए गए वक्तव्य की निंदा करते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि आदिवासी नेता सरजू टेकाम के द्वारा दी गई वक्तव्य आपत्तिजनक है बेहद निंदनीय है

छत्तीसगढ़ में इस प्रकार की भाषा स्वीकार्य नहीं है। लोकतंत्र में सभी को मर्यादा के भीतर रहकर अपनी बात को रखना चाहिए। लेकिन भाजपा आज जिस भाषा को लेकर आपत्ति दर्ज करा रही है उसकी जननी भी तो भाजपा ही है। भाजपा के राष्ट्रीय नेता से लेकर प्रदेश स्तर के और वार्ड स्तर के नेता भी हमेशा से उकसाने वाला हिंसा फैलाने वाला और नफरत फैलाने वाले ही भाषा का उपयोग करते हैं सोशल मीडिया में हजारों ऐसे बयान भाषण भाजपा नेताओं के मिल जाएंगे जो लोकतंत्र के शुचिता और पवित्रता के विपरीत है लोकतंत्र को शर्मशार करने वाला है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा के नेता कई बार सार्वजनिक मंचों से आपत्तिजनक बयान देते हैं इस दौरान भाजपा के शीर्ष प्रमुख मौन रहकर उनके बयानों का समर्थन करते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह मंच से प्रदेश के अधिकारी कर्मचारियों को धमकाते हैं। अरुण साव का बयान भी गैर जिम्मेदाराना रहता है। छत्तीसगढ़ के संस्कृति के विपरीत रहता है। राजेश मूणत कई बार पुलिस के अधिकारी कर्मचारियों के लिए

रमन राज में चिटफंड कंपनियों ने गरीबों को लूटा था : आरपी

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता आर.पी. सिंह ने कहा कि रमन सिंह के कार्यकाल में एवं उनके संरक्षण में चिटफंड कंपनियों ने पूरे राज्य में गरीबों को लूटने का तांडव मचाया था। जिलों के कलेक्टरों ने अपने राजनीतिक आका को खुश करने के लिये

रमन सिंह की लूट में पूरा सहयोग किया। परिणाम यह हुआ कि रमन राज में राज्य के लाखों गरीब परिवारों के खून-पसीने की कमाई एवं जमा पूंजी के सैकड़ों करोड़ की राशि चिटफंड कंपनियां लूटकर चंपत हो गयी। उन लुटेरी कंपनियों को रमन सिंह, उनके मंत्रियों एवं भाजपा पदाधिकारियों का पूरा संरक्षण था। जिसका प्रमाण यह है कि चिटफंड कंपनियां गरीबों को लुटती रही तथा उसके बाद उनके फरार होने के बाद भी कंपनियों के मालिकों से पैसे वसूलने तथा गरीबों के पैसे वापस करने का कोई प्रयास नहीं किया गया। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता आर.पी. सिंह ने आरोप लगाया है कि जांजगीर-चांपा जिले में ओ.पी. चौधरी जो रमन सिंह के इशारों पर काम करते थे। उन्हें भाजपा का टिकट आश्वासन था, ने जांजगीर में कलेक्टर रहने के दौरान चिटफंड कंपनियों की लूट में खुला योगदान दिया। कंपनियों को जिले में न केवल आमंत्रित किया गया बल्कि उन्हें कार्यालय खोलने एवं गरीबों से वसूली में फुल सहयोग प्रदान किया गया। अनेक निर्दोष युवाओं को चिटफंड कंपनियों का एजेंट बनाकर, गरीबों को पैसे डबल करने का लालच देकर हजारों परिवारों से करोड़ों की राशि लूटने में पूरा सहयोग दिया गया। ओ.पी. चौधरी की भागीदारी एवं संरक्षण के बिना

गौठान घोटाला की हो सीबीआई जांच : महेश गांगड़ा

रायपुर। पूर्व वन मंत्री महेश गागड़ा ने गोठानों के नाम पर 1300 करोड़ रुपए के भारी दुरुपयोग और घोटाले का आरोप प्रदेश सरकार पर लगाया और मांग की है कि बिहार के चारा घोटाले की तर्ज पर ही इस गौठान घोटाला की जांच सीबीआई

से कराई जाए। महेश गागड़ा ने दो टूक शब्दों में कहा कि गौ माता के नाम पर कांग्रेस की भ्रष्ट प्रदेश सरकार ने बिहार के चारा घोटाले से बड़ा घोटाला किया है। प्रदेश सरकार के इन तथाकथित गौठनों में न गाय है और न ही गोबर। पत्रवार्ता में कहा कि गौठानों के नाम पर भी कांग्रेस की प्रदेश सरकार ने सब्जबाग दिखाए, लेकिन न तो गौठानों में गायों के लिए पर्याप्त इंतजाम किए गए और न ही गोबर से निर्मित खाद का कहीं अता पता है। हाल ही में 269 करोड़ रुपए के तो केवल गोबर घोटाले का खुलासा हुआ है और प्रदेश सरकार इस आरोप का जवाब तक विधानसभा में नहीं दे पाई। इससे साफ है कि प्रदेश सरकार ने हर क्षेत्र में घोटाला करके प्रदेश के संसाधनों की लूट मचा रखी है। प्रदेश में चारों ओर गौठानों का बुरा हाल है और गौवंश बेहाल है। कांग्रेस ने गंगाजल को हाथ में लेकर कसम खाई थी कि उसकी प्रदेश सरकार ने न गंगा माता को छोड़ा और न गौमाता को छोड़ा। महेश गागड़ा ने भाजपा द्वारा हाल ही चलाए गए प्रदेश के 3,948 गौठानों तक पहुंचकर 'पोल खोल अभियान' की चर्चा करते हुए कहा कि प्रदेश के सभी गौठानों में कहीं भी गाय नहीं है।

1 लाख 50 हजार नल कनेक्शन का लक्ष्य प्राप्त करें: डॉ.भुरे

रायपुर। जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे की अध्यक्षता में आज कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रास सभाकक्ष में बैठक हुई। डॉ भुरे ने जिले में जल जीवन मिशन के कार्यों सहित उनसे जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए कहा कि जिले में नागरिकों को नल कनेक्शन जल्द प्रदान करें ताकि उन्हें पेयजल की सुविधा सुलभ तरीके से मिल सकें। उन्होंने नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जल स्त्रोतों के जियो टैगिंग करने को कहा। डॉ भुरे ने दो महीने के भीतर जिले में एक लाख पचास हजार घरेलू कनेक्शन का लक्ष्य पूरा करने का निर्देश दिया। गौरतलब है रायपुर जिले के कुल 1,84,335 घरों में

से 1,41,019 घरों में नल कनेक्शन प्रदाय किया जा चुका है तथा मार्च 2024 तक जिले के सभी ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है। कलेक्टर ने बैठक में कुछ गांवों में विद्युत विभाग को विद्युत कनेक्शन के तथा लोक निर्माण विभाग को सडक कटिंग जुडे मुदद्दों को समन्वय बनाते हुए जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। बैठक में कहा गया की ग्रामों में बेसिक पैरामीटर पूर्ण करने के और स्थानीय युवाओं को मरम्मत कार्य के लिए प्रशिक्षित करने के बाद ही प्रकरण निकाय को सौंपे। रायपुर जिले के 22 ग्रामों के 7 निविदाओं के प्राप्त दर अनुसार कार्यादेशित राशि 5.00 करोड़ से अधिक होने वाली सभी निविदाओं को राज्य जल एवं स्वच्छता समिति में अनुमोदन के लिए सहमति प्रदान की गयी। साथ ही पुराने एस.ओ.आर. में प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त 12 योजनाओं का कार्यादेश होने के पूर्व नए एस.ओ.आर. लागू होने के कारण उक्त सभी योजनाओं को नए एस.ओ.आर. में पुनः तैयार कर तथा तकनीकी स्वीकृति प्राप्त करने वाले पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति के लिए अनुमोदित किया गया।जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक में नलकूप खनन के लिए एस.ओ.आर. से कम दर प्राप्त निविदाओं को स्वीकृत किया गया। साथ ही जल शक्ति मंत्रालय के निर्देशानुसार निविदा में एस.ओ.आर. से 10-25 प्रतिशत तक अधिक दर प्राप्त वाली 5 ग्रामों की योजनाओं को स्टेट लेवेल स्कीम सेंसनिंग कमेटी तथा 25 प्रतिशत से अधिक निविदा दर प्राप्त वाली 70 ग्रामों की योजनाओं को स्टेट वाटर एंड सैनिटेशन मिशन की अपेक्स कमेटी के प्रमुख से अनुमोदनार्थ भेजने का निर्णय लिया गया।

मड़वा पॉवर प्लांट ने रचा सर्वाधिक उत्पादन का कीर्तिमान

बेहतर रखरखाव और कुशल प्रबंधन से हो रहा है भरपूर बिजली उत्पादन

रायपुर । छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी की अटल बिहारी वाजपेयी थर्मल पॉवर प्लांट मड़वा ने सर्वाधिक बिजली उत्पादन का नया कीर्तिमान रचा है। जुलाई महीने में 89.13 प्रतिशत प्लांट लोड फैक्टर (पीएलएफ) हासिल किया है। यह मड़वा संयंत्र का निर्माण होने के बाद से अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। पीएलएफ का आशय है प्लांट की जितनी क्षमता है, उसका कितने प्रतिशत विद्युत उत्पादन किया गया। इस उपलब्धि के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल, उपमुख्यमंत्री श्री टीएस सिंहदेव तथा ऊर्जा सचिव व पॉवर कंपनी

के चेयरमेन श्री अंकित आनंद ने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एसके कटियार ने बताया कि मड़वा में 500-500 मेगावॉट की आधुनिक दो यूनिट संचालित हैं। इस विद्युत संयंत्र ने 2018 में 87.53 प्रतिशत पीएलएफ के साथ 651.2 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया था, जिसे पार करते हुए बीते महीने जुलाई में 89.13 प्रतिशत पीएलएफ के साथ 663.09 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। नए वित्तीय वर्ष के इन चार महीने में मड़वा संयंत्र से कुल विद्युत उत्पादन 2493.801 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन हुआ है, जबकि पिछले वर्ष इस महीने तक 1737.112 मिलियन यूनिट का विद्युत उत्पादन हुआ था। श्री कटियार ने कहा कि राज्य शासन के दिशा-निर्देशन में पॉवर कंपनी ने बेहतर रखरखाव, उच्च कार्यशैली और कुशल प्रबंधन अपनाकर यह उपलब्धि हासिल की है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.